RNI. NO. RAJHIN/2021/82156 डाक पंजीयन संख्याः RJ/ALW/866/23-25

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा

जज्बा सच दिखाने का

वर्ष -05 | अंक -18 | मूल्यः 2.00 रू. | अलवर, बुधवार 2 अप्रेल, 2025 | प्रभात संस्करण | कुल पेज- 10

WWW.Voiceofpratigya.com | Twitter.com/Voiceofpratigya | facebook.com/Voiceofpratigya | YouTube.com/Voiceofpratigya | Instagram- Instagram.com/Voiceofpratigya | 9414508610 | pratigya.alwar@gmail.com

सरकार को क्यों पड़ी वक्फ संशोधन बिल लाने की जरूरत, देश में कितनी वक्फ संपत्तियां, इन पर क्या शिकायतें?

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा नई दिल्ली

केंद्र सरकार बुधवार (2 अप्रैल) को वक्फ संशोधन विधेयक को संसद में पेश करने जा रही है। सरकार का कहना है कि इसके जरिए वह वक्फ से जुड़ी संपत्तियों का बेहतर प्रबंधन सुनिश्चित करेगी। हालांकि, देशभर में इससे पहले ही विधेयक के खिलाफ विरोध प्रदर्शन हुए हैं। विपक्ष के नेताओं ने साफ किया है कि इस तरह का विधेयक मुस्लिम पक्ष की ताकत को कम करेगा और वक्फ पर सरकारी नियंत्रण बढ़ेगा। ऐसे में यह जानना अहम है कि आखिर वक्फ बोर्ड होता क्या है? सरकार को पहले से मौजूद वक्फ कानून में संशोधन की जरूरत क्यों पड़ी? वक्फ बोर्ड के पास कितनी जमीन है? विधेयक पर सरकार का क्या कहना है? वक्फ को लेकर अब तक क्या-क्या शिकायतें मिली हैं?

पहले जानते हैं कि वक्फ क्या होता है?

वक्फ कोई भी चल या अचल संपत्ति हो सकती है, जिसे इस्लाम को मानने वाला कोई भी व्यक्ति धार्मिक कार्यों के लिए दान कर सकता है। इस दान की हुई संपत्ति की कोई भी मालिक नहीं होता है। दान की हुई इस संपत्ति का मालिक अल्लाह को माना जाता है। लेकिन, उसे संचालित करने के लिए कुछ संस्थान बनाए गए है।

वक्फ से संबंधित कितनी शिकायतें सरकार को मिली हैं?

केंद्र सरकार को मुसलमानों और गैर-मुसलमानों से वक्फ भूमि पर जानबूझकर अतिक्रमण और वक्फ संपत्तियों के कुप्रबंधन जैसे मुद्दों पर बड़ी संख्या में शिकायतें और अभ्यावेदन प्राप्त हुए हैं। मंत्रालय ने प्राप्त शिकायतों की प्रकृति और मात्रा का विश्लेषण किया है और पाया है कि अप्रैल, 2023 से प्राप्त 148 शिकायतों में ज्यादातर अतिक्रमण, वक्फ भूमि की अवैध बिक्री, सर्वेक्षण और पंजीकरण में देरी और वक्फ बोर्डों और मुतवल्लियों के खिलाफ शिकायतों से संबंधित हैं।

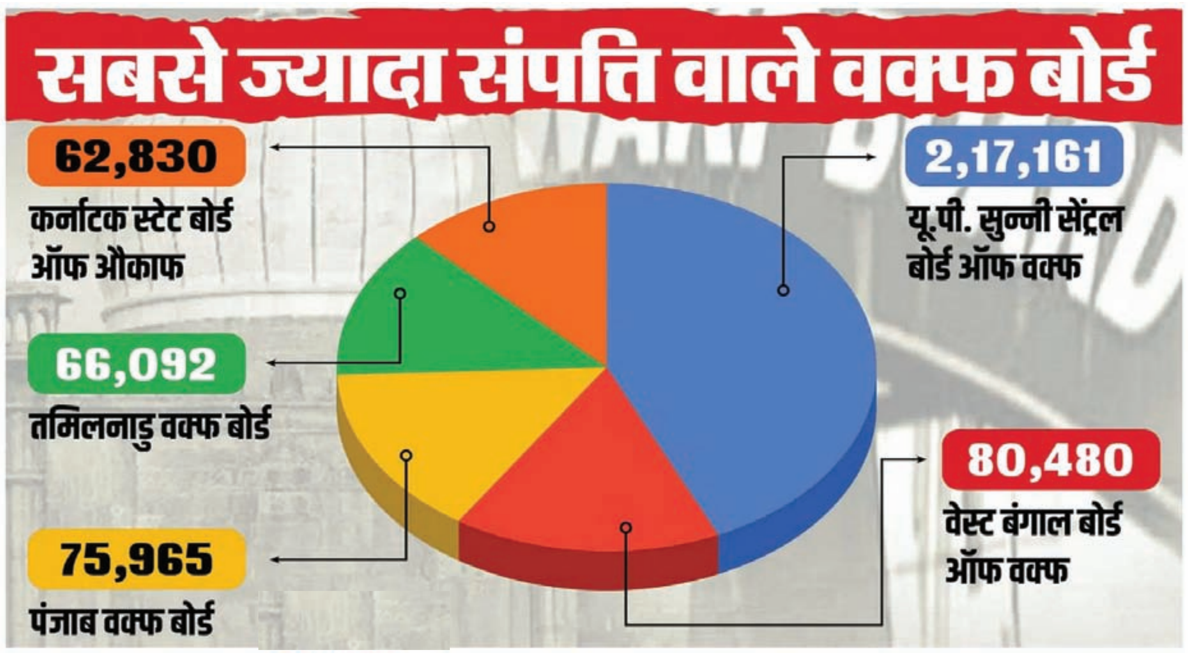

वक्फ कैसे किया जा सकता है?

वक्फ करने के अलग-अलग तरीके हो सकते हैं। जैसे- अगर किसी व्यक्ति के पास एक से अधिक मकान हैं और वह उनमें से एक को वक्फ करना चाहता है तो वह अपनी वसीयत में एक मकान को वक्फ के लिए दान करने के बारे में लिख सकता है। ऐसे में उस मकान को संबंधित व्यक्ति की मौत के बाद उसका परिवार इस्तेमाल नहीं कर सकेगा। उसे वक्फ की संपत्ति का संचालन करने वाली संस्था आगे सामाजिक कार्य में इस्तेमाल करेगी। इसी तरह शेयर से लेकर घर, मकान, किताब से लेकर कैश तक वक्फ किया जा सकता है। कोई भी मुस्लिम व्यक्ति जो 18 साल से अधिक उम्र का है वह अपने नाम की किसी भी संपत्ति को वक्फ कर सकता है। वक्फ की गई संपत्ति पर उसका परिवार या कोई दूसरा शख्स दावा नहीं कर सकता है।

वक्फ बोर्ड कितनी संपत्तियों पर नियंत्रण रखता है?

वक्फ बोर्ड वर्तमान में भारत भर में 9.4 लाख एकड़ में फैली 8.7 लाख संपत्तियों को नियंत्रित करता है, जिसका अनुमानित मूल्य 1.2 लाख करोड़ रुपये है। भारत में दुनिया की सबसे बड़ी वक्फ होल्डिंग है। इसके अलावा, सशस्त्र बलों और भारतीय रेलवे के बाद वक्फ बोर्ड भारत में सबसे बड़ा भूस्वामी है ।

क्या सभी इस्लामिक देशों में वक्फ संपत्तियां हैं?

नहीं, सभी इस्लामिक देशों में वक्फ संपत्तियां नहीं हैं। तुर्की, लीबिया, मिस्र, सूडान, लेबनान, सीरिया, जॉर्डन, ट्यूनीशिया और इराक जैसे इस्लामिक देशों में वक्फ नहीं हैं। हालांकि, भारत में, न केवल वक्फ बोर्ड सबसे बड़े शहरी भूस्वामी हैं, बल्कि उनके पास कानूनी रूप से उनकी सुरक्षा करने वाला एक अधिनियम भी है।

वक्फ की संपत्ति का संचालन करने वाले को क्या कहते हैं?

वक्फ की संपत्ति का संचालन करने के लिए वक्फ बोर्ड होते हैं। ये स्थानीय और राज्य स्तर पर बने होते हैं। उत्तर प्रदेश, बिहार जैसे राज्यों में अलग-अलग शिया और सुन्नी वक्फ बोर्ड भी हैं। राज्य स्तर पर बने वक्फ बोर्ड इन वक्फ की संपत्ति का ध्यान रखते हैं। संपत्तियों के रखरखाव, उनसे आने वाली आय आदि का ध्यान रखा जाता है। केंद्रीय स्तर पर सेंट्रल वक्फ काउंसिल राज्यों के वक्फ बोर्ड को दिशानिर्देश देने का काम करती है। देशभर में बने कब्रिस्तान वक्फ भूमि का हिस्सा होते हैं। देश के सभी कब्रिस्तान का रखरखाव वक्फ ही करते हैं। देश भर में करीब 30 स्थापित संगठन हैं जो उस राज्य या केंद्र शासित प्रदेश में वक्फ संपत्तियों का प्रबंधन करते हैं। इन्हीं संगठनों को वक्फ बोर्ड के नाम से जाना जाता है। भारत में 30 वक्फ बोर्ड हैं, जिनमें से अधिकांश के मुख्यालय राज्यों की राजधानियों में हैं। सभी वक्फ बोर्ड वक्फ अधिनियम 1995 के तहत काम करते हैं। भारतीय वक्फ परिसंपत्ति प्रबंधन प्रणाली के अनुसार, वक्फ बोर्ड मुसलमानों के धार्मिक, सामाजिक और आर्थिक जीवन से जुड़े हुए हैं। वे न केवल मस्जिदों, दरगाहों, कब्रिस्तानों आदि की मदद कर रहे हैं, बल्कि उनमें से कई स्कूल, कॉलेज, अस्पताल, डिस्पेंसरी और मुसाफिरखानों का भी सहायता करते हैं, जो सामाजिक कल्याण के लिए बने हैं।

बिल पर सरकार का क्या कहना है?

केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने अगस्त में जब विधेयक को पेश किया था, तब कहा था कि वक्फ संशोधन विधेयक सच्चर कमेटी की सिफारिशों के आधार पर ही लाया गया है। इसी में कहा गया है कि राज्य और केंद्रीय वक्फ बोर्ड में दो महिलाएं होनी चाहिए। इसी में की गई सिफारिशों को लागू करने के लिए हम यह बिल लेकर आए हैं। इस बिल में जो भी प्रावधान हैं, उसमें संविधान के किसी भी अनुच्छेद का उल्लंघन नहीं किया गया है। किसी का हक छीनने की बात तो छोड़ दीजिए, यह बिल उन्हें हक देने के लिए लाया गया है जिन्हें आज तक उनका हक नहीं मिला। उन्होंने कहा कि पहले भी कई बदलाव हो चुके हैं। 1995 में जो संसोधन किए गए थे, उन्हें 2013 में लाए गए संसोधनों के जरिए निष्क्रिय कर दिया गया, इसलिए यह बिल लाना पड़ा है। 1995 का वक्फ संशोधन विधेयक पूरी तरह से निष्प्रभावी रहा है। इसलिए यह संसोधन करना पड़ रहा है। रिजिजू ने विपक्ष से कहा कि इस बिल का समर्थन कीजिए करोड़ों लोगों की दुआ मिलेगी। वक्फ बोर्ड पर चंद लोगों ने कब्जा किया है। आम मुसलमान लोगों को जो इंसाफ नहीं मिला उसे सही करने के लिए यह बिल लाया गया है।

भारत में वक्फ की शुरुआत कहां से हुई?

भारत में, वक्फ का इतिहास दिल्ली सल्तनत के शुरुआती दिनों से जुड़ा है। तब सुल्तान मुइज़ुद्दीन सैम ग़ौर ने मुल्तान की जामा मस्जिद के लिए दो गांव समर्पित किए और इसका प्रशासन शेखुल इस्लाम को सौंप दिया। जैसे-जैसे दिल्ली सल्तनत और बाद में इस्लामी राजवंश भारत में फले-फूले, भारत में वक्फ संपत्तियों की संख्या बढ़ती गई। 19वीं सदी के आखिर में भारत में वक्फ को खत्म करने का मामला तब उठाया गया था, जब ब्रिटिश राज के दिनों में वक्फ संपत्ति को लेकर एक विवाद लंदन की प्रिवी काउंसिल में पहुंचा था। इस मामले की सुनवाई करने वाले चार ब्रिटिश जजों ने वक्फ को सबसे खराब और घातक व्यवस्था बताया और वक्फ को अमान्य घोषित कर दिया। हालांकि, चारों जजों के फैसले को भारत में स्वीकार नहीं किया गया। 1913 के मुसलमान वक्फ वैधीकरण अधिनियम ने भारत में वक्फ संस्था को बचा लिया। तब से वक्फ पर अंकुश लगाने का कोई प्रयास नहीं किया गया।

सरकार ने जो वक्फ संशोधन विधेयक पेश किया है वो क्या है?

पिछले कई दिनों से चर्चा थी कि सरकार संसद में वक्फ बोर्ड में संशोधन से जुड़ा विधेयक पेश कर सकती है। केंद्रीय अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू ने 8 अगस्त को लोकसभा में वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2024 और मुसलमान वक्फ (निरसन) विधेयक, 2024 पेश किया। हालांकि, बाद में इसे जेपीसी के पास भेजा गया। विधेयक में वर्तमान अधिनियम में दूरगामी परिवर्तन की बात कही गई है। इसमें केंद्रीय और राज्य वक्फ बोर्ड में मुस्लिम महिलाओं का प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करना भी शामिल है। इसके साथ ही किसी भी धर्म के लोग इसकी कमेटियों के सदस्य हो सकते हैं। अधिनियम में आखिरी बार 2013 में संशोधन किया गया था।

मुख्यमंत्री ने ली सहकारिता विभाग की समीक्षा बैठक

सहकार से समृद्धि की भावना के साथ कमजोर वर्ग का सशक्तिकरण राज्य सरकार की प्राथमिकताः सीएम

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा जयपुर

राज्य सरकार के अन्त्योदय के संकल्प को साकार करने में सहकारिता की महत्वपूर्ण भूमिका है। सहकार से समृद्धि की भावना के साथ समाज के कमजोर वर्ग को सशक्त बनाना राज्य सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि हमारे गांवों को समृद्ध और खुशहाल बनाने के लिए राज्य सरकार प्रदेश की प्रत्येक ग्राम पंचायत स्तर पर ग्राम सेवा सहकारी समितियों की स्थापना कर रही है। शर्मा मंगलवार को मुख्यमंत्री निवास पर सहकारिता विभाग की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रदेश के किसानों को सशक्त एवं समृद्ध बनाए जाने में सहकार आन्दोलन की महत्वपूर्ण भूमिका है। इस हेतु राज्य सरकार राजस्थान सहकारिता अधिनियम 2001 को वर्तमान परिपेक्ष्य में प्रासंगिक बनाने के लिए नवीन कॉपरेटिव कोड लेकर आएगी। इसके लिए गठित एक समिति ने सहकारी आंदोलन में अग्रणी महाराष्ट्र, गुजरात, मध्यप्रदेश और केरल जैसे राज्यों का दौरा कर वहां के सहकारी कानूनों का व्यवहारिक अध्ययन भी किया है। शर्मा ने कहा कि किसानों की आय बढ़ाने के उद्देश्य से राज्य सरकार ने बजट 2024-25 की अनुपालना में 23 हजार करोड़ रुपये से अधिक का ब्याज मुक्त अल्पकालीन फसली ऋण वितरित किया है। इससे राज्य के 35 लाख से अधिक किसान लाभान्वित हुए हैं। बजट 2025-26 में भी 25 हजार करोड़ रुपये के ऋण वितरण की घोषणा की गई है।

खरीफ-2024 में दलहन और तिलहन की 4700 करोड़ रुपये से अधिक की खरीद

मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान राज्य सहकारी क्रय विक्रय संघ लि0 की ओर से खरीफ सीजन 2024 में दलहन और तिलहन जैसे मूंग, उड़द, मूंगफली, सोयाबीन की 4 हजार 700 करोड़ रुपये से अधिक की खरीद की गई, जिसमें मूंगफली की 4 लाख 38 हजार 800 मेट्रिक टन से भी अधिक की रिकॉर्ड खरीद की गई। साथ ही, रबी सीजन 2025-26 के लिए सरसों और चने की खरीद हेतु रजिस्ट्रेशन प्रारम्भ हो चुका है। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि पर्याप्त प्रचार-प्रसार कर किसानों को केन्द्र और राज्य सरकार की योजनाओं की जानकारी दी जाए। पात्र किसानों को सहकारी बैंकों के द्वारा किसान क्रेडिट कार्ड के माध्यम से कम ब्याज पर ऋण उपलब्ध कराया जाए। यह भी सुनिश्चित किया जाए कि किसानों और ग्रामीणों के अधिक से अधिक बचत खाते सहकारी बैंकों में खुलें। समीक्षा बैठक में सहकारिता विभाग की प्रमुख शासन सचिव मती मंजू राजपाल ने विभाग की उपलब्धियों और योजनाओं के बारे में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि केन्द्र सरकार की सहकार से समृद्धि की परिकल्पना को साकार करने में राजस्थान देश के अग्रणी राज्यों में है। इस परिकल्पना के तहत 54 पहलें प्रारम्भ की गई हैं, जिनमें पेक्स कम्प्यूटराइजेशन, बहुद्देशीय ग्राम सेवा सहकारी समितियों की स्थापना तथा अन्न भण्डारण हेतु गोदामों की स्थापना जैसी पहलें शामिल हैं। राजस्थान राज्य सहकारी उपभोक्ता संघ लि0 (कॉनफेड) ने मेडिकल मार्केटिंग तथा नागरिक आपूर्ति अनुभाग में लक्ष्य से अधिक व्यवसायिक उपलब्धियां हासिल की है। कॉनफेड द्वारा प्रतिवर्ष राष्ट्रीय सहकार मसाला मेला तथा दीपोत्सव मेला आयोजित किया जाता है। बैठक में सहकारिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गौतम कुमार दक, मुख्य सचिव सुधांश पंत, अतिरिक्त मुख्य सचिव वित्त अखिल अरोड़ा, अतिरिक्त मुख्य सचिव (मुख्यमंत्री कार्यालय) शिखर अग्रवाल, प्रमुख सचिव (मुख्यमंत्री) आलोक गुप्ता, शासन सचिव पशुपालन समित शर्मा, प्रबंध निदेशक राजफेड टीकम चन्द बोहरा, प्रबंध निदेशक आरएसएलडीबी जितेन्द्र प्रसाद सहित संबंधित विभागों के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

बजट घोषणाओं का समयबद्ध क्रियान्वयन हो सुनिश्चित

सहकारिता विभाग से संबंधित बजट घोषणाओं की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को इनका समयबद्ध रूप से प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सहकारी संस्थाओं के भण्डारण की क्षमता में वृद्धि करने के लिए 150 ग्राम सेवा सहकारी समितियों में 100 से 500 मेट्रिक टन क्षमता के गोदामों का निर्माण कराया जा रहा है। इन गोदामों में कृषि उत्पादों का योजनाबद्ध ढ़ंग से भण्डारण सुनिश्चित हो, ताकि इनका अधिकतम उपयोग लिया जा सके। शर्मा ने कहा कि राज्य के 1 लाख गोपालक परिवारों को गोपाल क्रेडिट कार्ड के तहत 1 लाख रुपये तक का ब्याज मुक्त ऋण उपलब्ध कराया जा रहा है। बजट 2025-26 में इन परिवारों की संख्या बढ़ाकर 2 लाख 50 हजार कर दी गई है।

सरकार तुरंत जनगणना और जातीय सर्वे कराए', खरगे का दावा- जरूरतमंद लोगों का हो रहा नुकसान

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा नई दिल्ली

राज्यसभा में मंगलवार को जनगणना का मुद्दा उठा। सदन में नेता विपक्ष और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने मांग की कि सरकार तुरंत जनगणना और जातीय जनगणना कराए। उन्होंने दावा किया कि जनगणना में देरी की वजह से बड़ी संख्या में लोग जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ नहीं ले पा रहे हैं। खरगे ने राज्यसभा में शून्य काल के दौरान यह मुद्दा उठाया और जनगणना में हो रही देरी पर चिंता जाहिर की। उन्होंने कहा कि साल 1881 से हर दस साल बाद देश में जनगणना होती रही है। खरगे ने कहा कि युद्ध, आपातकाल और अन्य संकटों के दौरान भी जनगणना हुई। खरगे ने कहा कि साल 1931 की जनगणना से पहले महात्मा गांधी ने कहा था कि जिस तरह से हमें हमारी सेहत की स्थिति जांचने के लिए मेडिकल चेकअप की जरूरत होती है, उसी तरह से एक देश के लिए जनगणना सबसे जरूरी जांच होती है। उन्होंने कहा कि 1931 में जनगणना के साथ ही जातीय जनगणना भी हुई थी। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि जनगणना एक जरूरी अभ्यास है और इसमें बड़ी संख्या में लोग शामिल होते हैं। ये लोग न सिर्फ जनगणना के आंकड़े जुटाते हैं बल्कि रोजगार, परिवार, सामाजिक-आर्थिक और कई अन्य पहलुओं की भी जानकारी जुटाते हैं। खरगे ने कहा कि 'द्वितीय विश्व युद्ध और 1971-72 के भारत-पाकिस्तान युद्ध के समय भी जनगणना कराई गई थी, लेकिन ये दुर्भाग्यपूर्ण है कि देश के इतिहास में पहली बार जनगणना में इतनी देरी हुई है।' खरगे ने जनगणना के साथ ही जातीय जनगणना कराने की भी मांग की। उन्होंने कहा कि 'सरकार पहले ही अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति से संबंधित आंकड़ें जुटाती है, ऐसे में सरकार अन्य जातियों के आंकड़े भी जुटा सकती है, लेकिन सरकार ने इन पर चुप्पी साधी हुई है।' कांग्रेस नेता ने कहा कि कोरोना महामारी के बावजूद दुनिया के 81 प्रतिशत देशों ने सफलतापूर्वक जनगणना कराई, लेकिन भारत में सरकार ने इस संबंध में कोई स्पष्ट बयान जारी नहीं किया है। उन्होंने कहा कि जनगणना नहीं कराने के गंभीर परिणाम होंगे। उन्होंने कहा कि बिना सटीक और अपडेट आंकड़ों के बिना नीतियां बनाना मुश्किल होगा और अगर नीतियां बनाई जाएंगी तो ये मनमानी होंगी और इनका लोगों के जीवन पर कोई असर नहीं पड़ेगा। खरगे के अनुसार, कई अहम सर्वे और जनकल्याणकारी योजनाएं जनगणना पर आधारित हैं। जैसे उपभोक्ता सर्वे, राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वे, श्रम शक्ति सर्वे, राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा कानून और राष्ट्रीय सामाजिक मदद कार्यक्रम भी जनगणना पर निर्भर करते हैं। खरगे ने दावा किया कि जनगणना में देरी से बड़ी संख्या में लोग जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ नहीं ले पा रहे हैं।

ई-रिक्शा से अगवा कर युवक से मारपीट, अब बच्चों को धमकी

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा अलवर

शहर कोतवाली थाना क्षेत्र में एक युवक को जबरन ई-रिक्शा से उतारकर अगवा करने और उसके साथ मारपीट करने का मामला सामने आया है। पीड़ित शेरू सिंह निवासी बुध विहार ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 30 मार्च की रात करीब 8.30 बजे वह भगत सिंह सर्कल से ई-रिक्शा में घर लौट रहा था। इसी दौरान अम्बेडकर सर्किल पर कुछ लोगों ने उसका रिक्शा रोक लिया, जबरन नीचे उतारकर मोटरसाइकिल पर बैठाया और अग्रसेन चौक ले गए, जहां उसके साथ मारपीट की गई। इस हमले में उसके दाएं पैर और कंधे पर अंदरूनी चोटें आई हैं। पीड़ित ने बताया कि वह एक कमेटी चलाता था, जो उसके नाम पर ही खुली थी। आरोपियों को उसमें पैसे जमा कराने थे, लेकिन वे इससे बच रहे थे। पहले उन्हें फोन पर धमकियां दी गईं और फिर 30 मार्च को हमला कर दिया गया। अब आरोपियों ने पीड़ित और उसके बच्चों को जान से मारने की धमकी भी दी है। इस मामले में आरोपी रबि सिंह और गुड्डू सिंह, दोनों पुत्र हरनू सिंह निवासी टिठोड़ा मोहल्ला, स्कीम नंबर 2, अलवर के बताए जा रहे हैं। पीड़ित ने कोतवाली थाने में आरोपियों के खिलाफ जबरन रोककर मारपीट करने और धमकी देने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

अन्नपूर्णा रसोई में भोजन की देरी से हंगामा, मजदूरों ने जताया आक्रोश

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा अलवर

अन्नपूर्णा रसोई में समय पर भोजन न मिलने के कारण मजदूरों और रिक्शा चालकों में भारी आक्रोश देखने को मिला। रोजाना यहां सैकड़ों गरीब और मजदूर वर्ग के लोग भोजन के लिए आते हैं, लेकिन उन्हें समय पर खाना नहीं मिल पा रहा है। मंगलवार सुबह से ही लोग रसोई के बाहर लाइन में लगे थे, लेकिन दोपहर 12 बजे तक भी भोजन तैयार नहीं किया गया था, जिससे गुस्साए मजदूरों ने हंगामा कर दिया। रिक्शा चालक अमर किशन, रंजीत सिंह और नरेंद्र सिंह सहित कई मजदूरों ने आरोप लगाया कि जब वे भोजन मांगने जाते हैं तो रसोई का मैनेजर पुरुषोत्तम लाल वर्मा उन्हें धमकाता है और वापस भेज देता है। मजदूरों का कहना है कि रोजाना कुछ लोगों के टोकन काट दिए जाते हैं, लेकिन उन्हें खाना नहीं दिया जाता। उन्होंने आरोप लगाया कि सुबह 8 बजे से भोजन मिलना चाहिए, लेकिन कई बार दोपहर तक भी खाना तैयार नहीं होता, जिससे उनके काम पर जाने में देरी हो जाती है। जब मीडिया मौके पर पहुंची तो हालात और बिगड़ गए। रसोई के अंदर भारी गंदगी पाई गई, आटा अधूरा गूंथा हुआ था और सब्जी बननी शुरू भी नहीं हुई थी। हंगामे के बीच जल्दबाजी में भोजन तैयार करने की कोशिश की गई, लेकिन स्थिति बेकाबू हो गई। इस मामले में अन्नपूर्णा रसोई के मैनेजर पुरुषोत्तम लाल वर्मा ने सफाई देते हुए कहा कि गैस सिलेंडर खत्म होने के कारण खाना बनाने में देरी हुई। उन्होंने मजदूरों के आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि कुछ लोग जानबूझकर माहौल बिगाड़ने की कोशिश कर रहे हैं। हालांकि, मजदूरों का कहना है कि यह पहली बार नहीं हुआ है, बल्कि यह समस्या रोज की बन चुकी है। गरीबों के लिए चलाई जा रही इस योजना में लापरवाही से मजदूरों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। मजदूरों ने प्रशासन से सख्त कार्रवाई की मांग की है ताकि भविष्य में ऐसी समस्या दोबारा न हो।

सिलीसेढ़ स्थित RTDC होटल में 4.81 लाख की चोरी, पुलिस जांच में जुटी

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा अलवर

जिले के अकबरपुर थाना क्षेत्र में स्थित सिलीसेढ़ के RTDC होटल में 4.81 लाख रुपये की चोरी होने का मामला सामने आया है। होटल प्रबंधक भागीरथ सिंह राठौड़ के अनुसार, घटना के समय होटल में भारी भीड़ थी, जिसका फायदा उठाकर अज्ञात चोर ने अलमारी में रखा नकद उड़ा लिया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। होटल व आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं ताकि चोर की पहचान हो सके। प्रारंभिक जांच में आशंका जताई जा रही है कि यह चोरी योजनाबद्ध तरीके से की गई और इसमें कोई होटल से परिचित व्यक्ति भी शामिल हो सकता है। होटल प्रबंधन ने इस घटना पर गहरी चिंता जताते हुए सुरक्षा व्यवस्था को और कड़ा करने की जरूरत बताई है। पुलिस ने आश्वासन दिया है कि जल्द ही इस मामले का खुलासा कर आरोपी को गिरफ्तार किया जाएगा। चोरी की इस घटना ने होटल की सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं।

चाणक्य परिवार द्वारा द्वितीय प्रतिभा सम्मान समारोह और रक्तदान शिविर का होगा आयोजन

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा अलवर

चाणक्य परिवार, अलवर द्वारा दिनांक 20 अप्रैल 2025, रविवार को प्रातः 9 बजे से पुरूषार्थी धर्मशाला, स्कीम नं.-2, अलवर में "द्वितीय प्रतिभा सम्मान समारोह" एवं रक्तदान शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इस कार्यक्रम के माध्यम से प्रतिभावान विद्यार्थियों को सम्मानित किया जाएगा तथा समाज में रक्तदान के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए शिविर लगाया जाएगा। आयोजकों के अनुसार, इस सम्मान समारोह में उन विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया जाएगा जिन्होंने विभिन्न शैक्षणिक और प्रतियोगी परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। इसके साथ ही, रक्तदान शिविर में इच्छुक दाताओं को रक्तदान के लिए प्रेरित किया जाएगा, जिससे जरूरतमंद मरीजों को समय पर रक्त उपलब्ध हो सके। चाणक्य परिवार ने सभी समाजसेवियों, विद्यार्थियों और नागरिकों से इस कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर आयोजन को सफल बनाने की अपील की है।

अलवर के भविष्य यादव ने नेट बॉल में जीता गोल्ड मेडल

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा अलवर

अलवर जिले के होनहार खिलाड़ी भविष्य यादव ने राजस्थान नेटबॉल सब जूनियर टीम का प्रतिनिधित्व करते हुए शानदार प्रदर्शन किया और गोल्ड मेडल जीतकर जिले व प्रदेश का नाम रोशन किया। उनकी इस उपलब्धि से खेल जगत में खुशी की लहर है। भविष्य की इस सफलता पर अलवर जिले के खेल प्रेमियों में उत्साह है। जिलाध्यक्ष प्रकाश चंद्र तसई ने उनका स्वागत करते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर सीनियर खिलाड़ी शुभम, अनिल, प्रांजल, प्रिंस, प्रियांश, अविरल सहित कई खेल प्रेमी मौजूद रहे। भविष्य की इस उपलब्धि से जिले में खेलों के प्रति युवाओं का रुझान और अधिक बढ़ने की उम्मीद है। उनका यह गोल्ड मेडल युवा खिलाड़ियों के लिए प्रेरणास्रोत बनेगा।

जिला कांग्रेस कमेटी की आवश्यक बैठक, संगठन को मजबूत करने की बनी रणनीति

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा अलवर

जिला कांग्रेस कमेटी की एक आवश्यक बैठक गोल्डन बाग में आयोजित की गई, जिसमें, छ्ष्टष्ट महासचिव एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री भंवर जितेंद्र सिंह, नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली और AICC सचिव इंचार्ज चिरंजीव राव प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। बैठक में कांग्रेस संगठन को मजबूत करने और आगामी राजनीतिक रणनीतियों पर विचार-विमर्श किया गया। बैठक के बाद मीडिया से बातचीत में AICC सचिव इंचार्ज चिरंजीव राव ने कहा कि बैठक में वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं ने भाग लिया और संगठन को मजबूती देने के लिए ठोस रणनीति बनाई गई। उन्होंने कहा कि भाजपा की नीतियों और झूठे वादों के खिलाफ कांग्रेस जल्द ही बड़ा प्रदर्शन करेगी। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने परिसीमन के मुद्दे पर कहा कि आम जनता को इससे परेशान किया जा रहा है और कांग्रेस इसके खिलाफ बड़े स्तर पर विरोध करेगी। उन्होंने भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि सरकार में स्पष्ट नीति का अभाव है और यह सरकार कम, सर्कस ज्यादा लग रही है। बैठक में कांग्रेस संगठन की मजबूती और भाजपा के खिलाफ जनआंदोलन की रणनीति पर भी विचार किया गया। नेताओं ने सर्वसम्मति से भाजपा की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ एकजुट होकर संघर्ष करने का संकल्प लिया। आने वाले समय में कांग्रेस पार्टी व्यापक स्तर पर विरोध प्रदर्शन कर जनता की आवाज बुलंद करेगी। इस बैठक में सांसद संजना जाटव, विधायक ललित यादव, दीपचंद खैरिया, कान्ति मीणा, मांगेलाल मीणा सहित कई पूर्व सांसद, पूर्व विधायक, विधायक प्रत्याशी, वरिष्ठ कांग्रेसजन, PCC एवं DCC पदाधिकारी, ब्लॉक अध्यक्ष, अग्रिम संगठनों के जिलाध्यक्ष, मंडल अध्यक्ष, प्रधान एवं पूर्व प्रधान, नगर परिषद एवं नगर पालिकाओं के चेयरमैन एवं पूर्व चेयरमैन, जिला पार्षद, नगर निगम पार्षद, पंचायत समिति सदस्य, कांग्रेस विचारधारा से जुड़े सरपंच और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

जिला कलक्टर ने विद्युत आपूर्ति को लेकर दिए सख्त निर्देश

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा अलवर

जिला कलक्टर आर्तिका शुक्ला ने विद्युत विभाग के अधिकारियों की समीक्षा बैठक लेकर ग्रीष्म ऋतु में निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने और पीएम सूर्यघर योजना के तहत अधिकतम उपभोक्ताओं को लाभ पहुंचाने के निर्देश दिए। उन्होंने अधीक्षण अभियंता को निर्देशित किया कि गर्मी के मौसम में बढ़ती बिजली मांग को देखते हुए विद्युत तंत्र के सुधार कार्यों में तेजी लाई जाए। बजट घोषणाओं की समीक्षा कर उन्हें धरातल पर उतारने के लिए आवश्यक कदम उठाने पर जोर दिया गया। उन्होंने कहा कि फील्ड मॉनिटरिंग को मजबूत किया जाए, उपभोक्ताओं की विद्युत संबंधी शिकायतों का त्वरित समाधान हो और नियंत्रण कक्ष सक्रिय रहे। साथ ही, पावर ट्रांसफार्मर की क्षमता बढ़ाने, ढीले तार कसवाने, नए ट्रांसफार्मर लगाने और खराब ट्रांसफार्मर शीघ्र दुरुस्त करने के निर्देश दिए गए।

पीएम सूर्यघर योजना के प्रचार-प्रसार पर जोर

बैठक में पीएम सूर्यघर योजना की समीक्षा के दौरान बताया गया कि अब तक जिले में 680 सोलर कनेक्शन जारी किए गए हैं। कलक्टर ने योजना की गति बढ़ाने और अधिक से अधिक घरेलू उपभोक्ताओं को जोड़ने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शून्य बिल का लाभ प्राप्त कर रहे उपभोक्ताओं के अनुभव आमजन तक पहुंचाए जाएं ताकि ज्यादा लोग योजना से जुड़ें। सहायक अभियंताओं को शिविर आयोजित कर योजना के प्रचार-प्रसार और उपभोक्ताओं को सोलर कनेक्शन के लिए प्रेरित करने के निर्देश दिए गए।

विद्युत सुदृढ़ीकरण के लिए कार्य योजना

बैठक में जयपुर विद्युत वितरण निगम के अधीक्षण अभियंता सुधीर पांडे ने जानकारी दी कि विद्युत तंत्र को मजबूत करने के लिए शहर में पावर ट्रांसफार्मर की क्षमता में 21 एमवीए की वृद्धि की गई है। अगले महीने तक 16 एमवीए क्षमता के दो नए 33/11 केवी जीएसएस शुरू किए जाने की योजना है। उन्होंने बताया कि अलवर शहर में 16 नए 11 केवी फीडर चालू किए गए हैं और 98 नए ट्रांसफार्मर विभिन्न कॉलोनियों में लगाए गए हैं। उपभोक्ताओं की शिकायतों के त्वरित समाधान के लिए तीन नए कॉल सेंटर स्थापित किए गए हैं, जो लगातार काम करेंगे। इसके अलावा, 10 एफआरटी गाड़ियां भी शहर में विद्युत आपूर्ति से जुड़ी समस्याओं के समाधान के लिए तैनात की गई हैं। बैठक में विद्युत विभाग के अधिशाषी अभियंता महेश देसवाल सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

गरीब परिवार की जमीन पर जबरन कब्जे की कोशिश, पुलिस ने जेसीबी सहित 5 आरोपी पकड़े

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा नारायणपुर

कस्बे में एक गरीब परिवार की जमीन पर जबरन कब्जा करने की कोशिश का मामला सामने आया है। 31 मार्च की देर शाम करीब 7.30 बजे आधा दर्जन लोग लाठी-डंडों के साथ जेसीबी मशीन लेकर पहुंचे और जमीन को खाली करने का आदेश देने लगे। पीड़ित परिवार ने इसका विरोध किया और पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने स्थिति को नियंत्रित करते हुए जेसीबी मशीन और उसके चालक समेत कुल 5 लोगों को गिरफ्तार कर लिया। थानाधिकारी ओमप्रकाश मीणा के अनुसार, गिरफ्तार किए गए आरोपियों में गिर्राज, रोहित, कालू राम, प्रीत और प्रताप शामिल हैं। नगरपालिका अधिशासी अधिकारी विशाल यादव ने बताया कि यह जमीन आबादी भूमि के अंतर्गत आती है और अवैध कब्जे की शिकायत प्राप्त होते ही कार्रवाई की गई। उन्होंने कहा कि यदि किसी के पास वैध दस्तावेज हैं, तो उन्हें प्रस्तुत करना होगा। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है और आगे की कार्रवाई जारी है।

सड़क हादसे में युवक की मौत, सोशल मीडिया से जुटाए 2 लाख रुपये

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा थानागाजी

ग्राम आगर में तेज रफ्तार बाइक की टक्कर से युवक की मौत के बाद स्थानीय युवाओं ने सोशल मीडिया के माध्यम से मदद कर 13 दिनों में 2 लाख 32 हजार रुपये जुटाए। ग्राम आगर की सड़क ऊपर ढाणी निवासी 32 वर्षीय श्योपाल मीणा 15 मार्च को मिर्च का बीज लेने बाइक से थानागाजी जा रहा था। आगर गांव के मुख्य बाजार में एक तेज रफ्तार बाइक ने उसे टक्कर मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। उपचार के दौरान 17 मार्च को उसकी मृत्यु हो गई। इस हादसे से तीन मासूम बच्चों के सिर से पिता का साया उठ गया। परिवार की नाजुक आर्थिक स्थिति को देखते हुए ट्रैन मैनेजर दयाराम मीणा, समाजसेवी बाबू भाई और राजेश सैनी ने सोशल मीडिया के माध्यम से आमजन से मृतक के गरीब परिवार की मदद की अपील की। युवाओं ने 13 दिनों में 2 लाख 32 हजार रुपये एकत्रित कर मृतक के परिवार को सौंप दिए। इस मौके पर सरपंच प्रतिनिधि महेंद्र जांगिड़, ट्रैन मैनेजर दयाराम मीणा, बाबू भाई, राजेश मैनेजर, लोकेश, लहरी, रमेश, कैलाश सहित कई लोग मौजूद रहे।

अलवर में पानी की किल्लत, प्रशासन की अनदेखी से नाराज लोग

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा अलवर

शहर के ब्रह्मचारी मोहल्ला, अखैपुरा मोहल्ला और खाटू श्याम मंदिर क्षेत्र के तीन वार्डों में पानी की भारी किल्लत बनी हुई है। पिछले 15 दिनों से स्थानीय लोग जल संकट के समाधान के लिए कलेक्ट्रेट और जलदाय विभाग के चक्कर काट रहे हैं, लेकिन अब तक कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया है। मंगलवार को बड़ी संख्या में महिलाओं और पुरुषों ने मिनी सचिवालय स्थित कलेक्ट्रेट पहुंचकर प्रदर्शन किया और जिला प्रशासन व जलदाय विभाग के खिलाफ नारेबाजी की। क्षेत्र की निवासी सुनीता और सुमित्रा ने बताया कि उनके इलाके में दो-तीन महीनों से पानी की गंभीर समस्या बनी हुई है। इस संकट के समाधान के लिए पिछले 15 दिनों में पांच बार कलेक्ट्रेट और जलदाय विभाग में शिकायत दी गई, लेकिन अधिकारी समस्या के समाधान के बजाय एक-दूसरे पर जिम्मेदारी टाल रहे हैं। स्थानीय महिलाओं ने बताया कि इलाके के कनिष्ठ अभियंता ने स्पष्ट कर दिया है कि यहां पानी की बोरिंग नहीं होगी, जिससे जल संकट और गहरा सकता है। इससे लोगों को पीने के पानी तक के लिए भटकना पड़ रहा है। प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही कोई ठोस समाधान नहीं निकाला गया तो वे अनिश्चितकालीन धरने पर बैठने को मजबूर होंगे।

सागर में डूबने से युवक की मौत

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा अलवर

शहर के सागर जलाशय में मंगलवार सुबह करीब 6 बजे 38 वर्षीय रामभरोसी वाल्मीकि की डूबने से मौत हो गई। सूचना मिलने पर कोतवाली थाना पुलिस मौके पर पहुंची और सिविल डिफेंस के जवानों व गोताखोरों की मदद से शव को बाहर निकालकर अस्पताल की मोर्चरी भिजवाया। पुलिस के अनुसार, प्रारंभिक जांच में सामने आया कि रामभरोसी सुबह पक्षियों को चुग्गा डालने सागर जलाशय पर गया था। वहां छतरी के पास चुग्गा डालते समय उसका पैर फिसल गया, जिससे वह संतुलन खोकर पानी में गिर गया। गहराई अधिक होने के कारण वह डूब गया और उसकी मौत हो गई। मृतक रामभरोसी वाल्मीकि पुत्र कैलाश नंदा, मोहल्ला हजूरी गेट का रहने वाला था। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करवा लिया है और आगे की कार्रवाई जारी है।

कन्या महाविद्यालय बनाने को लेकर कवायद तेज

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा अलवर

शहर में कन्या महाविद्यालय बनाने की योजना को लेकर कवायद तेज हो गई है। इसके लिए जगह चिन्हीकरण की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। मंगलवार को वन राज्यमंत्री संजय शर्मा ने यूआईटी अधिकारियों के साथ मिलकर शहर के विभिन्न स्थानों का दौरा किया। मंत्री ने अरावली विहार फेज फर्स्ट, वैशाली नगर, अंबेडकर नगर एम-एन ब्लॉक, मूर्ति नगर कॉलोनी, न्यू शांति कुज के पास और पॉलिटेक्निक कॉलेज का निरीक्षण किया। इन स्थानों का दौरा कर कन्या महाविद्यालय बनाने की संभावनाओं पर चर्चा की गई। इस दौरान यूआईटी के एक्सईएन कुमार संभव अवस्थी व जेईएन दौलत सौगत भी उपस्थित रहे। कुछ दिन पहले, जीडी कॉलेज के प्रिंसीपल के प्रतिनिधि और यूआईटी की एक टीम ने भी शहर में कन्या महाविद्यालय के लिए संभावित जगहों का निरीक्षण किया था। यूआईटी की योजना है कि कन्या महाविद्यालय शहर के आबादी वाले क्षेत्रों के पास बनाया जाए, ताकि छात्राओं को आने-जाने में कोई दिक्कत न हो। इसके अलावा महाविद्यालय से अन्य स्थानों पर जाने के लिए भी कनेक्टिविटी सुगम हो सके। गौरतलब है कि राज्य सरकार ने हाल ही में अपने बजट सत्र में कन्या महाविद्यालय बनाने की घोषणा की थी, जिससे शहर में उच्च शिक्षा के अवसर बढ़ने की संभावना है।

खारबास में सफाई व्यवस्था बदहाल, कलेक्टर से की शिकायत

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा अलवर

अलवर शहर के वार्ड नंबर 63 स्थित खारबास मोहल्ले में सफाई व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है। मोहन आटा चक्की के आसपास की नालियां टूटी हुई हैं और कचरे से अटी पड़ी हैं, जिससे क्षेत्र में गंदगी और दुर्गंध फैल रही है। नगर निगम के सफाई कर्मियों की अनदेखी के कारण यह समस्या दिनोंदिन बढ़ती जा रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि नालियों की नियमित सफाई नहीं होने से गंदगी जमा हो गई है, जिससे वातावरण दूषित हो रहा है और मच्छरजनित बीमारियों का खतरा बढ़ गया है। मोहल्ले के लोगों ने नगर निगम से कई बार सफाई की मांग की, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। क्षेत्रवासियों ने बताया कि जब वे सफाई की शिकायत लेकर जनप्रतिनिधियों के पास गए, तो उन्हें टालमटोल वाला जवाब मिला। स्थानीय पार्षदों ने कहा कि सफाई की जिम्मेदारी उन्हीं की बनती है, जिन्हें जनता ने वोट दिया है। इस उपेक्षा से आहत लोगों ने मजबूर होकर जिला कलेक्टर से गुहार लगाई और क्षेत्र में जल्द से जल्द सफाई अभियान चलाने की मांग की है। लोगों का कहना है कि यदि जल्द सफाई नहीं हुई तो वे नगर निगम के खिलाफ प्रदर्शन करने को मजबूर होंगे। अब देखना यह होगा कि प्रशासन कब तक इस समस्या का समाधान करता है।

मालाखेड़ा बाजार में सड़क पर बोरिंग कार्य, त्रिपोलिया जाने वाला रास्ता बंद

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा अलवर

मालाखेड़ा बाजार में जलदाय विभाग की ओर से सड़क के बीच बोरिंग का कार्य शुरू किया गया, जिससे त्रिपोलिया जाने वाले लोगों के लिए रास्ता अवरुद्ध हो गया है। स्थानीय नागरिकों में इसको लेकर रोष व्याप्त है, क्योंकि इससे न केवल वाहनों की आवाजाही बाधित हो रही है, बल्कि पैदल चलने वालों को भी परेशानी हो रही है। लोगों का कहना है कि सड़क के बीच में बोरिंग करना उचित नहीं है, क्योंकि इससे यातायात में दिक्कतें आएंगी। नगर निगम अधिकारियों ने बताया कि जलदाय विभाग ने इस कार्य की कोई पूर्व सूचना नहीं दी थी। वहीं, जलदाय विभाग के अधिकारियों का कहना है कि इस बोरिंग की अनुमति पहले से स्वीकृत थी, इसलिए अलग से अनुमति लेने की जरूरत नहीं थी। जलदाय विभाग के एक्सईएन संजय सिंह ने बताया कि सड़क के किनारों पर पहले से ही भूमिगत 11 केवी की लाइन डाली हुई है, जिससे वहां बोरिंग संभव नहीं था। दूसरी ओर, बिजली के खंभे और तारों के कारण भी बाधा आ रही थी, इसलिए सड़क पर बोरिंग कराई गई। उन्होंने स्पष्ट किया कि सड़क के ऊपर स्थायी रूप से बोरिंग नहीं रहेगी, बल्कि जमीन के अंदर एक चैंबर बनाया जाएगा, जिसमें बोरिंग का भाग रखा जाएगा। इसके बाद सड़क को पुनः मजबूत बनाया जाएगा ताकि वाहनों की आवाजाही बाधित न हो। बोरिंग कार्य के चलते कुछ समय के लिए रास्ता प्रभावित रहेगा, लेकिन अधिकारियों का कहना है कि जल्द ही इसे पूरा कर लिया जाएगा। नगर निगम आयुक्त जितेंद्र सिंह नरूका ने बताया कि जलदाय विभाग ने इस कार्य की पूर्व जानकारी नहीं दी थी। फिलहाल, स्थानीय प्रशासन और जलदाय विभाग के बीच संवाद जारी है ताकि बाजार में यातायात सुचारू किया जा सके।

हिंदू युवा शक्ति के कार्यकर्ताओं ने राज्यसभा सांसद का पुतला दहन किया

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा अलवर

हिंदू युवा शक्ति के कार्यकर्ताओं ने मंगलवार को नंगली सर्किल पर राज्यसभा सांसद रामजीलाल सुमन का पुतला दहन किया। यह प्रदर्शन सांसद द्वारा राणा सांगा को लेकर दिए गए विवादित बयान के विरोध में किया गया। इस मौके पर आरके व्यास के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने एकत्रित होकर सांसद के बयान की कड़ी निंदा की। उन्होंने मांग की कि सांसद अपने बयान पर माफी मांगें, अन्यथा हिंदू समाज उग्र आंदोलन करेगा। इस विरोध प्रदर्शन में प्रदीप सिंह कुशवाह, जोनी पंडित, शुभम, सोनू जाट, अजय राजपूत, कुशाल सैनी, विशाल, मनीष अरोड़ा, अर्जुन, सौरभ पंडित, अवधेश राजपूत, दीपू सैन, साहिल खंडेलवाल, विक्रम गुर्जर सहित कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

फसलों की कटाई व कढाई का कार्य जोरों पर मजदूरी के दामों भी हुई बढोत्तरी

खेतों में रोनक, सार्वजनिक स्थानों पर सन्नाटा

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा कोटकासिम

कोटकासिम सहित क्षेत्रभर में इस समय किसानों के खेतों में फसल कटाई व कढ़ाई का कार्य जोरों पर चल रहा है जिसके चलते इन दिनों खेतों में खासी चहल-पहल देखी जा रही है। वही फसलों के कार्य के चलते कस्बे के बाजार एवं सार्वजनिक स्थानों पर इसका खासा असर देखा जा रहा है। किसान अपने परिवार के अलावा मजदूरों से अपनी फसल कटाई व कढ़ाई का कार्य में जुटा हुआ है। ऐसे में बाजारों सहित सार्वजनिक स्थानों पर दिनभर सन्नाटा पसरा देखा जा रहा है। जिसके कारण बाजार में दिन के समय में दुकानदार नींद के आगोश में देखे जा रहे है। व्यापार मंडल के अध्यक्ष पवन गुप्ता ने बताया की इस समय फसलों के कार्य के कारण बाजारों में खासा असर देखा जा है। फसलों के कार्य पूर्ण होने पर ही बाजारों में दुकानदारी का कार्य चालू होगा।

मजदूरी के दामों भी हुई बढोत्तरी

कस्बे सहित क्षेत्रभर में फसलों की कटाई व कढ़ाई का कार्य जोरो पर चल रहा है। जिसके चलते किसान परिवार के अलावा भी मजदूर लगाकर अपनी फसलों को इकट्ठा करने में जुटा हुआ है। ऐसे में स्थानीय मजदूरो के अलावा अन्य राज्यों से भी लोग फसल कटाई के कार्य के लिए जगह-जगह डेरा डाले हुए है। उसके बावजूद भी मजदूरों को लेकर किसानों में मारामारी के चलते मजदूरों ने अपनी मजदूरी के दामों में बढ़ोत्तरी कर दी है। क्षेत्र में इस समय मजदूरों ने मजदूरी 400 रूपये से बढ़ा कर 700 रूपये कर दिये है।

सरसों की कढ़ाई व गेहूं की फसलों की कटाई का किया जा रहा है कार्य

स्थानीय कास्तकरों ने बताया कि इस समय क्षेत्र में सरसों की फसल की कटाई का कार्य पूरा हो चूका है। वही किसान सरसों की फसल कढ़ाई व गेंहू की फसलों के कटाई के कार्य में जुटा हुआ है। इतना ही नहीं क्षेत्र में इस बार कई स्थानों पर तों फसलों की कटाई किसान मशीनों से करावा रहे है। जिससे की कम समय में ही कटाई के साथ-साथ कढ़ाई का कार्य भी पूर्ण किया जा रहा है।

मौसम का सता रहा है भय

अपनी तैयार फसलों को लेकर किसान काफी सजग दिखाई दे रहे है। कास्तकारों का कहना है कि इस समय खेतों में फसल पक्कर तैयार खड़ी हुई है। लेकिन ऐसे में मौसम खराब होने का भय लगा रहता है। जिसके चलते किसान अपनी फसलों के कार्य में रात-दिन एक कर जुटा हुआ है। खराब मौसम होने पर पकी हुई फसलों में ज्यादा नुकसान होता है। जिसके कारण किसान मौसम साफ रहते ही अपनी फसलों को समेटने में जुटे हुए है।

मरणोपरांत आंखें दान कर समाज में मिसाल पेश की

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा किशनगढ़ बास

किशनगढ़ बास निवासी 80 वर्षीय पार्वती देवी पत्नी स्वर्गीय जानीमल मूलचंदानी के निधन के बाद उनकी आंखें दान की बेटे सोनी व गागन दास ने बताया कि मां हमेशा समाज के हर सेवा कार्य में आगे रहती थी, इसलिए उनके अंतिम पड़ाव को प्रेरणादायी बनाने के लिए नेत्रदान की ठानी थी दान की गई आंखें दो अंधेरी जिंदगी को रोशन करेगी आंखें दान कर समाज में मिसाल पेश की नेत्रदान के बाद परिवार के परिजनों ने अंतिम संस्कार किया।

भिवाड़ी के सरकारी अस्पताल को 30 लाख के मेडिकल उपकरण, मरीजों को मिलेगा लाभ

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा भिवाड़ी

भिवाड़ी के जिला अस्पताल में इलाज की सुविधाएं अब और बेहतर होंगी। एक प्राइवेट कंपनी ने कॉरपोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (CSR) के तहत 30 लाख रुपए के आधुनिक चिकित्सा उपकरण दान किए हैं। इन उपकरणों में सोनोग्राफी मशीन, ऑटो-क्लेव मशीन, मल्टी-पैरा मॉनिटर, सर्जिकल और मेडिकल उपकरण शामिल हैं। इसके अलावा, अस्पताल को दो वॉटर कूलर आरओ प्लांट, तीन 1.5 टन के एयर कंडीशनर और 55 इंच का एलईडी टीवी भी दिया गया है। तिजारा के विधायक बाबा बालक नाथ ने इन उपकरणों का उद्घाटन किया और अग्रवाल मेटल वर्क्स प्राइवेट लिमिटेड, भिवाड़ी मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (BMA) और भिवाड़ी इंटीग्रेटेड इंडस्ट्रियल एसोसिएशन (BIIA) के सहयोग की सराहना की। कंपनी के अधिकारी दीपक सांघी ने कहा कि यह समाज के प्रति उनकी जिम्मेदारी का हिस्सा है। इस अवसर पर BMA अध्यक्ष जसबीर सिंह राणा, पूर्व अध्यक्ष सुरेंद्र चौहान, BIIA अध्यक्ष प्रवीण लांबा और मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. सागर अरोड़ा मौजूद रहे। यह पहल भिवाड़ी के नागरिकों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं देने के साथ अन्य उद्योगों को भी सामाजिक दायित्व निभाने के लिए प्रेरित करेगी।

तिजारा में व्यक्ति पर कुल्हाड़ी से हमला, एक आरोपी गिरफ्तार, दूसरा फरार

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा तिजारा

तिजारा के गोतोली गांव में दो भाइयों ने एक व्यक्ति के घर में घुसकर कुल्हाड़ी से हमला कर दिया, जिससे उसके सिर में गंभीर चोट आई। पीड़ित को 14 टांके लगे हैं। घटना सोमवार शाम करीब 6.30 बजे की है। पीड़ित शेर सिंह ने बताया कि वह अपने घर पर बातचीत कर रहा था, तभी आरोपी कैलाश आया और कहासुनी हो गई। कैलाश ने अपने भाई सुरेश को बुलाया, जिसके बाद दोनों ने मिलकर कुल्हाड़ी से हमला कर दिया। सिर पर गहरी चोट लगने के बाद आरोपी उसे लहूलुहान हालत में छोड़कर फरार हो गए। परिजनों ने गंभीर हालत में शेर सिंह को पहले तिजारा अस्पताल और फिर अलवर जिला अस्पताल रेफर कराया, जहां उसका इलाज चल रहा है। शेखपुर थाना अधिकारी लोकेश मीणा ने बताया कि पीड़ित की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है। आरोपी कैलाश को धारा 151 के तहत हिरासत में लेकर लॉकअप में बंद कर दिया गया है, जबकि दूसरा आरोपी सुरेश फरार है। पुलिस हमले के पीछे के कारणों की जांच कर रही है।

साधारण सभा की बैठक आज

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा कोटकासिम

बुधवार को कस्बे की पंचायत समिति के सभागार में साधारण सभा की बैठक का आयोजन प्रात साढे 11 बजे किया जायेगा। बैठक की अध्यक्षता कोटकासिम पंचायत समिति प्रधान डॉ0 विनोद कुमारी सांगवान द्वारा की जायेगी। बैठक के दौरान गत बैठक के अनुमोदन की कार्यवाही, महात्मा गांधी नरेगा योजना, मौसमी बीमारिया, पेयजल व्यवस्था, विद्युत व्यवस्था, यातायात व्यवस्था, सडक व्यवस्था, शिक्षा सहित विभिन्न विषयो पर चर्चा की जायेगी।

तिजारा विधायक बाबा बालक नाथ ने चंद्रलोकसिटी में स्थित भाजपा कार्यालय पर की जनसुनवाई

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा तिजारा

1 अप्रैल तिजारा विधायक बाबा बालक नाथ ने चंद्रालोक सिटी में स्थित भाजपा कार्यालय पर जनसुनवाई की जिसमें जनसुनवाई के दौरान आई समस्याओं का संबंधित अधिकारियों को दिशा निर्देश देऔर समाधान के लिएअधिकारियों को निर्देश जारी किए हैं। इसी तरह तिजारा विधायक बाबा बालक नाथ ने तिजारा अस्पताल का अचानक निरीक्षण किया जहां अस्पताल में व्यवस्थाओं का जायजा लिया भीषण गर्मी में सफाई पर जोर देते हुए संबंधित अधिकारियों को दिशा निर्देश जारी किए तिजारा अस्पताल में 4 करोड़ 76 लाख रुपए की लागत से बना रहे नव निर्माण भवन का भी निरीक्षण किया भवन निर्माण में किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी इस मौके पर तिजारा पंचायत समिति के प्रधान जेपी यादव ब्लॉक सीएमएचओ मनोज यादव अस्पताल प्रभारी प्रवीण शर्मा प्रजापति समाज के जिला अध्यक्ष सतपाल प्रजापति, पुरुषोत्तम सैनी एडवोकेट पूर्व पार्षद विशंभर सैनीअजय सोनी निरंजन लाल सेन विक्रम सिंह यादव अर्जुन सिंह अजय पाल यादव सुधांशु गौतम पार्षद अनिल बंसल भाजपा मंडल अध्यक्ष कपिल गुप्ता राजू यादव अर्जुन सिंहअशोक सरपंचआदि लोग मौजूद रहे।

उप जिला स्वास्थ्य केंद्र पर विधायक बाबा बालक नाथ ने सीबीसी मशीन का किया उद्घाटन

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा तिजारा

तिजारा कस्बे के उप जिला स्वास्थ्य केंद्र पर विधायक बाबा बालक नाथ ने सीबीसी मशीन का किया उद्घाटन सीबीसी मशीन से 1 घंटे में 60 मरीजों की जांच की क्षमता होगी ।जिससे मरीजों को लाभ मिलेगा भामाशाह द्वारा यह मशीन 6.15 लाख की दी गई है। बाबा बालक नाथ ने कहा कि कुछ दिनों के अंदर उप जिला स्वास्थ्य केंद्र पर अच्छी सुविधा मरीजों को देखने को मिलेगी इस कार्यक्रम में पंचायत समिति के प्रधान जयप्रकाश यादव मंडल अध्यक्ष कपिल गुप्ता, मुख्य चिकित्सा अधिकारी अरविंद गेट, बीसीएमओ डॉक्टर मनोज यादव, चिकित्सा प्रभारी प्रवीण शर्मा, सतपाल प्रजापत, डॉक्टर जितेंद्र गुप्ता, डॉ रवि यादव, पूर्व मंगतूराम सैनी, तनुजा सैनी, प्रदीप वर्मा, कबुल,रूबी सैनी,बबली यादव, सुजाता, एडवोकेट अजय सोनी, सतपाल प्रजापत , पार्षद अनिल सैनी,आशीष यादव, उग्रसेन सैनी ,हनुमान सैनी, निरंजन सेन, नवल सैनी, पदम सैनी सहित मौजूद रहे।

तिजारा में सड़क चौड़ाई और सीवर लाइन की मांग, विधायक को सौंपा ज्ञापन

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा तिजारा

तिजारा में अहिंसा सर्किल से बिजली घर तिराहा तक बन रही सड़क को लेकर स्थानीय लोगों ने मंगलवार शाम विधायक महंत बाबा बालक नाथ को ज्ञापन सौंपा। लोगों ने सड़क की चौड़ाई 60 फीट तक सीमित करने और दोनों ओर सीवर लाइन बिछाने की मांग की है। निवासियों का कहना है कि सड़क सौंदर्यीकरण के नाम पर अनावश्यक रूप से चौड़ी की जा रही है, जिससे कई लोगों के मकान टूटने की नौबत आ रही है। उन्होंने स्वच्छता के मद्देनजर सीवर लाइन और जलदाय विभाग की पाइप लाइन बिछाने की भी मांग रखी। लोगों का कहना है कि यदि अभी सभी आवश्यक कार्य पूरे कर लिए जाएं, तो भविष्य में सड़क को बार-बार खोदने की जरूरत नहीं पड़ेगी। फिलहाल सड़क के दोनों ओर खुले नाले बनाए जाने की योजना है, लेकिन इससे गंदगी और बीमारियों का खतरा रहेगा। विधायक महंत बाबा बालक नाथ ने ज्ञापन स्वीकार कर अधिकारियों के समक्ष इस मुद्दे को उठाने और समाधान निकालने का आश्वासन दिया है। अब देखना होगा कि प्रशासन इस मांग पर क्या निर्णय लेता है।

अतिरिक्त जिला कलक्टर की अध्यक्षता में साप्ताहिक समीक्षा बैठक आयोजित

आगामी ग्रीष्म ऋतु को देखते हुए पेयजल व्यवस्था की प्रभावी मॉनिटरिंग एवं पेयजल सम्बन्धी शिकायतो के त्वरित निस्तारण हेतु स्थापित किया गया जिला स्तरीय नियंत्रण कक्ष

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा खैरथल-तिजारा,

अतिरिक्त जिला कलेक्टर शिवपाल जाट की अध्यक्षता में मंगलवार को जिला कलेक्ट्रेट सभागार में विभिन्न विभागों की साप्ताहिक समीक्षा बैठक आयोजित हुई। अतिरिक्त जिला कलक्टर शिवपाल जाट ने संपर्क पोर्टल पर लंबित चल रहे परिवादों का समय पर निस्तारण कर आमजन को राहत पहुंचाने एवं एवरेज डिस्पोजल टाइम में सुधार करने के निर्देश दिए। उन्होंने संपर्क पोर्टल पर विभागवार पेंडेंसी की समीक्षा करते हुए 30 दिवस से ऊपर लंबित परिवादों को निस्तारित करने के निर्देश दिए। उन्होंने विभागवार योजनाओं की समीक्षा कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए उन्होंने आगामी ग्रीष्म ऋतु को देखते हुए बिजली एवं पानी की व्यवस्था को सुचारू रूप से उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। जिस पर पीएचईडी विभाग के अधिकारियों ने बताया कि आगामी ग्रीष्म ऋतु में जिले की पेयजल व्यवस्था की प्रभावी मोनेटरिंग एवं पेयजल सम्बन्धी शिकायतो के त्वरित निस्तारण हेतु जिला स्तरीय नियंत्रण कक्ष (कन्ट्रोल रूम) कार्यालय अधिक्षण अभियन्ता, जन स्वास्थय अभियान्त्रिकी विभाग, वृत खैरथल में स्थापित किया गया है। जिसके दूरभाष नं. 01460-298735 है। आम नागरिक दूरभाष नंबर पर अपनी शिकायत दर्ज कर सकते हैं तथा व्हाट्सएप नंबर 7374917525 पर भी लिखित शिकायत दर्ज करवा सकते हैं जिसका संबंधित अधिकारियों द्वारा निश्चित समय अवधि में समाधान किया जाएगा। नियंत्रण कक्ष 31 जुलाई तक सुचारू रूप से संचालित किया जाएगा। अतिरिक्त जिला कलक्टर ने डीसीएमएचओ को निर्देशित किया कि मौसम में बदलाव को देखते हुए मौसमी बीमारियों के रोकथाम के लिए उपयुक्त उपाय सुनिश्चित करें। उन्होंने बीमारियों की रोकथाम की निरन्तर मॉनिटरिंग करते हुए अस्पतालों में सुविधाऐं बढाने, मरीजों को सरकारी योजनाओं का लाभ देने एवं नियमित रूप से जनता क्लीनिकों एवं चिकित्सा संस्थानों के निरीक्षण के निर्देश दिए। उन्होंने समाज कल्याण विभाग को पालनहार व पेंशन सत्यापन शत प्रतिशत पूर्ण करने, विद्युत निगम को विभागीय योजनाओं के अनुसार पात्र लोगों को लाभान्वित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ बजट घोषणाओं सहित अन्य विकास कार्यों को तय समय में गुणवत्ता के साथ पूरा किया जाना सुनिश्चित करें। उन्होंने बजट 2025-26 में की गई घोषणाओं को समयबद्ध धरातल पर उतारने के लिए संबंधित विभागों द्वारा की जा रही कार्यवाहियों की विभागवार समीक्षा कि। बैठक के दौरान कोषाधिकारी सुरेश कुमार बंसल , कोऑपरेटिव वेद प्रकाश सैनी, उप मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी पूरणमल मीणा, बिजली विभाग, समाज कल्याण अधिकारी रमेश दहमीवाल, पीएचईडी, महिला एवं बाल विकास, पुलिस, राजीविका, बिजली, कृषि, वन, शिक्षा, सहित अन्य विभाग के अधिकारी मौजूद रहे।

चिंतन

किसी का घर गिराना आश्रय के अधिकार का उल्लंघन

बुलडोजर जस्टिस पर देश की सुप्रीम अदालत एक बार फिर से सख्त है। सुप्रीम कोर्ट ने उत्तर प्रदेश सरकार के बुलडोजर एक्शन को असंवैधानिक व असंवेदनशील करार दिया है। प्रयागराज में एक वकील, एक प्रोफेसर और तीन महिला याचिकाकर्ताओं के घरों को 2021 में बुलडोजर से ध्वस्त कर दिया गया था। इस मामले की सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को कहा कि घर गिराने की प्रक्रिया असंवैधानिक थी। घर ध्वस्त करने की ये मनमानी प्रक्रिया हमारी अंतरात्मा को झकझोरता है, राइट टू शेल्टर नाम की भी कोई चीज होती है। कोर्ट ने प्रयागराज विकास प्राधिकरण को आदेश दिया है कि पांचों पीड़ितों को 10-10 लाख रुपये का हर्जाना दिया जाए। दरअसल, किसी का घर गिराना संविधान के आश्रय के अधिकार का उल्लंघन है। गत माह 24 मार्च को यूपी के अंबेडकर नगर में अतिक्रमण विरोधी अभियान के दौरान एक तरफ झोपड़ियों पर बुलडोजर चलाया जा रहा था तो दूसरी तरफ 8 साल की एक बच्ची अपनी किताबें लेकर भाग रही थी। यह मार्मिक दृश्य था, इस तस्वीर ने सबको हैरान-परेशान कर दिया था। जस्टिस उज्ज्वल भुइयां ने इस घटना का जिक्र करते हुए कहा कि ये दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति है, जहां अवैध रूप से तोड़फोड़ की जा रही थी और इसमें शामिल लोगों के पास निर्माण कार्य करने तक की क्षमता नहीं है। किसी भी राज्य सरकार का संवैधानिक कर्तव्य नागरिकों की सुरक्षा है, अवैध निर्माण के खिलाफ कार्रवाई नागरिकों के आश्रय अधिकार व मौलिक अधिकार की अवहेलना करके नहीं की जा सकती है। यह सही है कि प्रशासनिक हीलाहवाली के चलते शहरों में अनेक अवैध निर्माण हुए हैं, इसमें हमारा पूरा प्रशासनिक तंत्र जिम्मेदार है। सवाल है जब अवैध निर्माण हो रहा होता है, तब प्रशासन सोया क्यों रहता है? दूसरा प्रश्न भी है कि यदि कोई आपराधिक आरोपित है, इसका मतलब यह नहीं कि उसके आवास पर बुलडोजर चला कर समूचे परिवार को सजा दी जाए। राज्य सरकार को न कानून हाथ में लेने का अधिकार है, न किसी आरोपित को दोषी मानने का हक है। आरोपित के खिलाफ कानून सम्मत फैसला करने का अधिकार अदालत का है। अतीत में यूपी समेत कुछ राज्यों द्वारा अवैध कब्जे व अतिक्रमण ड्राइव के नाम पर अनेक आपराधिक रिकार्ड वाले आरोपियों के घरों व ठिकानों पर बुलडोजर एक्शन लिया गया था। इस मामले की सुनवाई के दौरान भी 13 जून 2024 को सुप्रीम कोर्ट ने बुलडोजर से लोगों के घर गिराए जाने को असंवैधानिक बताया था। अदालत ने कहा था कि यदि कार्यपालिका किसी व्यक्ति का मकान केवल इस आधार पर गिरा देती है कि वह अभियुक्त है, तो यह कानून के शासन का उल्लंघन है। यहां तक कि गंभीर अपराधों के आरोपी और दोषी के खिलाफ भी बुलडोजर की कार्रवाई बिना नियम का पालन किए नहीं की जा सकती। शीर्ष अदालत ने सख्त लहजे में कहा था कि किसी एक की गलती की सजा पूरे परिवार को नहीं दे सकते, सिर्फ आरोपी या दोषी होने पर घर नहीं गिराया जा सकता। प्रशासन को ये बताना होगा कि बुलडोजर एक्शन क्यों जरूरी है? हालांकि सुप्रीम कोर्ट की गाइडलाइन के बाद भी महाराष्ट्र, पंजाब, गुजरात में बुलडोजर एक्शन देखे गए थे, जबकि गाइडलाइन टूटने पर अफसर के खिलाफ कार्रवाई की बात सुप्रीम कोर्ट ने कही थी। सरकार कानून के दायरे में ही काम करे और किसी परिवार के आश्रय का अधिकार नहीं छीने।

विश्लेषण

प्रमोद भार्गव

म्यांमार भूकंप विकास के लिए खतरा

इस भूकंप के झटके भारत के पूर्वोत्तर राज्यों और पश्चिम बंगाल में भी अनुभव किए गए। चीन, वियतनाम, ताइवान, लाओस और श्रीलंका में भी भूकंप की तरंगें अनुभव की गई। याद रहे, भारत के भुज में 24 साल पहले आया भूकंप भी 7.7 तीव्रता का था, जिसमें 20 हजार लोगों की मौतें हुई थीं और डेढ़ लाख लोग घायल हुए थे। तीन लाख से ज्यादा घरों को नुकसान हुआ था। म्यांमार के भूकंप का केंद्र भूमि के 10 किमी नीचे था। भूकंप के केंद्र वाला म्यांमार का क्षेत्र संवेदनशील क्षेत्र के रूप में पूर्व से ही चिन्हित है। बावजूद यहां आवास और उद्योगों के लिए आलीशान अट्टालिकाएं खड़ी की जा रही हैं। भारतीय और यूरेशियन प्लेटों के टकराने का परिणाम इस भूकंप को माना जा रहा है।

म्यांमार में आए 7.7 तीव्रता के ताकतवर भूकंप ने 1700 से भी ज्यादा लोगों की जान ले ली और 2500 से भी ज्यादा लोग घायल हैं। भूकंप के प्रभाव में आकर जिस तरह से बहुमंजिला इमारतें ढहीं, सड़कें, पुल और बांध टूटे, बिजली और इंटरनेट सेवाएं ठप हो गईं, यह प्रकृति की एक ऐसी नजीर है, जो बढ़ते शहरीकरण के लिए चेतावनी है। थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक में आए कुछ पलों के झटकों ने ही दुनिया के इस सुंदर शहर को थर्रा दिया। इसी बीच अमेरिका की भूगर्भीय सर्वेक्षण एजेंसी ने आशंका जताई है कि मरने वालों की संख्या 10 हजार से भी अधिक पहुंच सकती है। इस भूकंप के झटके भारत के पूर्वोत्तर राज्यों और पश्चिम बंगाल में भी अनुभव किए गए। चीन, वियतनाम, ताइवान, लाओस और श्रीलंका में भी भूकंप की तरंगें अनुभव की गई। याद रहे, भारत के भुज में 24 साल पहले आया भूकंप भी 7.7 तीव्रता का था, जिसमें 20 हजार लोगों की मौतें हुई थीं और डेढ़ लाख लोग घायल हुए थे। तीन लाख से ज्यादा घरों को नुकसान हुआ था। म्यांमार के भूकंप का केंद्र भूमि के 10 किमी नीचे था। भूकंप के केंद्र वाला म्यांमार का क्षेत्र संवेदनशील क्षेत्र के रूप में पूर्व से ही चिन्हित है। बावजूद यहां आवास और उद्योगों के लिए आलीशान अट्टालिकाएं खड़ी की जा रही हैं।

भारतीय और यूरेशियन प्लेटों के टकराने का परिणाम इस भूकंप को माना जा रहा है। दिल्ली राजधानी क्षेत्र में 17 फरवरी 2025 की सुबह 5.36 बजे रिएक्टर स्केल पर चार तीव्रता वाले भूकंप के झटके और धमाकों जैसी आवाजें सुनी गईं थीं। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के अनुसार भूकंप का केंद्र दिल्ली के धौलाकुआं के झील पार्क क्षेत्र में 5 किमी की गहराई में था। इस कारण इसकी तीव्रता भूगर्भ में ही कमजोर पड़ गई और सतह पर नहीं आने पाई। बिहार में भी भूकंप के झटके अनुभव किए गए। इसका केंद्र धरती की सतह से 10 किमी नीचे था। इसलिए असर केवल अनुभव हुआ। बावजूद भविष्य में भूकंप का यह संकेत दिल्ली के लिए विनाश की चेतावनी है। क्योंकि दिल्ली, हरिद्वार और महेंद्रगढ़ ,देहरादून के ऐसे पठारनुमा टीले पर बसा हुआ है, जहां से भूकंप की भ्रंश रेखा गुजरती है। अतएव यहां हमेशा भूकंप का खतरा बना रहता है। यह संकट इसलिए भी है, क्योंकि यमुना नदी के मैदानी क्षेत्र में भूमि की परत नरम है। हालांकि इस भूकंप को विवर्तनिक परत (टेक्टोनिक्स प्लेट) में किसी बदलाव के कारण आना नहीं माना गया था। इसके आने का कारण स्थानीय भूगर्भीय विविधता को माना जा रहा है। याद रहे हिमालय के उत्तरी तलहटी में स्थित चीन के तिब्बत स्वायत्त क्षेत्र शिगात्से के निकट तिंगरी काउंटी में 7 जनवरी 2025 को 7.1 तीव्रता का भूकंप आया था। इसमें 126 लोग मारे गए थे। भूकंप से तिब्बत में किसी बांध या जलाशय को हानि नहीं पहुंची थी।

गौरतलब है कि भूकंप ने भारतीय सीमा के निकट तिब्बत में ब्रह्मपुत्र नदी पर दुनिया का सबसे बड़ा बांध बनाने की योजना ने भारत और बांग्लादेश को चिंता में डाल दिया है। क्योंकि यह पूरा क्षेत्र भारत और यूरेशियन टेक्टोनिक प्लेटों में टकराव के कारण चीन के दक्षिण-पश्चिम हिस्से नेपाल और उत्तर-भारत में अकसर भूकंप आते रहते हैं। भूकंप की चेतावनी संबंधी प्रणालियां अनेक देशों में संचालित हैं लेकिन वह भू-गर्भ में हो रही

दानवी हलचलों की सटीक जानकारी समय पूर्व देने में लगभग असमर्थ हैं। क्योंकि प्राकृतिक आपदाओं की जानकारी देने वाले अमेरिका, जापान, भारत, नेपाल, चीन और अन्य देशों में भूकंप आते ही रहते हैं। इसलिए यहां लाख टके का सवाल उठता है कि चांद और मंगल जैसे ग्रहों पर मानव बस्तियां बसाने का सपना और पाताल की गहराइयों को नाप लेने का दावा करने वाले वैज्ञानिक आखिर पृथ्वी के नीचे उत्पात मचा रही हलचलों की जानकारी प्राप्त करने में क्यों असफल हैं ? जबकि वैज्ञानिक इस दिशा में लंबे समय से कार्यरत हैं। अमेरिका एवं भारत समेत अनेक देश मौसम व भूगर्भीय हलचल की जानकारी देने वाले उपग्रह अंतरिक्ष में स्थापित कर चुके हैं। दरअसल दुनिया के नामचीन विशेषज्ञों व पर्यावरणविदों की मानें तो सभी भूकंप प्राकृतिक नहीं होते, बल्कि उन्हें विकराल बनाने में मानवीय हस्तक्षेप शामिल है। इसीलिए इस भूकंप को स्थानीय भू-गर्भीय विविधता का कारण माना गया है। दरअसल प्राकृतिक संसाधनों के अकूत दोहन और फिर शहरीकरण और औद्योगिकीकरण के लिए शैतानी निर्माण से छोटे स्तर के भूकंपों की पृष्ठभूमि तैयार हो रही है। भविष्य में इन्हीं भूकंपों की व्यापकता और विकरालता बढ़ जाती है। यही कारण है कि भूकंपों की आवृत्ति बढ़ रही है। भूकंपों का वैज्ञानिक आकलन करने से यह भी पता चला है कि भूकंपीय विस्फोट में जो ऊर्जा निकलती है, उसकी मात्रा भी पहले की तुलना में ज्यादा शक्तिशाली हुई है। जापान और फिर क्वोटो में आए सिलसिलेवार भूकंपों से पता चला है कि धरती के गर्भ में अंगड़ाई ले रही भूकंपीय हलचलें महानगरीय आधुनिक विकास और आबादी के लिए अधिक खतरनाक साबित हो रही हैं। ये हलचलें भारत, पाकिस्तान, चीन और बांग्लादेश की धरती के नीचे भी अंगड़ाई ले रही हैं। इसलिए इन देशों के महानगर भूकंप के मुहाने पर खड़े हैं। हैरानी इस बात पर है कि विज्ञान की आश्चर्यजनक तरक्की के बाद भी वैज्ञानिक आज तक ऐसी तकनीक ईजाद करने में असफल रहे हैं, जिससे भूकंप की जानकारी आने से पहले मिल जाए। भूकंप के लिए जरूरी ऊर्जा के एकत्रित होने की प्रक्रिया को धरती की विभिन्न परतों के आपस में टकराने के सिद्धांत से आसानी से समझा जा सकता है।

ऐसी वैज्ञानिक मान्यता है कि करीब साढ़े पांच करोड़ साल पहले भारत और आस्ट्रेलिया को जोड़े रखने वाली भूगर्भीय परतें एक-दूसरे से अलग हो गईं और वे यूरेषिया परत से जा टकराईं। इस टक्कर के फलस्वरूप हिमालय पर्वतमाला अस्तित्व में आई और धरती की विभिन्न परतों के बीच वर्तमान में मौजूद दरारें बनीं। हिमालय पर्वत उस स्थल पर अब तक अटल खड़ा है, जहां पृथ्वी की दो अलग-अलग परतें परस्पर टकराकर एक-दूसरे के भीतर घुस गई थीं। परतों के टकराव की इस प्रक्रिया की वजह से हिमालय और उसके प्रायद्वीपीय क्षेत्र में भूकंप आते रहते हैं। इसी प्रायद्वीप में ज्यादातर एशियाई देश बसे हुए हैं। वैज्ञानिकों का मानना है कि रासायनिक क्रियाओं के कारण भी भूकंप आते हैं।

विकास के लिए पानी, गैस, खनिज, इस्पात, ईंधन और लकड़ी जरूरी हैं। नतीजतन जो कॉर्बन गैसें बेहद न्यूनतम मात्रा में बनती थीं, वे अब अधिकतम मात्रा में बनने लगी हैं। इस वजह से वायुमंडल में इकतरफा दबाव बढ़ रहा है। इस कारण धरती पर पड़ने वाली सूरज की गर्मी प्रत्यावर्तित होने की बजाय, धरती में ही समाने लगी है। गोया, धरती का तापमान बढ़ने लगा, जो जलवायु परिवर्तन का कारण तो बना ही, प्राकृतिक आपदाओं का कारण भी बन रहा है। ऐसे में सीमेंट, लोहा और कंक्रीट के भवन जब गिरते हैं, तो मानव त्रासदी ज्यादा होती है। जैसे कि हमें अमेरिका के लॉस एंजीलिस शहर में लगी आग में देखने में आ रहा है।

(लेखक वरिष्ठ साहित्यकार और पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं। लेख पर अपनी प्रतिक्रिया **edit@haribhoomi.com** पर दे सकते हैं।

विमर्श

गिरीश चन्द्र पाण्डे

जलवायु परिवर्तन की अनदेखी हानिकारक

हाल ही में नई दिल्ली में पर्यावरण पर राष्ट्रीय सम्मेलन 2025 का आयोजन किया गया था। दो दिन के इस सम्मेलन का आयोजन राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) ने किया। एनजीटी का कार्य पर्यावरण से जुड़े विवादों को प्रभावी एवं सुविधाजनक तरीके से शीघ्र निपटाना है। इसलिए इस सम्मेलन की महत्ता स्वयंसिद्ध है। सम्मेलन में जलवायु परिवर्तन, प्रदूषण नियंत्रण, जैव विविधता संरक्षण तथा सतत विकास सहित पर्यावरण के समक्ष चुनौतियों के समाधान पर विचार-विमर्श किया गया। इन सभी सत्रों का उद्देश्य भारत और विश्व में पर्यावरणीय स्थिरता को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न क्षेत्रों के बीच अर्थपूर्ण संवाद और सहयोग को आगे बढ़ाना था। सम्मेलन में पर्यावरण के प्रति सचेत और संवेदनशील जीवन शैली अपनाने के महत्व. को रेखांकित किया गया। साथ ही इस सम्मेलन में भावी पीढ़ियों को स्वच्छा पर्यावरण उपलब्ध कराने का एक नैतिक दायित्व भी माना गया। चूंकि सभी के सामूहिक प्रयासों के माध्यम से ही पर्यावरण का संरक्षण और उसका संवर्धन संभव है, इसलिए इसके लिए नागरिकों से पर्यावरण संरक्षण पर ध्यान केंद्रित करने का आग्रह भी किया गया। क्लाइमेट चेंज की भयावह समस्या किसी एक राष्ट्र तक सीमित नहीं है, इसलिए सम्मेलन में वैश्विक पर्यावरण की चुनौतियों से निपटने के लिए सीमा पार सहयोग और नवाचारी नीतियों की आवश्यकता को भी रेखांकित किया गया ताकि एक साथ पारिस्थितिक संसाधनों के संरक्षण और आर्थिक विकास को आगे बढ़ाया जा सके। जहां तक भारत का सम्बन्ध है, केन्द्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के अनुसार भारत कम कार्बन वाली प्रौद्योगिकी में नवाचार को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित कर रहा है और मंत्रालय का मानना है कि विकासशील देशों के लिए त्वरित पर्यावरणीय आर्थिक विकास ही जलवायु परिवर्तन से सर्वश्रेष्ठ बचाव है। निश्चित तौर पर इस सम्मेलन को हम क्लाइमेट चेंज की समस्या से निपटने में सहयोग को बढ़ावा देने, जागरुकता लाने तथा पर्यावरण संरक्षण के सामूहिक मिशन को आगे बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम कह सकते हैं।

हम यह भी देख रहे हैं कि जैसे-जैसे वैश्विक तापमान बढ़ रहा है, इससे न केवल ग्लेशियर पिघल रहे हैं बल्कि जंगल की आग भी बड़े पैमाने पर तबाही मचा रही है। ग्लेशियरों के पिघलने से न केवल पर्यावरण बल्कि मानव जीवन और अर्थव्यवस्था पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। समुद्र के स्तर में वृद्धि होने से तटीय क्षेत्रों और द्वीपीय देशों में बाढ़ का खतरा बढ़ जाता है। इसीलिए भारत में मुंबई, कोलकाता और चेन्नई जैसे तटीय शहरों को अधिक खतरा है। नदियों में पानी की मात्रा अचानक बढ़ने से बाढ़ और भूस्खलन का खतरा भी बढ़ जाता है। यही नहीं, ग्लेशियरों से पिघलकर आने वाला पानी नदियों का मुख्य स्रोत होता है, खासकर गंगा, ब्रह्मपुत्र और सिंधु जैसी नदियों के लिए। ये तीनों नदियां देश को 63 प्रतिशत के आसपास पानी देती हैं जिनमें अकेले गंगा का हिस्सा लगभग 25 प्रतिशत है। इसलिए ग्लेशियर खत्म होने की स्थिति में इन नदियों में पानी की मात्रा घट जाएगी, जिससे भविष्य में भारत, पाकिस्तान, नेपाल और बांग्लादेश जैसे देशों में जल संकट गहरा सकता है। कई जीव-जंतु और पौधे ठंडी जलवायु में जीवित रहते हैं। ग्लेशियरों के पिघलने से उनका आवास नष्ट हो जाता है, जिससे कई प्रजातियों के विलुप्त होने का खतरा भी बढ़ जाता है। जैव विविधता पर भी इसका प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। नदियों में पानी की कमी होने से सिंचाई पर प्रभाव पड़ता है, जिससे कृषि और खाद्य सुरक्षा भी प्रभावित होती है। जलवायु परिवर्तन के मूल कारण ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को पहले नियंत्रित करना होगा। नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों की ओर बढ़ना, ऊर्जा दक्षता में सुधार करना तथा पौधरोपण को बढ़ावा देना दीर्घकालिक समाधान हो सकते हैं। कुछ विश्व नेता अभी भी जलवायु परिवर्तन की गंभीरता को नज़रअंदाज़ कर रहे हैं और इस संकट को हल करने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के प्रति पूरी तरह उदासीन दिखाई देते हैं। वे भूल जाते हैं कि क्लाइमेट चेंज की रफ्तार यदि ऐसी ही बनी रही तो उसके समक्ष अथर्व्यवस्था बौनी साबित होगी। अमरीका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने पहले कार्यकाल की भांति इस बार भी अपने को पेरिस जलवायु समझौते से अलग कर लिया है। निश्चित तौर पर इस कदम से वैश्विक प्रयासों में बाधा पड़ती है। उम्मीद करें कि विश्व समुदाय मिलकर पेरिस जलवायु समझौते जैसे अंतरराष्ट्रीय समझौतों के प्रति अपना वचनबद्धता की पुनः पुष्टि करते हुए निर्णायक कार्रवाई करने की दिशा में आगे बढ़ेगा।

(लेखक साहित्यकार व विश्लेषक हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

हृदय का करें अनुसरण

संकलित

दर्शन

कोई भी धर्मग्रंथ हमें धार्मिक नहीं बना सकता। चाहे हम दुनिया के सारे धर्मग्रंथ पढ़ डालें, परंतु फिर भी ईश्वर या धर्म का हमें तनिक भी ज्ञान नहीं होता। हम सारी उम्र धर्म या ईश्वर संबंधी बातें करते रहें, पर हमारी आध्यात्मिक उन्नति नहीं होती। दुनिया के विद्वानों ने भले ही हमारी बुद्धि प्रखर कर दी हो, पर हम ईश्वर तक नहीं पहुंच सके। पाश्चात्य संस्कृति का दोष यह है कि हम बुद्धि का संस्कार करते समय हृदय के संस्कार की ओर ध्यान ही नहीं देते। इसका परिणाम यह होता है कि मनुष्य दस गुना स्वार्थी हो जाता है। यदि हृदय और बुद्धि में विरोध उत्पन्न हो, तो तुम हृदय का अनुसरण करो, क्योंकि बुद्धि केवल एक तर्क के क्षेत्र में ही काम कर सकती है, वह उसके परे जा ही नहीं सकती, पर वह केवल हृदय ही है, जो हमें उच्चतम भूमिका पर आरूढ़ करता है। वहां तक बुद्धि कभी नहीं पहुंच सकती। हृदय, बुद्धि का अतिक्रमण कर अंतःस्फूर्ति को पा लेती है। बुद्धि से कभी अंतःस्फूर्ति प्राप्त नहीं हो सकती। अंतःस्फूर्ति का कारण केवल ज्ञानोदय बासित हृदय ही है। बुद्धिप्रधान, किंतु हृदय शून्य मनुष्य कभी स्फूर्तिमान नहीं बन सकता। प्रेममय पुरुष की समस्त क्रियाएं उसके हृदय से अनुप्राणित होती हैं। एक ऐसा उच्चतर साधन, जिसे बुद्धि कभी नहीं दे सकती, अगर किसी ने पाया है तो हृदय ने ही, और वह साधन है अंतःस्फूर्ति। जिस तरह बुद्धि ज्ञान का साधन है, उसी तरह हृदय अंतःस्फूर्ति का। शुरुआत में हृदय इतना शक्तिशाली नहीं होता, जितनी कि बुद्धि।

एक सत्संग ऐसी भी

संकलित

प्रेरणा

एक सेठ और सेठानी रोज सत्संग में जाते थे। सेठजी के घर एक पिंजरे में तोता पाला हुआ था। तोता एक दिन पूछता हैं कि सेठजी आप रोज कहाँ जाते है। सेठजी बोले कि, सत्संग में ज्ञान सुनने जाते है। तोता कहता है, सेठजी संत महात्मा से एक बात पूछना कि में आजाद कब होऊंगा। सेठजी सत्संग खत्म होने के बाद संत से पूछते है कि महाराज हमारे घर जो तोता है उसने पूछा हैं की वो आजाद कब होगा? संत जी ऐसा सुनते हीं बेहोश होकर गिर जाते है। घर आते ही तोता सेठजी से पूछता है कि सेठजी संत ने क्या कहा। सेठजी कहते है तेरी आजादी का पूछते ही वो बेहोश हो गए। दूसरे दिन सेठजी सत्संग में जाने लगते है तब तोता पिंजरे में जानबूझ कर बेहोश होकर गिर जाता हैं। सेठजी उसे मरा हुआ मानकर जैसे हीं उसे पिंजरे से बाहर निकालते है, तो वो उड़ जाता है। सत्संग जाते ही संत सेठजी को पूछते है कि कल आप उस तोते के बारे में पूछ रहे थे ना अब वो कहाँ हैं। सेठजी कहते हैं, हाँ महाराज आज सुबह-सुबह वो जानबुझ कर बेहोश हो गया , मैंने देखा की वो मर गया है इसलिये मैंने उसे जैसे ही बाहर निकाला तो वो उड़ गया। तब संत ने सेठजी से कहा की देखो तुम इतने समय से सत्संग सुनकर भी आज तक सांसारिक मोह-माया के पिंजरे में फंसे हुए हो और उस तोते को देखो बिना सत्संग में आये मेरा एक इशारा समझ कर आजाद हो गया।

अंतर्मन

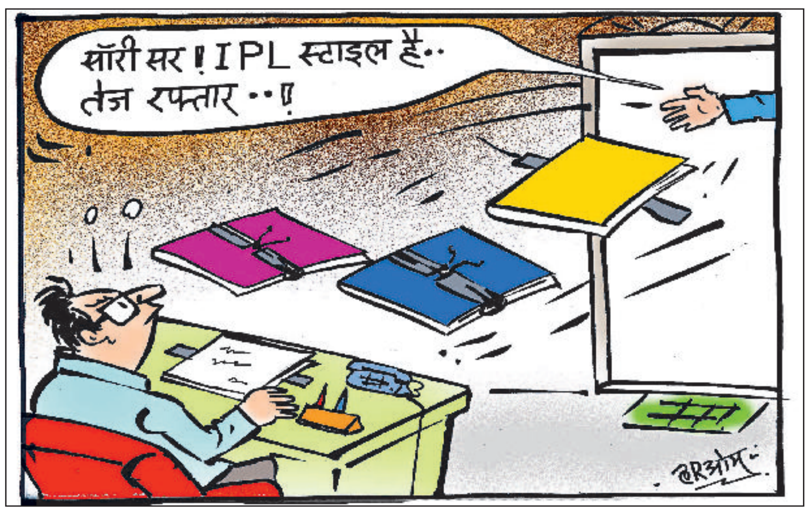

आज की पाती

जनप्रतिनिधियों को वेतन पेंशन देने का औचित्य

भारत एक गौरवशाली लोकतांत्रिक गणराज्य है। हालांकि, विषय विचारणीय है कि संविधान में उल्लिखित आदर्श और सिद्धांत, जिनका उद्देश्य सभी नागरिकों को समान अधिकार और न्याय सुनिश्चित करना था, उनके अर्थों को समय-समय पर स्वहित में तोड़-मरोड़ कर प्रस्तुत करने की प्रवृत्ति भी उतनी ही पुरानी हो गई है। लोकतंत्र में जनता अपने प्रतिनिधियों का चयन इस विश्वास के साथ करती है कि वे उनके अधिकारों और कल्याण के लिए कार्य करेंगे। इन्हें जनसेवक कहा जाता है, लेकिन व्यवहार में इनका कार्य सेवा से अधिक 'सुविधा और लाभ' की ओर झुका हुआ है। संसद में हो रहे व्यवधान से प्रश्न उठता है कि क्या इन्हें वेतन और पेंशन दी जानी चाहिए या नहीं? भारत की समूह जनता को इस विषय पर चिंतन करना है।

- विवेक सक्सेना, राजनांदगांव

करंट अफेयर

तीन मुस्लिम देशों का दौरा आखिर क्या है ट्रंप का प्लान

डोनाल्ड ट्रंप इमिग्रेशन से लेकर टैरिफ तक लगातार सख्त फैसले ले रहे हैं। हालांकि ट्रंप कई देशों से रिश्ते सुधारने में भी जुट गए हैं और इसी एवज में वो तीन मुस्लिम देशों का दौरा करने जा रहे हैं। इस बात की जानकारी खुद ट्रंप ने दी और कहा कि सत्ता में वापसी के बाद पहली विदेश यात्रा सऊदी अरब की हो सकती है। अगले महीने ही डोनाल्ड ट्रंप सऊदी अरब की यात्रा कर सकते हैं। उन्होंने सोमवार को व्हाइट हाउस में कहा कि उनकी सत्ता में वापसी के बाद पहली विदेश यात्रा सऊदी अरब की हो सकती है। ट्रंप ने कहा कि अगले महीने ये यात्रा हो सकती है, या थोड़ा बाद में। उन्होंने इसी के साथ कतर समेत कुछ अन्य देशों में भी जाने की संभावना जताई रहे हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि यूएई बहुत महत्वपूर्ण है, इसलिए मैं यूएई और कतर में रुकेंगे। सऊदी अरब के अधिकारियों ने हमारी अमेरिकी कंपनियों में लगभग एक ट्रिलियन डॉलर खर्च करने पर सहमति व्यक्त की है, जिसका अर्थ मेरे लिए नौकरियां हैं। अमेरिकी कंपनियां सऊदी अरब और मध्य पूर्व के अन्य स्थानों के लिए उपकरण बनाएंगी। बता दें कि जनवरी में सऊदी क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान ने अमेरिकी व्यापार और निवेश में 600 बिलियन डॉलर जमा करने का वादा किया था।

ऑफ बीट

दिन में तीन पहरों में रूप बदलती है ज्ञान की देवी मां शारदा

बुंदेलखंड के जालौन जिले में ज्ञान की देवी मां शारदा का ऐसा मंदिर है जिसके बारे में मान्यता है कि एक कुंड से प्रकट हुईं आदि शक्ति दिन के तीन पहरों में अलग अलग रुपों में अपने भक्तों को दर्शन देती हैं। जिला मुख्यालय उरई से लगभग 30 किमी दूर ग्राम बैरागढ़ में स्थित इस मंदिर में ज्ञान की देवी सरस्वती मां शारदा के रूप में विराजमान हैं। किवदंतियों के अनुसार, यह मंदिर आदिकाल में निर्मित हुआ था और मां शारदा की मूर्ति मंदिर के पीछे बने एक कुंड से निकली थी। इस कारण इस स्थान को शारदा देवी सिद्ध पीठ कहा जाता है। मान्यता है कि देवी प्रतिमा दिन में तीन रूपों में दिखती है, सुबह के समय कन्या के रूप में, दोपहर को युवती के रूप में और शाम को मां के स्वरूप में। इन अद्भुत दर्शनों के लिए श्रद्धालु पूरे देश से यहां आते हैं। पुजारी शारदा शरण द्विवेदी ने बताया कि मंदिर प्रांगण में पाखर का वृक्ष नवरात्र के समय हरा भरा हो जाता है जहां श्रद्धालु पेड़ के नीचे तप और ध्यान भी करते हैं। भक्त मानते हैं कि पेड़ के नीचे बैठकर जो अपनी मन्नत होती है वह पूर्ण होती है। मां शारदा शक्ति पीठ ऐतिहासिक रूप से भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह पृथ्वीराज चौहान और आल्हा-उदल के युद्ध की साक्षी रही है।

ट्रेंड

'ओडिशा दिवस' हर वर्ष

दिल्ली सरकार ने निर्णय लिया है कि हर वर्ष 'ओडिशा दिवस' को भव्य रूप से मनाया जाएगा। ओडिशा की संस्कृति, परंपराओं और योगदान का सम्मान करना हम सबका कर्तव्य है। हम इसे और सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

-रेखा गुप्ता, सीएम, दिल्ली

नशे के खिलाफ़ कदम

पंजाब में आम आदमी पार्टी की सरकार ने पिछले 1 महीने में नशे के खिलाफ़ ऐसे सख्त कदम उठाए हैं, जो पिछले 75 सालों में नहीं हुए। अब इसे जनआंदोलन बनाकर पंजाब के गांव-गांव में जागरूकता फैलाएंगे और लोगों को जोड़ेंगे, हर पिंड से नशे को खत्म करना ही हमारा संकल्प है।

-अरविन्द केजरीवाल, पूर्व सीएम, दिल्ली

उत्कल दिवस

प्राकृतिक सुंदरता, प्राचीन शिल्पकारी और अनूठी संस्कृति से समृद्ध ओडिशा राज्य, भारत का गौरव है। सभी प्रदेशवासियों को उत्कल दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं!

-राहुल गांधी, कांग्रेस सांसद

महाभारत का मंच

महाभारत एक ऐसा मंच होना चाहिए जो कई कहानियाँ कहने का समर्थन करता हो.. यह क्वांटम कहानी कहने के सबसे करीब है.. पात्र पात्रों से विकसित होते हैं.. चलो बात करते हैं।

-शेखर कपूर, फिल्मकार

सार्वजनिक स्थल पर जुआ खेलते दो गिरफ्तार

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा कोटपूतली

सरुण्ड थाना पुलिस ने सार्वजनिक स्थल पर जुआ खेलते दो व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके कब्जे से जुआ सामग्री और 670 रुपये की जुआ राशि बरामद की है। पुलिस को मंगलवार को मुखबिर से सूचना मिली कि ग्राम खड़ब में एक सार्वजनिक स्थान पर ताश के पत्तों पर दांव लगाकर जुआ खेला जा रहा है। सूचना पर कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम मौके पर पहुंची और राजेश (40) पुत्र चिरंजीलाल जांगिड़ तथा दिलीप (34) पुत्र रामचंद्र धोबी, दोनों निवासी खड़ब थाना सरुण्ड, को रंगे हाथों पकड़ लिया। मौके से जुआ सामग्री और कुल 670 रुपये की राशि जब्त कर ली गई। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मुकदमा संख्या 88/2025, धारा 13 आरपीजीओ के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

ब्राह्मण समाज की बैठक में नई कार्यकारिणी गठित

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा कोटपूतली

सराय मोहल्ले में ब्राह्मण समाज की बैठक का आयोजन संरक्षक ओमप्रकाश सारस्वत के सानिध्य में हुआ। बैठक में समाज के पदाधिकारियों और सदस्यों ने सर्वसम्मति से विगत 24 मार्च को अध्यक्ष चुने गए राधेश्याम शर्मा के साथ कार्यकारिणी का विस्तार किया। नई कार्यकारिणी में उपाध्यक्ष पद पर महावीर प्रसाद शर्मा, पवन पारीक और नंदकिशोर सुरेलिया को नियुक्त किया गया। महामंत्री का दायित्व एडवोकेट ललित शर्मा को सौंपा गया, जबकि भंडार संरक्षक के रूप में एडवोकेट दिनेश कुमार शर्मा को जिम्मेदारी दी गई। कोषाध्यक्ष के रूप में सुनील कुमार शर्मा, मीडिया प्रभारी के रूप में विक्रांत शर्मा और सचिव के रूप में बजरंग लाल शर्मा को चुना गया। बैठक में केदार शर्मा, महावीर शर्मा, सत्यनारायण शर्मा, विक्रांत जोशी, कुलदीप जोशी, हेमंत शर्मा, दिलीप कुमार शर्मा, सुनील भारद्वाज, रवि शर्मा, अमित गौतम, प्रमोद पारीक, पवन पारीक, महेंद्र पारीक, विजय शर्मा, सतीश शर्मा सहित अन्य गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे। समाज के विकास और संगठन को मजबूत करने के लिए विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई।

युवक की हत्या के तीनों आरोपी जेल भेजे गए

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा अलवर

सदर थाना पुलिस ने युवक की हत्या के मामले में गिरफ्तार तीन आरोपियों को मंगलवार को कोर्ट में पेश किया, जहां से उन्हें न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया। थानाधिकारी रमेश सैनी ने बताया कि 26 मार्च को एक महिला ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उसके बेटे अनिल कुमार जाटव को उसके साथी दिलीप, सुधांशु उर्फ सचिन और मोहित घर से बुलाकर बीयर बार में ले गए। वहां पहले उसे शराब पिलाई और बाद में पीट-पीटकर उसकी हत्या कर दी। पुलिस ने जांच के बाद तीनों आरोपियों–दिलीप पुत्र किशोरी लाल जाटव, सुधांशु उर्फ सचिन पुत्र शिवराम और मोहित पुत्र रमेश जाटव, सभी निवासी तूलेड़ा–को गिरफ्तार किया था। मंगलवार को कोर्ट में पेश करने के बाद उन्हें न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया।

7 पार्किंग स्थलों के ठेके पूर्ण, 6 में दोबारा होगी प्रक्रिया

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा अलवर

नगर निगम ने कुल 13 पार्किंग स्थलों में से 7 के लिए ठेके की प्रक्रिया पूरी कर ली है। अब संबंधित ठेकेदार वर्क आर्डर मिलने के बाद कार्य शुरू करेंगे। इनमें न्यू तेज टॉकीज परिसर, तांगा स्टैंड, सब्जी मंडी, लादिया, कचहरी परिसर के बाहर लादिया गेट की ओर, सानिया हास्पिटल, कैपिटल गैलेरिया और हाईटेक हास्पिटल- दिशा हास्पिटल शामिल हैं। सहायक राजस्व निरीक्षक निशा लखानी ने बताया कि बाकी 6 स्थानों के लिए ठेके की प्रक्रिया पूरी नहीं हो पाई है, क्योंकि इन स्थानों पर किसी भी फर्म से निविदा नहीं आई है। इसलिए इन 6 स्थानों पर दोबारा ठेके की प्रक्रिया की जाएगी। जिन स्थानों में प्रक्रिया दोबारा होगी, उनमें सुनील हास्पिटल, मित्तल हास्पिटल, सुप्रीम हॉस्पिटल, कल्याण हॉस्पिटल, गीतांजलि हास्पिटल और सिटी हास्पिटल शामिल हैं। यहां, दुपहिया वाहनों के लिए 15 रुपये और चौपहिया वाहनों के लिए 30 रुपये शुल्क निर्धारित किया गया है।

आपसी विवाद में एक व्यक्ति पर जानलेवा हमला, 14 टांके आए

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा अलवर

तिजारा थाना क्षेत्र के गातोली गांव में दो भाइयों ने आपसी विवाद के चलते 55 वर्षीय शेर सिंह मीणा पर लाठी-डंडों से जानलेवा हमला कर दिया। घटना के बाद घायल शेर सिंह को सोमवार देर रात अलवर के सामान्य अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान उनके सिर में करीब 14 टांके आए। घटना के बारे में केतन मीणा ने बताया कि गांव के ही कैलाश मीणा और उसके भाई सुरेश मीणा देर शाम उनके घर में घुस आए और लाठी-डंडों से उनके पिता पर हमला कर दिया। हमले में शेर सिंह का सिर बुरी तरह फट गया। हमलावर घटना के बाद मौके से फरार हो गए। घायल को पहले तिजारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) में भर्ती कराया गया, लेकिन हालत गंभीर होने पर उन्हें अलवर के अस्पताल रैफर कर दिया गया। पीड़ित परिवार ने तिजारा थाना में आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कराया है और पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

नगर निगम ग्रेटर सतर्कता शाखा की टीम द्वारा की गई कार्यवाही

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा जयपुर

नगर निगम ग्रेटर आयुक्त रूकमणि रियाड़ के निर्देशानुसार उपायुक्त सतर्कता अजय कुमार शर्मा के नेतृत्व में मंगलवार को सतर्कता शाखा की टीम द्वारा नगर निगम जयपुर ग्रेटर के क्षेत्राधिकार में लालकोठी किसान भवन के पास, गांधी नगर रेलवे स्टेशन, मानसरोवर मेट्रो स्टेशन के नीचे, बियानी कॉलेज रोड़ के सामने, नेशनल हैण्डलूम खाली भूखण्ड के पास, दादी का फाटक से पार्षद कार्यालय तक आदि स्थानों से अस्थाई अतिक्रमण को करने वालों के विरूद्ध 7 हजार 500 रूपये का कैरिंग चार्ज कर 06 केन्टर सामान जब्त किया गया।

हिंदू नववर्ष पर 5100 दीपकों के साथ भव्य भक्ति संध्या का आयोजन

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा कोटपूतली

हिंदू नववर्ष एवं नवरात्रि के पावन अवसर पर स्थानीय अग्रसेन तिराहे पर टीम स्वच्छता सेवा दल के तत्वाधान में भव्य दीपोत्सव का आयोजन किया गया। इस अवसर पर 5100 दीपों का प्रज्वलन, रामधुनी, हनुमान चालीसा पाठ एवं रंगीन आतिशबाजी की गई। आयोजन के दौरान श्रद्धालु भक्तिरस में डूबे नजर आए। संयोजक प्रवीण कुमार बंसल ने बताया कि विक्रम संवत 2082 के शुभारंभ पर कार्यकर्ताओं ने मिलकर इस आयोजन को भव्य रूप दिया। कार्यक्रम के तहत बाबा श्याम प्रभु का विशेष दरबार सजाया गया, जिसमें रवि अग्रवाल व उनकी टीम का योगदान रहा। भजन संध्या में बदायूं से आए भजन गायक प्रतोष शर्मा फकीरा ने "यह हिंदू नव वर्ष हैऽ" व "हर जुबां पे राम का नाम होना चाहिएऽ" जैसे भजनों से वातावरण को भक्तिमय कर दिया। गुड़गांव के जीतू माली ने झांकी प्रस्तुत की, जबकि महेंद्रगढ़ से आए कलाकारों ने भी अपनी प्रस्तुतियों से समां बांधा। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन से हुई, जिसमें नगर के गणमान्य नागरिक, संत महात्मा और विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधि शामिल हुए। इस दौरान भाजपा नेता मुकेश गोयल, शंकर लाल कसाना, अशोक बंसल, डॉ. के. एम. गुप्ता, नागाजी मंदिर के सीताराम जी महाराज, वृंदावन से तेजसदास जी महाराज, व्यापार महासंघ अध्यक्ष मैथलीशरण बंसल सहित अनेक विशिष्टजन उपस्थित रहे। टीम स्वच्छता सेवा दल के कार्यकर्ताओं ने आयोजन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उपस्थित श्रद्धालुओं ने दीपों की जगमगाहट और भजनों की स्वर लहरियों के बीच हिंदू नववर्ष के स्वागत में आत्मीयता और उत्साह प्रकट किया।

भारतीय नववर्ष पर स्नेह मिलन कार्यक्रम आयोजित

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा कोटपूतली

राजकीय एलबीएस पी.जी. महाविद्यालय में मंगलवार को अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ (उच्च शिक्षा) राजस्थान की स्थानीय इकाई द्वारा भारतीय नववर्ष के अवसर पर स्नेह मिलन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत हिन्दू रीति-रिवाज के अनुसार संकाय सदस्यों का तिलक लगाकर स्वागत करने से हुई। मुख्य अतिथि और मुख्य वक्ता सेवानिवृत्त आचार्य एवं राष्ट्रीय स्वयंसेवक महासंघ के क्षेत्र विचार प्रमुख डॉ. महावीर प्रसाद कुमावत ने भारतीय काल गणना को वैज्ञानिक और प्रकृति सम्मत बताया। उन्होंने कहा कि भारतीय सभ्यता और संस्कृति की प्रत्येक परंपरा भारतीय काल गणना पर आधारित है, जबकि पाश्चात्य काल गणना हम पर थोपी गई है। उन्होंने आह्वान किया कि हमें अपनी सनातन संस्कृति का सम्मान करते हुए भारतीय काल गणना को अपनाना चाहिए, क्योंकि पाश्चात्य काल गणना अनेक विसंगतियों से भरी हुई है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे प्राचार्य डॉ. आर. के. सिंह ने भारतीय नवसंवत्सर के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि यह नवरात्र जैसे शुभ उत्सव से प्रारंभ होता है, जब प्रकृति नव रूप धारण करती है और वातावरण उल्लास से भर जाता है। इस अवसर पर आर.वी.आर.एस. के शिक्षकों को सरकार द्वारा समान पदनाम दिए जाने पर महाविद्यालय परिवार की ओर से शुभकामनाएं दी गईं। आर.वी.आर.एस. शिक्षकों की ओर से डॉ. खेमचंद गुर्जर ने संगठन और सरकार के प्रति आभार व्यक्त किया। महाविद्यालय स्टाफ क्लब की ओर से नवनियुक्त हिंदी साहित्य के चार सहायक आचार्यों का स्वागत किया गया। कार्यक्रम का संचालन अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ (उच्च शिक्षा) राजस्थान के स्थानीय इकाई सचिव अशोक सिंह ने किया, जबकि कपूर चंद वर्मा ने आभार व्यक्त किया। इस दौरान सभी संकाय सदस्यों की सक्रिय भागीदारी रही।

अलवर में बनेगा प्रदेश का पहला दिव्यांग पार्क

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा अलवर

अंबेडकर नगर में प्रदेश का पहला दिव्यांग पार्क बनने जा रहा है, जिसे विशाखापत्तनम के ऑल एबिलिटीज पार्क की तर्ज पर तैयार किया जाएगा। इस पार्क में दृष्टिहीन व अस्थिबाधित व्यक्तियों के अनुकूल सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी, जिससे वे बिना किसी बाधा के घूम सकें। टेक्सटाइल टाइल्स चलने में मदद करेंगी, जबकि पाइप पर उकेरी गई ब्रेल लिपि रास्ता दिखाने का काम करेगी। यूआईटी इस पार्क को छह माह से एक साल के भीतर तैयार करने की योजना बना रही है। इसके लिए आगामी 15-20 दिनों में टेंडर जारी कर दिए जाएंगे। पार्क को अंबेडकर नगर के एम-एन ब्लॉक या सी ब्लॉक में से किसी एक स्थान पर बनाया जाएगा। देश के विभिन्न राज्यों में पहले से ही दिव्यांग पार्क मौजूद हैं, लेकिन राजस्थान में यह पहला प्रयास होगा। पार्क की दीवारों पर उभरी हुई पेंटिंग्स बनाई जाएंगी, जिन्हें दिव्यांग स्पर्श कर अनुभव कर सकेंगे। यहां 42 प्रकार के पौधे लगाए जाएंगे, जिनकी जानकारी हिंदी, अंग्रेजी और ब्रेल लिपि में उपलब्ध होगी, ताकि दृष्टिबाधित व्यक्ति उन्हें छूकर और सूंघकर पहचान सकें। पक्षियों की चहचहाहट सुनाई देने के लिए साउंड सिस्टम भी लगाया जाएगा। पार्क में दिव्यांगों की सुविधा के लिए ब्रेल स्लेट, टेलर फ्रेम, फ्लैश कार्ड, करंसी चेकर, ब्लाइंड वॉच, ब्लाइंड थर्मामीटर, टॉकिंग कैलकुलेटर, शतरंज बोर्ड सहित अन्य उपयोगी उपकरण रखे जाएंगे। इसके अलावा सेंसरी पार्क, एक्युप्रेशर कॉर्नर और अन्य विशेष सुविधाएं भी उपलब्ध होंगी। यहां एक अनोखा पुल बनाया जाएगा, जो धीरे-धीरे जमीन के स्तर से ऊपर उठेगा। इसके अलावा, वर्टिकल गार्डन और कैनोपी भी होगी, जो पौधों को धूप और बारिश से बचाने के साथ-साथ तापमान को नियंत्रित करेगी। यूआईटी के एक्सईएन कुमार संभव अवस्थी के अनुसार, पार्क में लाइट हाउस, चढ़ाई संरचना, ईपीडीएम प्ले कोर्ट, टायर चढ़ाई दीवार और हिरणों को दूर रखने वाली संरचनाएं भी बनाई जाएंगी। दिव्यांगों के लिए पानी में खेलने की सुविधा भी होगी। फुटपाथ पर विशेष रंग और अक्षर उकेरे जाएंगे, जो मार्गदर्शन के साथ-साथ संवाद को भी प्रोत्साहित करेंगे। यह पार्क दिव्यांगजनों के लिए सुविधाजनक होने के साथ-साथ आम नागरिकों को उनकी चुनौतियों को समझने का अवसर भी देगा। इस महत्वाकांक्षी परियोजना का कार्य जल्द ही शुरू किया जाएगा।

ग्रीष्म ऋतु में निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करें - जिला कलक्टर

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा कोटपूतली

जिला कलक्टर कल्पना अग्रवाल ने मंगलवार को विद्युत विभाग की समीक्षा बैठक में अधिकारियों को निर्देश दिए कि ग्रीष्म ऋतु के दौरान निर्बाध विद्युत आपूर्ति के लिए आवश्यक व्यवस्थाएँ सुनिश्चित की जाएँ। उन्होंने कहा कि घरेलू उपभोक्ताओं को पीएम सूर्य घर योजना से जोड़ने के लिए विशेष कार्ययोजना बनाकर कार्य किया जाए। जिला कलक्टर ने कहा कि बिजली आमजन की मूलभूत आवश्यकता है, इसलिए अधिकारियों को इससे जुड़ी समस्याओं का संवेदनशीलता से समाधान करना होगा। उन्होंने अधीक्षण अभियंता मनोज गुप्ता को निर्देश दिया कि अधिकारी आमजन के शिकायत संबंधी फोन कॉल का तुरंत जवाब दें और समस्याओं का समयबद्ध निवारण करें। इस कार्य में लापरवाही को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने बिजली चोरी रोकने के लिए सख्त निगरानी और कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए। साथ ही, बिजली कटौती एवं शटडाउन केवल आवश्यक कारणों पर ही करने और लंबित विद्युत कनेक्शन आवेदनों का शीघ्र निपटारा करने पर जोर दिया। जिला कलक्टर ने बजट 2024-25 और 2025-26 में विद्युत विभाग से संबंधित घोषणाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा करते हुए कार्यों को गुणवत्ता और समयबद्धता के साथ पूरा करने के निर्देश दिए। इसके अलावा, उन्होंने पीएम कुसुम योजना के तहत किसानों को सौर ऊर्जा से चलने वाले पंप स्थापित करने और सौर ऊर्जा संयंत्र लगाने के कार्य में तेजी लाने को कहा। पीएम सूर्य घर योजना के तहत घरेलू उपभोक्ताओं को रूफटॉप सोलर प्लांट लगाने के लिए प्रोत्साहित करने के निर्देश दिए। जिला कलक्टर ने इन योजनाओं के बारे में अधिकाधिक लोगों को जागरूक करने के लिए विभिन्न प्रचार माध्यमों का उपयोग करने पर भी जोर दिया। बैठक में विद्युत विभाग के संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

जिला कलक्टर ने नगर परिषद एवं नगर पालिका अधिकारियों की ली बैठक

वार्षिक कार्ययोजना का अनुमोदन, शहरी विकास को मिली दिशा

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा कोटपूतली

जिला कलक्टर कल्पना अग्रवाल की अध्यक्षता में नगर परिषद एवं नगर पालिकाओं के अधिकारियों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में वार्षिक कार्ययोजना का अनुमोदन किया गया और शहरी विकास योजनाओं की प्रगति की समीक्षा हुई। बैठक में मुख्यमंत्री शहरी रोजगार योजना, स्वच्छ भारत मिशन, संपर्क पोर्टल सहित विभिन्न फ्लैगशिप योजनाओं पर चर्चा हुई। जिला कलक्टर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे अपने कार्यों में गति लाएं और नियमित मॉनिटरिंग कर प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करें। बैठक में एमएसआरवीवाई के तहत नगर परिषद में 1 करोड़ और नगर पालिकाओं में 60 लाख रुपये के कार्य स्वीकृत किए गए, जिनमें पर्यावरण संरक्षण, जल प्रबंधन, स्वच्छता, संपत्ति विरूपण रोकथाम और हेरिटेज संरक्षण शामिल हैं। जिला कलक्टर ने सफाई व्यवस्था को दुरुस्त करने, सार्वजनिक स्थलों पर सौंदर्यीकरण, गंदे जल निकासी सुधार, सड़क चौड़ाईकरण और स्ट्रीट लाइट व्यवस्था को दुरुस्त करने के निर्देश दिए। शहर की दीवारों पर मांढ़ण कला और गेरुआ सजावट करने, पोस्टर चिपकाने वालों पर कार्रवाई करने और फुटपाथों के पास हरियाली बढ़ाने के निर्देश भी दिए गए। उन्होंने कचरा प्रबंधन को सुदृढ़ बनाने, घर-घर से कचरा संग्रहण सुनिश्चित करने और सार्वजनिक शौचालयों की नियमित सफाई के निर्देश दिए। नगर परिषद और नगर पालिकाओं के परिसीमन की समीक्षा कर आवश्यक प्रस्ताव भेजने के भी निर्देश दिए गए। जिला कलक्टर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे शहरी क्षेत्रों का नियमित दौरा कर अव्यवस्थाओं को चिह्नित करें और समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करें। स्टेडियम निर्माण कार्य की प्रगति पर भी चर्चा हुई और इसे शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए गए। नगर परिषद आयुक्त धर्मपाल जाट ने वार्षिक कार्ययोजना और विभिन्न योजनाओं की प्रगति की जानकारी दी। बैठक में एडीएम ओमप्रकाश सहारण, एईएन मुकेश सैनी, अधिशाषी अधिकारी और अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

आईसीडीएस में महिला पर्यवेक्षक के 416 पदों पर नियुक्ति के आदेश हुए जारी

उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी के निर्देशन में महिला एवं बाल विकास विभाग का हो रहा सुदृढ़ीकरण

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा जयपुर

महिला एवं बाल विकास विभाग के निदेशालय, समेकित बाल विकास सेवाएं (आईसीडीएस) द्वारा महिला पर्यवेक्षक के 416 पदों पर नियुक्ति के आदेश जारी किये गए हैं। उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी के निर्देशन में महिला एवं बाल विकास विभाग का सुदृढ़ीकरण किया जा रहा है। विभाग में कार्मिकों की कमी नहीं होने से कार्य सुगमता से होंगे जिससे महिला एवं बाल विकास की योजनाओं से आमजन सरलता और सुगमता से लाभान्वित हो सकेंगे। निदेशक आईसीडीएस ओ. पी. बुनकर ने बताया कि विभाग में 416 कार्मिकों को पोस्टिंग मिली है। इसमें से आंगनबाड़ी कार्यकर्ता कोटे से 216 कार्यकर्ताओं की और सीधी भर्ती से 200 महिला पर्यवेक्षकों की भर्ती की गई है। निदेशक ने बताया कि इससे विभाग के कार्य संपादन और मॉनिटरिंग में आसानी होगी। उन्होंने बताया कि विभाग को नवीन कार्मिक मिलने से उसकी कार्य क्षमता में वृद्धि होगी। उक्त कैडर के 20 प्रतिशत से अधिक कार्मिकों का मिलना विभागीय कार्यों के संपादन में उपयोगी होगा। निदेशक आईसीडीएस ने बताया कि राज्य की बाल विकास परियोजनाओं में कार्यरत सभी सीडीपीओ को निर्देशित किया है कि उक्त आदेश में दिए गए निर्देशानुसार कार्मिकों की पर्सनल फाइल का संधारण सुव्यवस्थित ढ़ंग से किया जाए और कार्मिकों की सर्विस बुक भी को समय पर बनाकर उसमें तथ्यात्मक सूचनाएं सावधानी से सुस्पष्टता से भरी जाए। अधूरी सर्विस बुक बाद में समस्या का कारण बनती है। उन्होंने कार्मिकों की फोटो, हस्ताक्षर , अँगुली और अंगूठे के निशान, शैक्षणिक योग्यता इत्यादि सभी एंट्री पूर्ण सावधानी से करने के निर्देश दिए। निदेशक ओ.पी. बुनकर ने आंगनबाड़ी कार्यकर्ता कोटे से भर्ती हुई कार्यकर्ता से विभाग द्वारा आवंटित फोन तथा समस्त रिकार्ड अन्य कार्यकर्ता/ सहायिका जिसको भी चार्ज दिया जा रहा है, को सुपुर्द करने के उपरांत ही कार्यमुक्त आदेश जारी करने के सीडीपीओ को निर्देश दिए। उन्होंने सीडीपीओ को उक्त कार्मिकों को कार्यमुक्ति आदेश के साथ नियुक्ति आदेश भी जारी करने और निर्देशानुसार फोटो युक्त अनुभव प्रमाण पत्र भी जारी किया करने और इनका संधारण कार्मिक की पर्सनल फाइल में करने के निर्देश दिए।

रामनवमी पर होगा राज्यस्तरीय गीता प्रतियोगिता

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा जयपुर

राजस्थान सरकार और हरे कृष्ण मूवमेंट, गुप्त वृंदावन धाम के संयुक्त प्रयास से इस रामनवमी पर एक ऐतिहासिक पहल की जा रही है। पहली बार पूरे राजस्थान के स्कूली छात्रों के लिए राज्यस्तरीय भगवद गीता प्रतियोगिता आयोजित होगा। हरे कृष्ण मूवमेंट जयपुर के कार्यक्रम संयोजक सिद्ध स्वरूपदास ने बताया कि इस प्रतियोगिता में राज्यभर के कक्षा 7वीं से 12वीं तक के छात्र-छात्राएं घर बैठे ऑनलाइन परीक्षा में हिस्सा लेंगे। यह परीक्षा 6 अप्रैल को आयोजित की जाएगी। प्रतियोगिता के विजेताओं को ना केवल राज्य स्तर पर सम्मान और प्रमाण पत्र मिलेगा बल्कि एक लाख 50 हजार रुपए तक के नकद पुरस्कार भी प्रदान किए जाएंगे। इस अवसर पर प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थी को 11 हजार रुपए, द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले को 5100 रुपए और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थी को 2100 रुपए का पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। सिद्ध स्वरूपदास ने बताया कि इस प्रतियोगिता का उद्देश्य हर छात्र तक गीता का संदेश पहुंचाना है। इस प्रतियोगिता की विशेषताएं यह है कि इसकी परीक्षा पूरी तरह ऑनलाइन होगी। प्रश्नपत्र बहुविकल्पीय (एमसी क्यू) होगा। प्रथम चरण 6 अप्रैल को आयोजित होगा। द्वितीय चरण 4 मई को जिला टॉपर्स के लिए राज्यस्तरीय परीक्षा के रूप में होगा। आगामी 15 मई को जयपुर के गुप्त वृंदावन धाम जगतपुरा में शिक्षा मंत्री मदन दिलावर के कर-कमलों से विजेताओं को सम्मानित किया जाएगा। प्रतियोगिता के लिए रजिस्ट्रेशन चल रहे हैं और अब तक 50 हजार से अधिक विद्यार्थी इस प्रतियोगिता के लिए रजिस्ट्रेशन कर चुके हैं।

दिग्गज खिलाड़ी वंदना कटारिया ने अंतरराष्ट्रीय हॉकी को कहा अलविदा

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारतीय महिला टीम की दिग्गज खिलाड़ी वंदना कटारिया ने मंगलवार को अंतरराष्ट्रीय हॉकी को अलविदा कह दिया और कहा कि अपने 15 वर्ष के सुनहरे कैरियर के शिखर पर वह विदा ले रही हैं। भारत के लिये 320 मैच खेल चुकी 32 वर्ष की स्ट्राइकर कटारिया ने भारतीय महिला हॉकी के इतिहास में सबसे ज्यादा मैच खेले हैं। उनके नाम 158 गोल भी दर्ज हैं। कटारिया ने कहा, '' आज भारी लेकिन कृतज्ञ मन से मैं अंतरराष्ट्रीय हॉकी से विदा ले रही हूं। यह फैसला सशक्त करने वाला और दुखी करने वाला दोनों है। मैं इसलिए नहीं हट रही हूँ क्योंकि मेरे अंदर की आग मंद पड़ गई है या मेरे भीतर हॉकी नहीं बची है बल्कि इसलिए क्योंकि मैं अपने कैरियर के शिखर पर संन्यास लेना चाहती हूं, जबकि मैं अभी भी अपने सर्वश्रेष्ठ स्तर पर हूं।''

भारतीय फॉरवर्ड खिलाड़ी वंदना कटारिया

- वंदना ने भारतीय महिला हॉकी के इतिहास में सबसे ज्याद मैच खेले
- भारत के लिए 320 मैच खेल चुकी 32 वर्ष की स्ट्राइकर
- कटारिया के नाम 158 गोल दर्ज है

कोच व मेंटर्स ने मेरी हॉकी को तराशा

कटारिया ने कहा,'' अपनी साथी खिलाड़ियों, अपनी बहनों से मैं यही कहूंगी कि आपके लगाव और विश्वास ने मुझे बल दिया। मेरे कोचों और मेंटर्स ने अपनी सूझबूझ और मुझ पर भरोसे के सहारे मेरे कैरियर को तराशा।'' हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप टिर्की ने पद्मश्री और अर्जुन पुरस्कार प्राप्त कटारिया के बारे में कहा,'' वह गोल ही नहीं करती थी बल्कि भारतीय आक्रमण की धड़कन थी। अथक परिश्रम करने वाली और मोर्चे से अगुवाई करने वाली।''

फारवर्ड पंक्ति को धार देती थी : टिर्की

टिर्की ने कहा,'' उसकी मौजूदगी ने भारतीय फॉरवर्ड पंक्ति को धार दी, खासकर भारी दबाव वाले मैचों में। वैश्विक स्तर पर भारतीय टीम की कामयाबी में उसका अहम योगदान रहा। उसने भावी पीढी के लिये नये मानदंड कायम किये हैं।''

विदाई थकान के वजह से नहीं

स्ट्राइकर ने कहा,'' यह विदाई थकान की वजह से नहीं है। यह अंतरराष्ट्रीय मंच को अपनी शर्तों पर छोड़ने का एक विकल्प है, मेरा सिर ऊंचा रहेगा और मेरी स्टिक अभी भी आग उगल रही होगी। भीड़ की गर्जना, हर गोल का रोमांच और भारत की जर्सी पहनने का गर्व हमेशा मेरे मन में गूंजता रहेगा।''

2009 में सीनियर टीम में किया प्रवेश

2009 में सीनियर टीम में पदार्पण करने वाली कटारिया टोक्यो ओलंपिक 2020 में चौथे स्थान पर रही भारतीय टीम का हिस्सा थी जिसमें उन्होंने हैट्रिक भी लगाई। ऐसा करनी वाली वह पहली और इकलौती भारतीय महिला खिलाड़ी हैं।

टोक्यो के बारे में रोंगटे खड़े हो जाते हैं

वंदना ने कहा,'' टोक्यो के बारे में सोचकर अभी भी मेरे रोंगटे खड़े हो जाते हैं। वह ओलंपिक खास था और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मैच मेरे कैरियर का सबसे जज्बाती मैच था। वह हैट्रिक खास थी और उससे भी महत्वपूर्ण यह था कि हमने साबित किया था कि हम वहां तक पहुंच सकते हैं।''

महिला नेशंस कप विजेता टीम का हिस्सा रही

कटारिया 2016 और 2023 महिला एशियाई चैम्पियंस ट्रॉफी के साथ एफआईएच हॉकी महिला नेशंस कप 2022 में स्वर्ण पदक विजेता टीम का हिस्सा थी। उन्होंने 2018 एशियाई खेलों और 2018 चैम्पियंस ट्रॉफी में रजत पदक जीता। वह 2022 राष्ट्रमंडल खेल, 2014 और 2022 एशियाई खेल और 2021 . 22 एफआईएच प्रो लीग में कांस्य जीतने वाली टीम में भी थी।

भुवनेश्वर में भारत के लिए आखिरी मैच खेला

हरिद्वार की रहने वाली कटारिया ने फरवरी में भुवनेश्वर में एफआईएच प्रो लीग में भारत के लिये आखिरी मैच खेला। उन्होंने इंस्टाग्राम पर लिखा,'' मेरे दिवंगत पिता मेरी चट्टान, मेरे मार्गदर्शक थे। उनके बिना मेरा सपना कभी पूरा नहीं होता। उनके बलिदानों और प्यार से मेरे खेल की नींव पड़ी। उन्होंने मुझे सपने देखने, लड़ने और जीतने के लिये मंच दिया।''

खास खबर

मैं हर मैच में अपने प्रदर्शन में सुधार लाना चाहता हूं: अर्शदीप

लखनऊ। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने अपनी सफलता का श्रेय रचनात्मक आत्म-आलोचना को देते हुए कहा कि वह हर मैच में अपने प्रदर्शन में एक से डेढ़ प्रतिशत का सुधार करने की कोशिश करते हैं। आखिरी ओवरों के विशेषज्ञ के तौर पर तेजी से उभर रहे इस 26 साल के गेंदबाज ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के मौजूदा सत्र में गुजरात टाइटंस के खिलाफ साई सुदर्शन और शेरफेन रदरफोर्ड के महत्वपूर्ण विकेट चटकाकर टीम को पहले मैच में 11 रन से जीत दिलाने में अहम भूमिका अदा की।

यह मुकम्मिल प्रदर्शन था : मुंबई की जीत पर बोले विलियमसन

मुंबई का यह संपूर्ण प्रदर्शन रहा

एजेंसी ▶▶| मुंबई

आईपीएल में जहां टीमें रनों का अंबार लगा रहीं हैं, ऐसे में मुंबई इंडियंस ने गत चैम्पियन कोलकाता नाइट राइडर्स को पिछले मैच में 116 रन पर आउट कर दिया और न्यूजीलैंड के स्टार क्रिकेटर केन विलियमसन ने इसकी तारीफ की है। मुंबई ने इस सत्र में पहली जीत दर्ज करते हुए केकेआर को आठ विकेट से हराया।

विलियमसन ने जियो हॉटस्टार पर कहा,'' यह संपूर्ण प्रदर्शन था। टॉस जीतना, गेंदबाजी चुनना और रणनीति पर खूबसूरती से अमल करना। एक अतिरिक्त तेज गेंदबाज अश्वनी कुमार को लाना जिसने शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने लगातार विकेट चटकाये जो देखकर अच्छा लगा।'' विलियमसन ने कहा,'' आजकल इंपैक्ट खिलाड़ी के नियम से अब टीमें बड़े स्कोर बना रही हैं लेकिन मुंबई ने पूरे मैच में दबाव बनाये रखा।'' पंजाब के 23 वर्ष के अश्वनी ने तीन ओवर में 24 रन देकर चार विकेट लिये। वह आईपीएल पदार्पण मैच में चार विकेट लेने वाले पहले भारतीय क्रिकेटर बने।

केकेआर सही रणनीति बनाने में नाकाम रही

पंजाब के पूर्व स्पिनर पीयूष चावला ने कहा कि केकेआर सही रणनीति बनाने में नाकाम रही। मैच हालात और मैदान के हालात के अनुरूप बल्लेबाजी नहीं की। उन्होंने कहा,'' कई बार हालात को ध्यान में रखना सबसे जरूरी होता है। यह पारंपरिक बल्लेबाजी वाला विकेट नहीं था, खासकर नयी गेंद से। ऐसे में शुरूआत में एहतियात बरतनी जरूरी थी। गेंद के पुरानी और नरम होने के बाद शॉट खेलने चाहिये थे लेकिन ऐसा नहीं हुआ।''

पंजाब की लगातार दूसरी जीत, अर्शदीप ने झटके 3 विकेट

प्रभसिमरन-अय्यर के अर्धशतक से किंग्स ने सुपर जाइंट्स को हराया

एजेंसी ▶▶| लखनऊ

अर्शदीप सिंह की अगुआई में गेंदबाजों के उम्दा प्रदर्शन के बाद प्रभसिमरन सिंह और श्रेयस अय्यर के तूफानी अर्धशतक से पंजाब किंग्स ने इंडियन प्रीमियर लीग में मंगलवार को यहां लखनऊ सुपर जाइंट्स को आठ विकेट से हराकर दो मैच में दूसरी जीत दर्ज की। सुपर जाइंट्स के 172 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए पंजाब किंग्स ने प्रभसिमरन की 34 गेंद में तीन छक्कों और नौ चौकों से 69 रन की पारी और कप्तान श्रेयस अय्यर (52 रन, 30 गेंद, चार छक्के, तीन चौके) के साथ उनकी दूसरे विकेट की 84 रन की साझेदारी की बदौलत 16.2 ओवर में दो विकेट पर 177 रन बनाकर जीत हासिल की। अय्यर ने निहाल वढेरा (नाबाद 43, 25 गेंद, चार छक्के, तीन चौके) के साथ तीसरे विकेट के लिए 67 रन की अटूट साझेदारी करके टीम को लक्ष्य तक पहुंचाया। लेग स्पिनर दिग्वेश

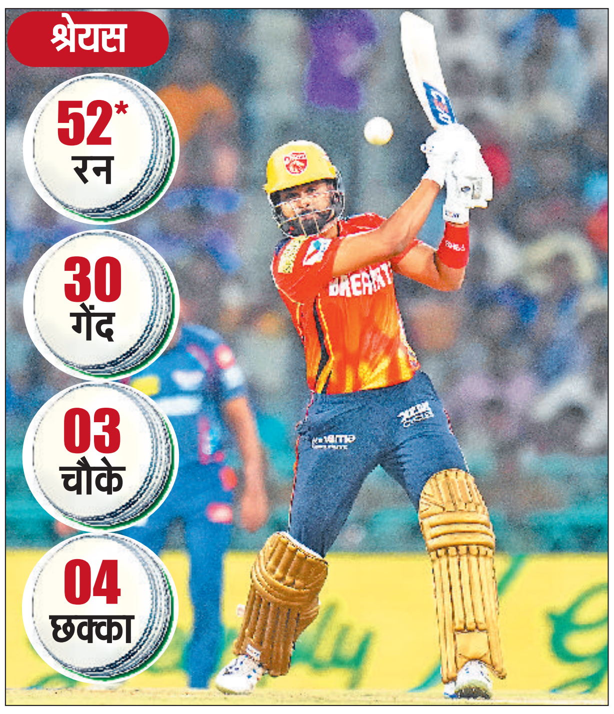

राठी सुपर जाइंट्स के सबसे सफल गेंदबाज रहे जिन्होंने 30 रन देकर दो विकेट चटकाए। सुपर जाइंट्स ने इससे पहले निकोलस पूरन के 44 और आयुष बडोनी के 41 रन की बदौलत सात विकेट पर 171 रन बनाए। बडोनी ने डेथ ओवरों में अब्दुल समद (27) के साथ छठे विकेट के लिए सिर्फ 21 गेंद में 47 रन जोड़कर टीम का स्कोर 170 रन के पार पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई। पंजाब किंग्स की ओर से अर्शदीप सिंह सबसे सफल गेंदबाज रहे जिन्होंने 43 रन देकर तीन विकेट चटकाए।

लक्ष्य का पीछा करने उतरे पंजाब किंग्स के लिए प्रभसिमरन ने शारदुल ठाकुर के पहले ही ओवर में लगातार गेंदों पर चौका और छक्का मारा लेकिन प्रियांश आर्या (08) राठी की गेंद पर जीवनदान मिलने के बावजूद एक गेंद बाद शारदुल को कैच दे बैठे। प्रभसिमरन ने आवेश खान पर छक्का जड़ने के बाद रवि बिश्नोई की लगातार गेंदों पर दो चौके और एक छक्का मारा और अय्यर के साथ मिलकर पावर प्ले में टीम का स्कोर एक विकेट पर 62 रन तक पहुंचाया।

दक्षिण अफ्रीका के कोच वाल्टर ने दिया इस्तीफा

जोहान्सबर्ग। दक्षिण अफ्रीका के सफेद गेंद के मुख्य कोच रॉब वाल्टर निजी कारणों से इस महीने के अंत में अपने पद से हट जाएंगे। वाल्टर ने निजी कारणों से अपना इस्तीफा दिया जिसे क्रिकेट साउथ अफ्रीका ने स्वीकार कर लिया है। मार्च 2023 से इस पद पर काबिज वाल्टर ने वैश्विक मंच पर दक्षिण अफ्रीका की हालिया सफलताओं में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उनके मार्गदर्शन में दक्षिण अफ्रीका ने 2024 में अपने पहले आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप फाइनल में पहुंचकर इतिहास रच दिया जहां वे बारबाडोस में भारत से हारकर उपविजेता रहे।

पुणेरी के जाने पर यूटीटी ने कोलकाता को किया शामिल

नई दिल्ली। अल्टीमेट टेबल टेनिस (यूटीटी) ने अगले महीने से शुरू होने वाले आगामी सत्र के लिए नई फ्रेंचाइजी कोलकाता थंडरब्लेड्स को शामिल किया है जबकि पुणेरी पल्टन के मालिक लीग से बाहर हो गए हैं। पुनीत बालन ग्रुप के स्वामित्व वाली बेंगलुरू स्मैशर्स ने पुणेरी पल्टन के बाहर होने के बाद अपना नाम बदलकर पुणे जगुआर रख लिया है। कोलकाता फ्रेंचाइजी के जुड़ने और पुणेरी पल्टन के बाहर होने के बाद टूर्नामेंट में आठ टीमें बनी रहेंगी।

जीत की हैट्रिक लगाने टाइटंस के खिलाफ मैदान पर उतरेगी आरसीबी

बेंगलुरु। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू अपने घरेलू मैदान पर आईपीएल के इस सत्र का पहला मैच खेलने बुधवार को गुजरात टाइटंस के खिलाफ उतरेगी तो उसका लक्ष्य अपने गेंदबाजों के शानदार फॉर्म के दम पर जीत की हैट्रिक लगाने का होगा। आरसीबी ने कोलकाता को ईडन गार्डंस पर और चेन्नई सुपर किंग्स को चेपॉक पर हराकर शानदार शुरूआत की है। चिन्नास्वामी स्टेडियम की पिच हालांकि बल्लेबाजों की मददगार है और यहां तीन बार 260 से अधिक का स्कोर बन चुका है। छोटी बाउंड्री और तेज आउटफील्ड ने गेंदबाजों को हमेशा परेशान किया है लेकिन रॉयल चैलेंजर्स का मानना है कि उसके दो गेंदबाज जोश हेजलवुड और भुवनेश्वर कुमार यहां बल्लेबाजों पर अंकुश लगा सकते हैं।

खबर संक्षेप

मैनी फोर्ड की टीम के लिए रेसिंग करेंगे

माईपाथ (जर्मनी)। भारतीय ड्राइवर अर्जुन मैनी जर्मन टूरिंग कार रेसिंग सीरीज में अपने पांचवें साल में एचआरटी फोर्ड परफॉर्मेंस टीम के लिए रेसिंग करेंगे। पिछले साल मैनी ने ड्राइवरों की तालिका में सातवां स्थान हासिल किया था जो डीटीएम (ड्यूश टूरेनवेगन मास्टर्स) करियर का सर्वश्रेष्ठ परिणाम रहा था। पिछले तीन सत्र (2021 से 2023 तक) में बेंगलुरु का यह 27 वर्षीय ड्राइवर क्रमशः 12वें, 19वें और 20वें स्थान पर रहा था। नए डीटीएम सत्र के लिए परीक्षण का आधिकारिक दिन बुधवार को मोटरस्पोर्ट एरिना ओशर्सलेबेन में होगा।

सप्तक और थंगराज आमंत्रण गोल्फ चैंपियनशिप में शीर्ष पर

ग्रेटर नोएडा। श्रीलंका के एन थंगराजा और अपने घरेलू कोर्स पर खेल रहे स्थानीय खिलाड़ी सप्तक तलवार ने मंगलवार को यहां अदानी आमंत्रण गोल्फ चैंपियनशिप के शुरुआती दौर के बाद पांच अंडर 67 का स्कोर बनाकर संयुक्त बढ़त हासिल की। डेढ़ करोड़ रुपये पुरस्कार राशि वाले इस टूर्नामें में महू के ओम प्रकाश चौहान, दिल्ली के अर्जुन प्रसाद, गुरुग्राम के सुनहित बिश्नोई और बांग्लादेश के मोहम्मद सोमरत सिकदर जेपी ग्रीन्स गोल्फ एंड स्पा रिसॉर्ट में चार अंडर 68 के एक समान स्कोर के साथ संयुक्त तीसरे स्थान पर है।

विश्व मुक्केबाजी कप

भारत की रही निराशाजनक शुरुआत, परेरा से हारा चाहर

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

पहले विश्व मुक्केबाजी कप में भारत के अभियान की शुरूआत निराशाजनक रही जब लक्ष्य चाहर 80 किलोवर्ग के पहले मुकाबले में मेजबान ब्राजील के वांडरले परेरा से हार गए।

मौजूदा राष्ट्रीय लाइट हैवीवेट चैम्पियन चाहर को प्री क्वार्टर फाइनल में पेरिस ओलंपियन और विश्व चैम्पियनशिप 2023 रजत पदक विजेता परेरा ने सर्वसम्मति से लिये गए फैसले में 5-0 से हराया। चाहर के लिये यह कठिन मुकाबला था और एक को छोड़कर सभी निर्णायकों ने ब्राजील के मुक्केबाज को 30 अंक दिये। चाहर ने 150 में से 149 अंक बनाये जबकि चाहर के 135 अंक रहे। भारत के जादूमणि सिंह एम (50 किलो), निखिल दुबे (75 किलो) और जुगनू (85 किलो) दूसरे दिन चुनौती पेश करेंगे। जादूमणि का सामना पिछले साल विश्व मुक्केबाजी कप के उपविजेता ब्रिटेन के एलिस ट्राउब्रिज से होगा।

- चाहर 80 किलोवर्ग के पहले मुकाबले में ब्राजील के परेरा से हार

निखिल की टक्कर ब्राजील के काउ बेलिनी से होगी जबकि जुगनू फ्रांस के अब्दुलाये टी से खेलेंगे। विश्व मुक्केबाजी द्वारा आयोजित यह पहला टूर्नामेंट है। विश्व मुक्केबाजी को फरवरी में ही अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति से मान्यता मिली है।

एलीट मुक्केबाज पहली बार उतरी

पेरिस ओलंपिक के बाद भारत के एलीट मुक्केबाज भी पहली बार प्रतियोगिता में उतरे हैं। इसमें पहली बार के विश्व मुक्केबाजी द्वारा शुरू किये गए नये भारवर्गों में खेलेंगे।

कोहली खेलेंगे 2027 का वनडे विश्व कप

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग 2025 के बीच विराट कोहली ने फैंस और क्रिकेट प्रेमियों को बहुत बड़ी अपडेट दी है। आईपीएल का 18वां सीजन खेलने में व्यस्त विराट कोहली ने एक इवेंट के दौरान बड़ा खुलासा कर दिया है। कोहली ने 5 सेकेंड में कुछ ऐसा कह दिया जिस पर उनके फैंस को यकीन ही नहीं हो रहा है। अब विराट का यह वीडियो सोशल मीडिया पर धूम मचा रहा है। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का खिताब भारत ने जीता था। फाइनल में भारतीय टीम ने न्यूजीलैंड को 4 विकेट से मात दी थी। फैंस को डर था कि जीत के बाद कहीं रोहित शर्मा और विराट कोहली संन्यास का एलान ना कर दें। हालांकि, प्रेस कॉन्फ्रेंस के लिए आए रोहित शर्मा ने साफ कर दिया था कि मैं अभी कहीं नहीं जाने वाला। वहीं अब विराट कोहली ने ना सिर्फ संन्यास पर बल्कि वनडे विश्व कप 2027 पर भी बड़ा अपडेट दिया है। एक इवेंट के दौरान जब विराट कोहली से पूछा गया कि वर्तमान को देखते हुए, क्या आप अगले बड़े कदम के बारे में कोई संकेत दे सकते हैं? इस पर विराट कोहली ने कहा, 'अगला बड़ा कदम? मुझे नहीं पता। शायद अगला विश्व कप 2027 जीतने की कोशिश करें।' इस जवाब के साथ ही कोहली ने साफ भी कर दिया है कि विराट कोहली अभी संन्यास के बारे में विचार नहीं कर रहे हैं।

संदिग्ध गेंजबाजी एक्शन की शिकायत झेलना पड़ा था मैट को

क्लीन चिट के बाद कुहनेमन को मिला आस्ट्रेलिया का अनुबंध

एजेंसी ▶▶| मेलबर्न

श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला में 16 विकेट लेने के बाद संदिग्ध गेंदबाजी एक्शन की शिकायत झेलने वाले मैट कुहनेमन के गेंदबाजी एक्शन को हरी झंडी मिलने के बाद अब क्रिकेट आस्ट्रेलिया ने 2025 . 26 के अनुबंधित खिलाड़ियों में शामिल किया है। कुहनेमन को श्रीलंका में फरवरी में श्रृंखला में प्लेयर आफ द सीरिज चुना गया था।

कुहनेमन ने पांच टेस्ट में 25 विकेट लिये हैं जिसमें दो बार पारी के पांच विकेट शामिल है। उन्हें श्रीलंका दौरे के बाद गेंदबाजी एक्शन की जांच से गुजरना पड़ा और आईसीसी की जांच में उन्हें क्लीन

चिट मिल गई है। आस्ट्रेलियाई चयन समिति के प्रमुख जॉर्ज बेली ने कहा कि कुहनेमन ने श्रीलंका में शानदार प्रदर्शन किया और आगे भी वह इसे बरकरार रख सकते हैं। भारत के खिलाफ बॉक्सिंग डे टेस्ट में पदार्पण करने वाले सैम कोंस्टास को भी अनुबंध दिया गया है। कोंस्टास ने मेलबर्न टेस्ट में 60 रन बनाकर आस्ट्रेलिया की जीत में अहम भूमिका निभाई थी।

अनुबंधित खिलाड़ियों की सूची

पैट कमिंस, नाथन एलिस, कैमरन ग्रीन, जोश हेजलवुड, ट्रेविस हेड, जोश इंगलिस, उस्मान ख्वाजा, सैम कोंस्टास, मैथ्यू कुहनेमन, मार्नस लाबुशेन, नाथन लियोन, मिचेल मार्श, ग्लेन मैक्सवेल, लांस मौरिस, मैट शॉर्ट, स्टीव स्मिथ, मिचेल स्टार्क, ब्यू वेबस्टर, एडम जम्पा।

पंजाब के इस तेज गेंदबाज ने कोलकाता के चार विकेट चटकाए

अश्वनी ने आईपीएल में पदार्पण का श्रेय कप्तान हार्दिक को दिया

एजेंसी ▶▶| मुंबई

मुंबई इंडियंस के नये खिलाड़ी अश्वनी कुमार ने मंगलवार को कहा कि कप्तान हार्दिक पंड्या ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में पदार्पण से पहले उन्हें यह याद दिलाकर उनकी घबराहट दूर कर दी कि 'पंजाबी निडर हैं' और उन्हें बस मैदान पर जाकर प्रतिद्वंद्वी टीम में खौफ पैदा करना चाहिए।

पंजाब के झंजेरी के इस 23 वर्षीय वामहस्त तेज गेंदबाज ने कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ सोमवार को 24 रन देकर चार विकेट झटककर टीम को आसान जीत दिलाने में अहम भूमिका अदा की। वह इसके साथ ही आईपीएल में अपने पहले मैच में चार विकेट लेने वाले पहले भारतीय बन गए।

पहली ही गेंद पर लिया विकेट

वह पिछले 10 साल में आईपीएल में अपनी पहली ही गेंद पर विकेट लेने वाले पहले भारतीय गेंदबाज भी बन गए। उन्होंने अपनी पहली गेंद पर केकेआर के कप्तान अजिंक्य रहाणे को तिलक वर्मा के हाथों कैच कराया। गेंदबाजी कोच पारस महाम्ब्रे अश्वनी के धैर्य से काफी प्रभावित हुए।

घबराहट के कारण दोपहर का खाना नहीं खाया

अश्वनी ने मैच के पहले घबराहट के कारण दोपहर का खाना नहीं खाया था और सिर्फ केला खाकर मैदान पर उतरे थे। उन्होंने खुद को सहज कराने का श्रेय अपने कप्तान को दिया। अश्वनी ने 'आईपीएलटी20डॉट कॉम से कहा, ''यह बहुत अच्छा अहसास है। मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं इतना अच्छा प्रदर्शन करूंगा। हार्दिक भाई ने मुझसे कहा, 'तुम पंजाब से हो और पंजाबी निडर होते हैं, इसलिए प्रतिद्वंद्वी खिलाड़ियों को डराओ और इसका मजा लो।''

मेरा पसंदीदी विकेट रसेल का रहा

अश्वनी ने कहा,'' मनीष पांडे ने मेरे खिलाफ चौका जड़ा था। हार्दिक ने मुझे बल्लेबाज की शरीर के पास गेंदबाजी करने की सलाह दी थी। मेरा पसंदीदा विकेट आंद्रे रसेल का था क्योंकि वह बहुत बड़े खिलाड़ी है। हार्दिक भाई ने मुझे बेखौफ होकर खेलने की सलाह दी थी इसलिए मैंने अपनी योजना के साथ गेंदबाजी जारी रखी।'' अश्वनी की सफलता से उनके परिवार और दोस्त भी बहुत खुश हैं।

मेरा पूरा गांव बहुत खुश है

अश्वनी ने कहा, ''मेरा पूरा गांव बहुत खुश है क्योंकि मुंबई सबसे अच्छी टीम है और इसमें कई बड़े खिलाड़ी हैं।'' अश्वनी आईपीएल में मुंबई इंडियंस द्वारा खोजी गई युवा भारतीय प्रतिभाओं की लंबी और शानदार सूची में शामिल हो गए हैं। इसमें जसप्रीत बुमराह, हार्दिक पंड्या, कुणाल पंड्या और तिलक वर्मा जैसे खिलाड़ी शामिल हैं।

जोधपुर में एम्स की नर्सिंग ऑफिसर ने लगाया फंदा, 3 साल पहले हुई थी शादी

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा जोधपुर

जोधपुर एम्स में नर्सिंग ऑफिसर ने फंदा लगाकर सुसाइड कर लिया। जानकारी के अनुसार सुसाइड करने से पहले नर्सिंग ऑफिसर अपने दोस्त से फोन पर बात कर रही थी। नर्सिंग ऑफिसर शादीशुदा था और जोधपुर संगरिया फांटा में किराए के घर में रहती थी। मामला 30 मार्च को दोपहर तीन बजे का है। बासनी साह्र नितिन दवे ने बताया- डिंपल चितारा (28) मूलरूप से गुजरात के मेघाणी नगर (अहमदाबाद) की रहने वाली थी। रविवार (30 मार्च) दोपहर को उसके दोस्त को सुसाइड की आशंका की जानकारी दी। उसने बताया कि डिंपल ने उससे बातचीत के दौरान उसे सुसाइड की धमकी दी है। दोस्तों ने डिंपल के परिवार को इसकी जानकारी दी। मौके पर पहुंचे परिवार ने जब मकान मालिक की मदद से कमरा खुलवाया तो डिंपल फंदे पर लटकी मिली। डिंपल पति से अलग रह रही थी। सुसाइड के कारणों का फिलहाल पता नहीं चल पाया है। मामले में जानकारी जुटाने की कोशिश कर रहे हैं। घटना के बाद अहमदाबाद से पहुंचे परिवार को 31 मार्च को शव सौंप दिया गया। परिवार के दूसरे सदस्यों से भी पूछताछ की जा रही है।

अवैध मादक पदार्थ की बिक्री में वांछित आरोपी गिरफ्तार, एनडीपीएस एक्ट में मामला दर्ज

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा सवाई माधोपुर

पुलिस द्वारा वांछित आरोपियों की गिरफ्तारी को लेकर चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत अवैध मादक पदार्थ बेचने के आरोप में फरार चल रहे आरोपी लालचंद मीणा को कोतवाली थाना पुलिस ने गिरफ्तार किया है। कोतवाली थानाधिकारी हरलाल मीणा ने बताया कि पुलिस अधीक्षक ममता गुप्ता के निर्देश पर वांछित आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए धरपकड़ अभियान चलाया जा रहा है। आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। थानाधिकारी हरलाल के अनुसार मामले में पहले ही मुख्य आरोपी उलियाणा निवासी झब्बू मीणा को गिरफ्तार किया जा चुका है। पुलिस के अनुसार आरोपी झब्बू मीणा लालचंद से मादक पदार्थ खरीदकर सवाई माधोपुर में बेचता था। झब्बू की गिरफ्तारी के बाद पुलिस पूछताछ में उसने लालचंद से माल खरीदने की बात कबूल की। जिसके आधार पर पुलिस ने लालचंद मीणा के खिलाफ कार्रवाई की और छानबीन कर उसे गिरफ्तार कर लिया। अब पुलिस उससे इस मामले में और भी पूछताछ कर रही है।

फिर जेल पहुंचा आसाराम, पैर में बंधा था प्लास्टर, पुलिस ने अंगूठी-चेन उतरवाई

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा जोधपुर

राजस्थान हाई कोर्ट से मेडिकल ग्राउंड पर मिली जमानत अवधि 31 मार्च को खत्म होने के बाद मंगलवार दोपहर आसाराम ने सरेंडर कर दिया. आसाराम सफेद रंग की टाटा हेक्सा कार से अपने समर्थकों संग जोधपुर सेंट्रल जेल पहुंचा था. उसके बाएं पैर में प्लास्टर बंधा हुआ था, जिस वजह से उसे चलने में परेशानी हो रही थी. 86 साल के आसाराम के जेल के अंदर प्रवेश करते ही पुलिसकर्मियों ने उसकी चेन और अंगूठी उतरवा ली. इसके बाद वो आसाराम को व्हीचेयर पर बैठाकर उसके बैरेक तक ले गए. इस दौरान की कुछ तस्वीरें और वीडियो भी सामने आई हैं, जिसमें आसाराम लंगड़ाकर चलता हुआ नजर आ रहा है. आसाराम की जमानत अवधि बढ़ाने वाली याचिका पर राजस्थान हाई कोर्ट में कल सुनवाई होगी. अगर फैसला आसाराम के पक्ष में आता है तो वो जेल से रिहा हो जाएगा. लेकिन अगर राजस्थान हाई कोर्ट जमानत बढ़ाने से इनकार कर देता है तो गुजरात हाई कोर्ट से 30 जून तक जमानत मिलने का भी कोई फायदा नहीं हो सकेगा. क्योंकि जोधपुर दुष्कर्म केस में भी वो दोषी है और कोर्ट ने आजीवन कारावास की सजा सुनाई हुई है. ऐसे में आसाराम को जेल में ही रहकर सुप्रीम कोर्ट में अर्जी लगवानी पड़ेगी. आसाराम ने जमानत अवधि बढ़वाने के लिए गुजरात हाई कोर्ट में कई तरह की मेडिकल रिपोर्ट पेश की है. उसने मौलिक अधिकारों का हवाला देते हुए तर्क दिया है कि वह 86 साल का है और दुनिया में बहुत कम लोग 75-80 वर्ष की आयु के बाद कोई इनवेसिव सर्जरी सहन कर पाते हैं. उसने बताया कि भारतीय संविधान के तहत दोषियों के भी अपने अधिकार होते हैं. यदि कोई व्यक्ति अपने स्वास्थ्य को बनाए रखने के लिए इलाज की आवश्यकता महसूस करता है, तो यह अधिकार अनुच्छेद 21 के तहत आता है.

पूर्व केंद्रीय मंत्री गिरिजा व्यास की हालत नाजुक, 90% झुलसी

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा उदयपुर

कांग्रेस की दिग्गज नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री गिरिजा व्यास की हालत नाजुक बनी हुई है। गणगौर पूजन के दौरान वह 90 प्रतिशत झुलस गईं। डॉक्टर ने कहा- ब्रेन हेमरेज भी हुआ। फिलहाल उन्हें अहमदाबाद के जाइडस अस्पताल के आईसीयू में रखा गया है। हॉस्पिटल के बर्न स्पेशलिस्ट डॉ. गिरीश अमलानी ने स्थिति गंभीर बताते हुए कहा कि व्यास 90% झुलसी है। गिरने से सिर में चोट लगने के कारण ब्रेन हेमरेज भी हुआ है। उन्हें वेंटिलेटर सपोर्ट पर रखा गया है और गंभीर स्थिति के कारण अभी सर्जरी भी संभव नहीं है। गिरिजा व्यास के भाई गोपाल शर्मा ने ब्रेन हेमरेज और वेंटिलेटर की बात से इनकार किया है। उन्होंने कहा- दीदी सिर्फ ह्रष्ट में भर्ती है। हमारे लिए वो मां-बाप सब कुछ है, बस उनके जल्द स्वस्थ होने की कामना कर रहे हैं। कांग्रेस नेताओं ने भी गिरिजा व्यास की सेहत को लेकर उनके परिवार से बात की है और जल्द स्वस्थ होने की कामना की है। गिरिजा व्यास के स्वास्थ्य के बारे में पूछने पर उनके भाई गोपाल शर्मा ने बताया- दीदी जल्द ठीक हो जाएं, हम तो यही कामना करते हैं। दीदी ही हमारी मां-बाप है। माता-पिता के निधन के बाद उन्होंने ही हमें संभाला है। शर्मा ने बताया कि दीदी के के जल चढ़ाने का नियमित क्रम है और इसके बाद ही मैं घर से बाहर जाता हूं।

कार-ट्रॉले की भिड़ंत, महिला सहित 3 की मौत, ओवर स्पीड के चलते हुआ हादसा

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा हनुमानगढ़

हनुमानगढ़ में मंगलवार सुबह भीषण सड़क हादसे में 3 लोगों की मौत हो गई। सुबह करीब 11 बजे कार और ट्रॉले की आमने-सामने की भिड़ंत के बाद 3 लोगों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया था। हादसे के बाद ट्राले का ड्राइवर फरार हो गया है। घटना पल्लू थाना क्षेत्र में दुधली गांव के पास की है। एएसआई परमिंदर सिंह के मुताबिक जोधपुर जिले फलोदी निवासी लक्ष्मीनारायण (45) और उसकी पत्नी राजूदेवी (40) हनुमानगढ़ जिले के रावतसर जा रहे थे। जानकारी के अनुसार दंपती ने अपने बेटे का रिश्ता हनुमानगढ़ के रावतसर कस्बे में किया हुआ था। दोनों अपने बेटे की शादी की तैयारियों को लेकर बातचीत करने ही रावतसर जा रहे थे। इसी दौरान दुधली गांव के पास हादसा हो गया। हादसे में पति-पत्नी और कार ड्राइवर गंगाराम (29) की मौके पर ही मौत हो गई। जालौर निवासी लक्ष्मीनारायण पटवा अपनी पत्नी के साथ बेटे के होने वाले ससुराल में मिलने के लिए किराए की गाड़ी से रावतसर आ

रहे थे. इसी दौरान उनकी कार का हादसा हो गया. दुर्घटना इतनी भीषण थी कि गाड़ी एक तरफ से पूरी तरह से पिचकी गई. दुर्घटना में दंपति के अलावा कार ड्राइवर की मौत हो गई. दुर्घटना में जालौर निवासी लक्ष्मी नारायण पटवा, उनकी पत्नी राजू देवी और कार चालक गंगाराम की मौत हो गई. दुर्घटना की सूचना पर पहुंची पल्लू पुलिस ने शवों को पल्लू अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया, और परिजनों को सूचना दी. दुर्घटनाग्रस्त दोनों वाहनों को सड़क से हटाकर यातायात सुचारू करवाया गया. ट्रॉला और कार की भिड़ंत में महिला सहित तीन मौत के मामले में पल्लू पुलिस मृतकों की पहचान के प्रयास में जुटी थी. इसी दौरान दुर्घटनाग्रस्त कार में एक बैंक की पास बुक मिली. जिस पर लिखे नंबर पर जब कॉल किया गया तो परिजनों ने मृतकों की पहचान कर मृतकों के नाम पते पुलिस को लिखवाए. जालौर से पल्लू आने में परिजनों को 7 से 8 घंटे का समय कम से कम लगेगा. परिजनों के आने के बाद ही पुलिस आगे की कार्रवाई करेगी.

भाई ने भाई की ही गाड़ी किराए पर ली

पल्लू पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार मृतक कार ड्राइवर गंगाराम अपने भाई की ही गाड़ी किराए पर लेकर आया था। भाई की गाड़ी लेकर वह दुधली के पास पहुंचा तो सामने से आ रहे ट्रोला में टक्कर हो गई। एएसआई परमिंदर सिंह के अनुसार हादसा ओवर स्पीड और ओवरटेक करने की जल्दबाजी के कारण हुआ। डेड बॉडी को पल्लू अस्पताल की मॉर्च्युरी में रखवाया गया है। पल्लू पुलिस फिलहाल हादसे की जांच में जुटी हुई है।

हादसे के बाद ट्रॉला ड्राइवर फरार

पल्लू थाना के एएसआई परमिंदर का कहना है कि ट्रॉला और कार की दुर्घटना की सूचना पर मौके पर पहुंचा तो दुर्घटनाग्रस्त कार में एक महिला सहित दो लोगों के शव पड़े थे. शवों को पल्लू अस्पताल की मोर्चरी में भिजवाया. दोनों दुर्घटनाग्रस्त कार और ट्रक को सड़क से हटवा कर यातायात सुचारू करवाया गया. मृतकों के परिजनों को दुर्घटना की सूचना दे दी गई है, जिनके आने के बाद रिपोर्ट के आधार पर आगे कार्रवाई करेंगे.

अजमेर शरीफ दरगाह की सुरक्षा में बड़ी चूक, तीन तलवार लेकर अंदर घुस गया अर्धनग्न व्यक्ति

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा अजमेर

राजस्थान की प्रसिद्ध अजमेर शरीफ दरगाह में मंगलवार सुबह एक अर्धनग्न शख्स तीन तलवारों के साथ अंदर प्रवेश कर गया, जिससे मुस्लिम श्रद्धालुओं में हड़कंप मच गया. दरगाह में मौजूद स्थानीय लोगों ने जब यह देखा तो स्थिति की गंभीरता को समझते हुए तुरंत कार्रवाई की. एक स्थानीय व्यक्ति ने साहस दिखाया और संदिग्ध युवक से तलवार छीन ली. इस दौरान युवक के हाथ में कट लग गया, और खून बहने लगा. लेकिन उसने हिम्मत नहीं हारी और अर्धनग्न व्यक्ति को पकड़कर अन्य श्रद्धालुओं की मदद से स्थानीय पुलिस के हवाले कर दिया. पुलिस ने तुरंत आरोपी को हिरासत में लेकर उससे पूछताछ शुरू कर दी. फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि वह व्यक्ति कौन था और उसके इरादे क्या थे. मगर, पुलिस इस घटना की गंभीरता से जांच कर रही है और यह भी देखा जा रहा है कि सुरक्षा में चूक कैसे हुई? इस घटना के बाद प्रशासन सतर्क हो गया है और दरगाह की सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत करने के निर्देश दिए गए हैं. श्रद्धालुओं में डर का माहौल जरूर बना हुआ है, लेकिन स्थानीय लोगों की सतर्कता और बहादुरी से एक संभावित बड़ी

घटना टल गई. उल्लेखनीय है कि दरगाह के सभी 10 प्रवेश द्वारों पर सुरक्षाकर्मी तैनात रहते हैं. अजमेर शरीफ का मुख्य द्वार निजाम गेट कहलाता है, वहां पर इृष्ट के करीब 10 जवान तैनात रहते हैं. इसके अलावा मेटल डिटेक्टर और बैग स्कैनर भी लगे हुए हैं. फिर भी इस व्यक्ति का अंदर तक पहुंच जाना सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करता है. अजमेर शरीफ दरगाह का निर्माण उस समय हुआ जब मुस्लिम शासक इल्तुतमिश ने इस क्षेत्र पर शासन किया था, जिसे बाद में मुगल सम्राट हुमायूं के शासनकाल में पूरा किया गया. दरगाह का यह स्थल, धार्मिक और सांस्कृतिक दृष्टि से अत्यधिक महत्वपूर्ण बन गया, और आज यह हिन्दू और मुस्लिम दोनों समुदायों के लिए श्रद्धा का केंद्र है.

राणा सांगा पर सपा सांसद की टिप्पणी का विरोध, करणी सेना ने किया प्रदर्शन

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा करौली

करौली में श्री राजपूत करणी सेना ने समाजवादी पार्टी के सांसद द्वारा राणा सांगा पर की गई टिप्पणी का विरोध किया। करणी सेना ने राजपूत छात्रावास में बैठक की। इसके बाद रैली निकाली और पुरानी कलेक्ट्रेट चौराहे पर सपा सांसद का पुतला फूंका। करणी सेना के पदाधिकारी और कार्यकर्ता कलेक्ट्रेट पहुंचे। उन्होंने राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा। आरोपी सांसद के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की मांग की। साथ ही देशद्रोह का मामला दर्ज करने और सदस्यता खत्म करने की मांग भी की। श्री राजपूत करणी सेना के जिला अध्यक्ष धर्मेन्द्र सिंह जादौन ने सांसद की टिप्पणी को अशोभनीय बताया। उन्होंने कहा कि संवैधानिक पदों पर बैठे लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई का प्रावधान होना चाहिए। राजपूत समाज के जितेंद्र सिंह और आरएसएस जिला संचालक देवी सिंह ने चिंता जताई। उन्होंने कहा कि राजनीति से प्रेरित होकर महापुरुषों पर टिप्पणी करना गलत है। इससे समाज में दुश्मनी बढ़ती है और सामाजिक ताना-बाना बिगड़ता है। उन्होंने राष्ट्रपति से ऐसी घटनाओं पर रोक लगाने के लिए कड़े कानून बनाने की मांग की।

बारां में पानी की किल्लत से परेशान महिलाओं का विरोध

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा बारां

बारां शहर की कई कॉलोनियों में पिछले एक महीने से पेयजल संकट गहरा गया है। वार्ड नंबर 20, 21 और 22 की लंका कॉलोनी, चरी घाट कॉलोनी और हनुमान मंदिर के आसपास के क्षेत्र में पानी की गंभीर समस्या है। महिलाएं वार्ड पार्षद अर्जुन यशवंत, हरीश मेघवाल और समीर के साथ मंगलवार को पुरानी सिविल लाइन स्थित जलदाय विभाग पहुंचीं। उन्होंने ऑफिस पर ताला लगाकर प्रदर्शन शुरू कर दिया। महिलाओं ने पानी की मांग को लेकर जोरदार नारेबाजी की। प्रदर्शनकारी महिलाओं का कहना है कि उनके घरों में या तो पानी आ ही नहीं रहा है या बहुत कम मात्रा में आ रहा है। उन्होंने पहले भी दो बार अधिकारियों को लिखित शिकायत दी थी, लेकिन कोई समाधान नहीं हुआ। कोतवाली थाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित करने का प्रयास किया। जलदाय विभाग के सहायक अभियंता (एईएन) ने प्रदर्शनकारियों से बातचीत की। उन्होंने 15 दिन के भीतर पानी की समस्या का समाधान करने का आश्वासन दिया। एईएन के आश्वासन के बाद महिलाओं ने अपना धरना समाप्त कर दिया

खान विभाग ने 9202.50 करोड़ रुपये का राजस्व संग्रहण कर बनाया नया कीर्तिमान

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा जयपुर

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान के खान विभाग ने वित्तीय वर्ष 2024-25 में 9202.50 करोड़ रुपये का ऐतिहासिक राजस्व संग्रहण किया है। प्रमुख शासन सचिव खान एवं भूविज्ञान टी. रविकान्त ने जानकारी दी कि विभाग ने 23.35% की विकास दर दर्ज करते हुए पिछले वित्तीय वर्ष की तुलना में 1742.02 करोड़ रुपये अधिक राजस्व अर्जित किया है। यह खान विभाग के इतिहास में किसी एक वित्तीय वर्ष का सर्वाधिक संग्रहण है। टी. रविकान्त ने बताया कि खनन क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति दर्ज करते हुए इस वित्तीय वर्ष में अधिकतम खनिज ब्लॉकों व प्लॉटों की नीलामी, नई खनिज नीति और एम-सेंड नीति को लागू किया गया। इसके साथ ही "राइजिंग राजस्थान" के तहत खनिज क्षेत्र में निवेश को प्रोत्साहित किया गया। विभागीय व्यवस्थाओं को पारदर्शी और सरल बनाकर राजस्व बढ़ोतरी सुनिश्चित की गई है।

गत वित्तीय वर्ष 2023-24 में खान विभाग द्वारा 7460.48 करोड़ रुपये का राजस्व संग्रहित किया गया था। इस वर्ष की उपलब्धि में नियमित मॉनिटरिंग, राजस्व छीजत रोकने के प्रभावी कदम और समन्वित प्रयासों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

विभागीय प्रदर्शन में जयपुर वृत अव्वल

निदेशक माइंस दीपक तंवर के अनुसार, लक्ष्यों के विरुद्ध राजस्व संग्रहण में एसएमई जयपुर वृत पहले स्थान पर रहा, जबकि राजस्व राशि के हिसाब से भीलवाड़ा वृत शीर्ष पर रहा। भीलवाड़ा वृत में 2257.74 करोड़ रुपये, जयपुर वृत में 1140.69 करोड़ रुपये और राजसमंद वृत में 1368.59 करोड़ रुपये का राजस्व संग्रहण हुआ।

जयपुर वृत में उल्लेखनीय वृद्धि

एसएमई जयपुर एन.एस. शक्तावत ने बताया कि जयपुर वृत के तहत विभिन्न क्षेत्रों में राजस्व संग्रहण में उल्लेखनीय बढ़ोतरी हुई। एमई जयपुर श्याम कापड़ी ने 180.09 करोड़ रुपये का संग्रहण कर प्रथम स्थान प्राप्त किया। झुंझुनू, अलवर, सीकर, टोंक, कोटपूतली, नीम का थाना और दौसा जैसे क्षेत्रों में भी राजस्व वसूली में वृद्धि दर्ज की गई।

खनन क्षेत्र में राजस्थान लगातार नई ऊंचाइयों की ओर बढ़ते हुए राज्य की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के मार्गदर्शन में विभाग आगामी वर्षों में भी नई उपलब्धियां हासिल करने के लिए प्रयासरत है।

गैस कटर से शटर काटकर चोरी करने वाले गिरफ्तार

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा भीलवाड़ा

भीलवाड़ा के करेड़ा थाना क्षेत्र में ज्वेलर्स की शॉप में हुई लूट और नकबजनी की वारदात का पुलिस ने खुलासा करते हुए इसके मुख्य सरगना सहित 6 लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने वारदात में प्रयुक्त मारुति कार, गैस कटर और एक गैस सिलेंडर भी बरामद किया है। करेड़ा थाना प्रभारी पूरणमल मीणा ने बताया-करेड़ा में रहने वाले गौतम रांका ने एक रिपोर्ट दी थी जिसमें उसने बताया कि उसकी शनि मंदिर के पास आनंद ज्वेलर्स नाम से सोने चांदी की दुकान है। 29 मार्च को रात करीब 2.20 बजे चोर गैस कटर से दुकान का शटर काटकर दुकान में घुसे। सोने चांदी के जेवरात जिसमें करीब ढाई सौ ग्राम सोना, 35 से 40 किलो चांदी और 65 से 70 हजार कैश चुरा ले गए थे। इस रिपोर्ट पर पुलिस ने मामला

दर्ज किया और किया और एक टीम का गठन किया । इस टीम ने परंपरागत पुलिसिंग वैज्ञानिक टेक्नीक और मुखबिर की सूचना के बाद लगातार डेटा कलेक्शन किया, अपराधियों पर मॉनिटरिंग की ।उनके मोबाइल नंबर और सीडीआर डेटा कलेक्ट कर उसका एनालिसिस किया गया। इस वारदात की तरह ही पूर्व में लूट-हत्या और चोरी के मामलों में शामिल डाउटफुल क्रिमिनल की पहचान की गई। इसके बाद एक बदमाश संजय आचार्य को डिटेन किया और पूछताछ की तो उसने ज्वेलर्स की दुकान के शटर को गैस कटर से काटकर चोरी की वारदात करना कबूल किया।इस घटना में संजय के साथ दीपक, महेश, कुंदन, लोकेंद्र और शुभम भी शामिल थे। पुलिस ने इन सभी को डिटेन किया । पुलिस ने वारदात में काम में ली गई मारुति कार,गैस कटर और सिलेंडर बरामद किया है।पुलिस आरोपियों से डिटेल पूछताछ कर दुकान से चोरी हुए सोने-चांदी के जेवरात और कैश बरामद करने के प्रयास में लगी है। चोरी और लूट की वारदात अंजाम देने वाली टीम को पकड़ने में करेड़ा थाना प्रभारी पूरणमल मीणा, एएसआई रेवंत सिंह,साइबर सेल एएसआई आशीष मिश्रा, डीएसटी हेड कॉन्स्टेबल करण सिंह, हेड कॉन्स्टेबल अर्जुन,सिंह , डीएसटी कॉन्स्टेबल चंद्रपाल, दुलीचंद, राकेश, प्रदीप , दिलीप सिंह , भूपेंद्र , कृष्ण कुमार , संजय पोखा पुरी , मोहन ,पारसमल ,विक्रम ,नरेंद्र सिंह और भारत सिंह शामिल रहे । पुलिस ने चोरी की वारदात को अंजाम देने में मुख्य सरगना संजय पुत्र सांवरमल आचार्य निवासी करेड़ा, दीपक पिता गौरीशंकर आचार्य निवासी करेड़ा, महेश पिता प्यार चंद बिश्नोई निवासी पुर, कुंदन सिंह पिता उमराव सिंह निवासी पुरवातों का अकोला, लोकेंद्र सिंह पिता गणपत सिंह निवासी करेड़ा, शुभम पुत्र अशोक बिश्नोई निवासी पुर को गिरफ्तार किया है।

आयुर्वेदाचार्य और ज्योतिषाचार्य च्यवन ऋषि

च्यवन ऋषि ने ही जड़ी-बुटियों से 'च्यवनप्राश' नामक एक औषधि बनाकर उसका सेवन करके वृद्धावस्था से पुनः युवा बन गए थे। महाभारत के अनुसार, उनमें इतनी शक्ति थी कि वे इन्द्र के वज्र को भी पीछे धकेल सकते थे। च्यवन ऋषि महान भृगु ऋषि के पुत्र थे। इनकी माता का नाम पुलोमा था। इनकी ख्याती आयुर्वेदाचार्य और ज्योतिषाचार्य के रूप में है। ग्रंथ का नाम च्यवनस्मृति और जीवदान तंत्र है। यहां प्रस्तुत है उनके बारे में संक्षिप्त जानकारी।

महर्षि भृगु के भी दो विवाह हुए। इनकी पहली पत्नी दैत्यराज हिरण्यकश्यप की पुत्री दिव्या थी। दूसरी पत्नी दानवराज पुलोम की पुत्री पौलमी थी। पहली पत्नी दैत्यराज हिरण्यकश्यप की पुत्री दिव्या देवी से भृगु मुनि के दो पुत्र हुए जिनके नाम शुक्र और त्वष्टा रखे गए। आचार्य बनने के बाद शुक्र को शुक्राचार्य के नाम से और त्वष्टा को शिल्पकार बनने के बाद विश्वकर्मा के नाम से जाना गया। इन्हीं भृगु मुनि के पुत्रों को उनके मातृवंश अर्थात दैत्यकुल में शुक्र को काव्य एवं त्वष्टा को मय के नाम से जाना गया है। ऋग्वेद की अनुक्रमणिका से ज्ञात होता है कि असुरों के पुरोहित भृगु के पौत्र और कवि ऋषि के सुपुत्र थे। महर्षि भृगु के प्रपौत्र, वैदिक ऋषि ऋचीक के पौत्र, जमदग्नि के पुत्र परशुराम थे। भृगु ने उस समय अपनी पुत्री रेणुका का विवाह विष्णु पद पर आसीन विवस्वान (सूर्य) से किया।

दूसरी पत्नी पौलमी

पौलमी असुरों के पुलोम वंश की कन्या थी। पुलोम की कन्या की सगाई पहले अपने ही वंश के एक पुरुष से, जिसका नाम महाभारत शांतिपर्व अध्याय 13 के अनुसार दंस था, से हुई थी। परंतु उसके पिता ने यह संबंध छोड़कर उसका विवाह महर्षि भृगु से कर दिया। जब महर्षि च्यवन उसके गर्भ में थे, तब भृगु की अनुपस्थिति में एक दिन अवसर पाकर दंस (पुलोमासर) पौलमी का हरण करके ले गया। शोक और दुख के कारण पौलमी का गर्भपात हो गया और शिशु पृथ्वी पर गिर पड़ा, इस कारण यह च्यवन (गिरा हुआ) कहलाया। इस घटना से दंस पौलमी को छोड़कर चला गया, तत्पश्चात पौलमी दुख से रोती हुई शिशु (च्यवन) को गोद में उठाकर पुनः आश्रम को लौटी। पौलमी के गर्भ से 5 और पुत्र बताए गए हैं।

च्यवन ऋषि

च्यवन का विवाह मुनिवर ने गुजरात के भड़ौंच (खम्भात की खाड़ी) के राजा शर्याति की पुत्री सुकन्या से किया। भार्गव च्यवन और सुकन्या के विवाह के साथ ही भार्गवों का हिमालय के दक्षिण में पदार्पण हुआ। च्यवन ऋषि खम्भात की खाड़ी के राजा बने और इस क्षेत्र को भृगुकच्छ-भृगु क्षेत्र के नाम से जाना जाने लगा। सुकन्या से च्यवन को अप्नुवान नाम का पुत्र मिला। दधीच इन्हीं के भाई थे। इनका दूसरा नाम आत्मवान भी था। इनकी पत्नी नाहुषी से और्व का जन्म हुआ। और्व कुल का वर्णन ब्राह्मण ग्रंथों में ऋग्वेद में 8-10-2-4 पर, तैत्तरेय संहिता 7-1-8-1, पंच ब्राह्मण 21-10-6, विष्णुधर्म 1-32 तथा महाभारत अनु.56 आदि में प्राप्त है।

19 फरवरी को कुंभ राशि में अस्त होंगे बृहस्पति

19 फरवरी 2022 शनिवार को कुंभ राशि में अस्त हो जाएंगे। गुरु के अस्त होने का अर्थ है कि यह सूर्य के नजदीक आकर धरती से नहीं दिखाई देगा। जिस तरह चंद्रमा या सूर्य अस्त हो जाता है उसी तरह यह अस्त होकर कमजोर प्रभाव वाला हो जाता है। ऐसे में धरती पर मांगलिक कार्य बंद हो जाते हैं। आओ जानते हैं कि बृहस्पति के अस्त होने पर किन दो राशियों की बदल जाएगी किस्मत।

एक राशि में 13 माह रहने वाले बृहस्पति की उच्च राशि के अलावा 2, 5, 9, 12वें भाव में हो या गोचर करे तो शुभ फल देता। गुरु कर्क में उच्च, मकर में नीच का होता है अर्थात चौथी राशि में उच्च और दसवीं राशि में नीच का होता है इस परह चौथे भाव में उच्च और दसवें भाव में नीच का होता है।

इन 2 राशियों की बदल जाएगी किस्मत

मेष और सिंह। इन दोनों राशियों के लिए गुरु का गोचर किस्मत पलटने वाला और जिंदगी बदलने वाला सिद्ध होगा।

6 राशियों के लिए रहेगा शुभ

गुरु का अस्त होना वृषभ, मिथुन, तुला, धनु, मकर और कुंभ राशि के लिए बहुत लाभदायी साबित होगा। भविष्य में बड़ा फायदा हो सकता है। नौकरी और कारोबार में तरक्की के बड़े योग बनेंगे। मां लक्?मी जमकर मेहरबान होंगी और खूब सुख-समृद्धि देंगी.

इन 4 राशियों को रहना होगा सतर्क

गुरु के अस्त होने पर कर्क, कन्या, वृश्चिक और मीन राशि वालों को सावधान रहना होगा, क्योंकि कोई नुकसान हो सकता है या जीवन में कुछ नकारात्मक घट सकता है। जैसे किसी से विवाद, घटना, दुर्घटना, धन हानि, नौकरी में समस्या, व्यापार में घाटा आदि।

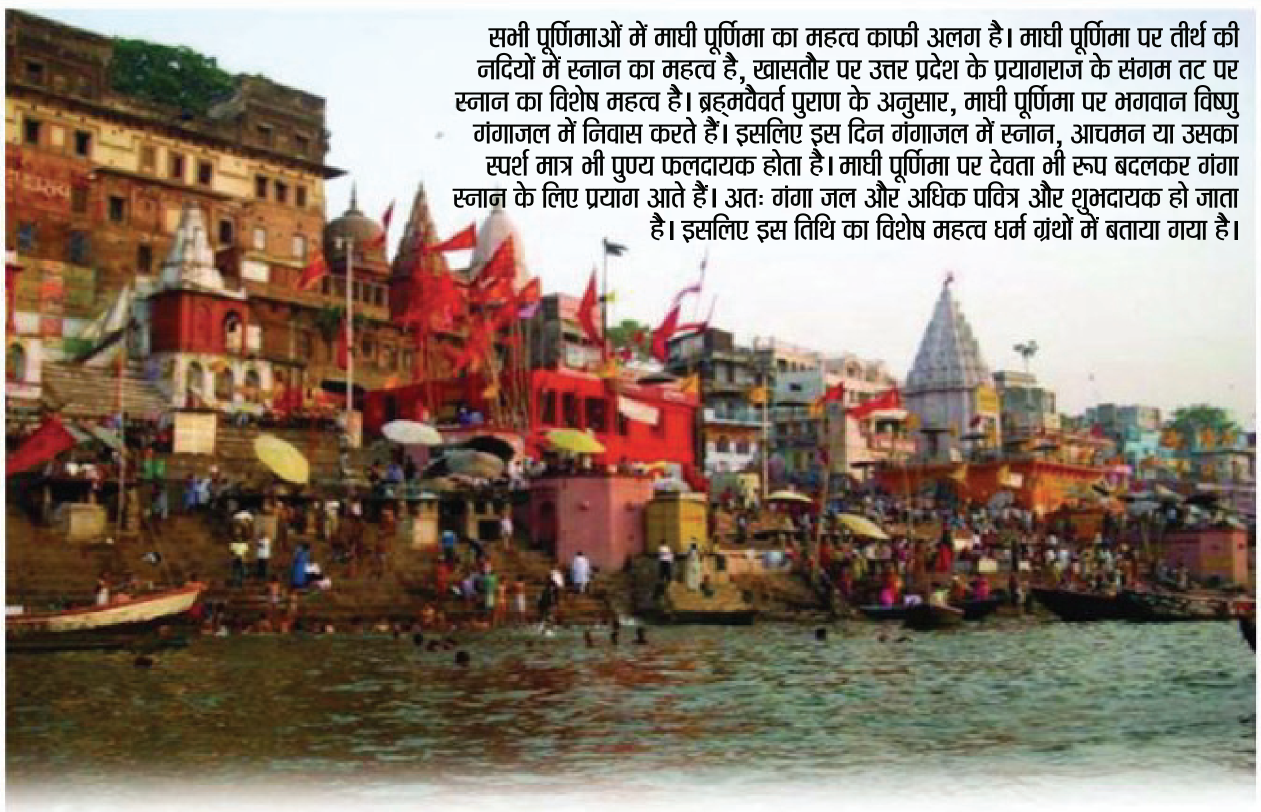

माघ मास का आखिरी दिन है माघी पूर्णिमा

माघ पूर्णिमा माघ मास का आखिरी दिन है। इसके अगले दिन से फाल्गुन मास शुरू हो जाएगा।

- सभी पूर्णिमाओं में माघी पूर्णिमा का महत्व काफी अलग है। माघी पूर्णिमा पर तीर्थ की नदियों में स्नान का महत्व है, खासतौर पर उत्तर प्रदेश के प्रयागराज के संगम तट पर स्नान का विशेष महत्व है।
- यहां माघ में कल्पवास की परंपरा है। एक महीने तक हजारों लोग संगम किनारे रहकर व्रत और रोज संगम में स्नान करते हैं।
- ग्रंथों में उल्लेख है माघी पूर्णिमा पर संयम से रहना, सुबह स्नान करना एवं व्रत, दान करना आदि नियम बनाए गए हैं।
- माघ मास की पूर्णिमा पर चंद्रमा मघा नक्षत्र में होता है तथा सिंह राशि में स्थित होता है इसलिए यह मास माघ कहलाता है।
- ब्रह्मवैवर्त पुराण के अनुसार, माघी पूर्णिमा पर भगवान विष्णु गंगाजल में निवास करते हैं। इसलिए इस दिन गंगाजल में स्नान, आचमन या उसका स्पर्श मात्र भी पुण्य फलदायक होता है।
- माघी पूर्णिमा पर देवता भी रूप बदलकर गंगा स्नान के लिए प्रयाग आते हैं। अतः गंगा जल और अधिक पवित्र और शुभदायक हो जाता है। इसलिए इस तिथि का विशेष महत्व धर्म ग्रंथों में बताया गया है।
- जो व्यक्ति इस दिन प्रयाग में गंगा स्नान करता है, उसकी सभी मनोकामनाएं पूरी हो जाती हैं और मोक्ष की प्राप्ति होती है।
- जो श्रद्धालु तीर्थराज प्रयाग में एक मास तक कल्पवास करते हैं। माघी पूर्णिमा पर उनके व्रत का समापन होता है।
- सभी कल्पवासी माघी पूर्णिमा पर माता गंगा की आरती पूजन करके साधु संन्यासियों और ब्राह्मणों को भोजन कराते हैं। बची हुई सामग्री का दान कर देवी गंगा से फिर बुलाने का निवेदन कर अपने घर जाते हैं।
- माघ पूर्णिमा पर ब्रह्म मुहूर्त में नदी स्नान करने से रोग दूर होते हैं। इस दिन तिल और कंबल का दान करने से नरक लोक से मुक्ति मिलती है।

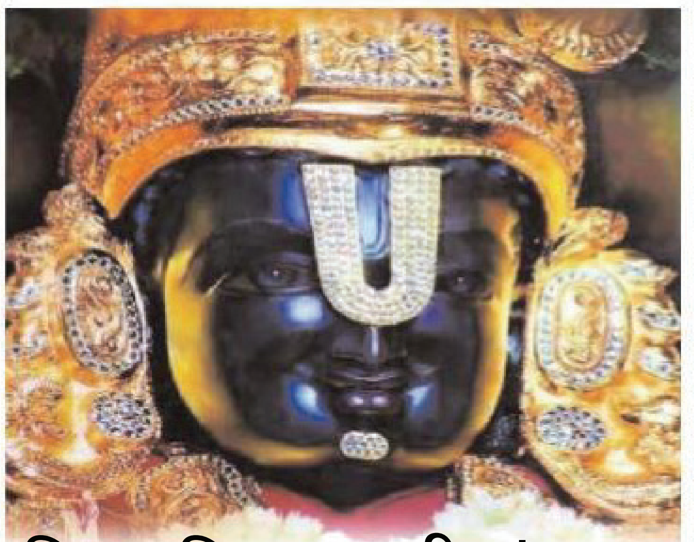

तिरुपति बालाजी मंत्र के जाप से जीवन में होते हैं अद्भुत चमत्कार

तिरुपति बालाजी का दिव्य-भव्य मंदिर आज भी दक्षिण भारतीय वास्तुकला और शिल्प का सर्वोत्तम उदाहरण है। भगवान तिरुपति बालाजी भगवान विष्णु का ही दूसरा रूप है। तिरुपति बालाजी मंत्र से भगवान बालाजी को प्रसन्न किया जाता है,उनके प्रति सम्मान और श्रद्धा प्रकट की जाती है। तिरुपति बालाजी मंत्र अत्यंत प्रभावशाली है.यह मंत्र एक शुद्ध ध्वनि कंपन है जो मन को मोह माया और भ्रम से बचाता है। इस जप मंत्र को निरंतर दोहराने की प्रक्रिया करने से यह जप मंत्र प्राण में ऊर्जा भर देता है। जब इस मंत्र का उच्चारण किया जाता है तो मन शांत होकर ध्यान मुद्रा में चला जाता है। उच्चारण के बिना मंत्रों की शक्ति कम हो जाती है और कामना पूर्ति या लक्ष्य प्राप्ति में उनका प्रभाव नहीं होता है। इस मंत्र को पढ़ने से खुशी मिलती है। ये मन की भावनाओं को पवित्र कर शरीर में ऊर्जा का प्रवाह करता है। यह मंत्र भय की भावनाओं को कम करता है। रचनात्मक प्रक्रिया को बढ़ाता है। शारीरिक दर्द और अवसाद को मन से दूर भगाता है। मन को शांत कर अच्छी नींद लाने में मदद करता है। इस मंत्र को हर रोज सुनने से आध्यात्मिक समृद्धि का अनुभव होता है।

भगवान तिरुपति बालाजी मंत्र

ऊँ श्री वेंकटेश्वराये नमो नमः. श्रीमन नारायण नमो नमः.
तिरुमल तिरुपति नमो नमः.
जय बालाजी नमो नमः
ऊँ श्री वेंकटेश्वराये नमो नमः.
श्रीमन नारायण नमो नमः.
तिरुमल तिरुपति नमो नमः.
जय बालाजी नमो नमः.

पूर्णिमा का वैज्ञानिक महत्व

पूर्णिमा को वैज्ञानिक रूप से भी अधिक महत्व दिया जाता है क्योंकि पूर्णिमा के दिन चंद्रमा पानी को अपनी और खींचता है। मनुष्य के अंदर भी 70 प्रतिशत पानी की ही मात्रा होती है। अतः पूर्णिमा के दिन मनुष्य का स्वभाव कुछ हद तक परिवर्तित हो जाता है।

धार्मिक महत्व

पुराणों के अनुसार माघ पूर्णिमा के दिन देवी-देवताओं ने मानव रूप धारण कर गंगा में स्नान किया था। इस दिन घर में सत्यनारायण जी की कथा करना शुभ माना जाता है। पूर्णिमा के दिन चंद्रमा पूर्ण दिखाई देता है। इस दिन किसी भी पवित्र नदी में स्नान करने से सभी प्रकार के पाप कट जाते हैं।

- यदि कोई व्यक्ति किसी पवित्र नदी के पास नहीं जा सकता तो वह अपने नहाने के पानी में गंगाजल डालकर नहा सकता है। इससे भी स्नान का पूर्ण फल प्राप्त होगा। इस दिन पितरों का तर्पण करने से उन्हें मोक्ष की प्राप्ति होती है।
- पूर्णिमा के दिन भगवान शिव और भगवान विष्णु की पूजा की जाती है। इस दिन आप चाहें तो सत्यनारायण की कथा भी कर सकते हैं।
- इस दिन स्नान करने के बाद पितरों का तर्पण अवश्य करें और पूरे दिन का उपवास रखें।
- इस दिन सूर्योदय से उपवास रख चंद्र दर्शन के बाद समाप्त किया जाता है।
- पूर्णिमा के दिन दान का भी विशेष महत्व है। इसलिए अपने सामर्थ्य के अनुसार किसी निर्धन व्यक्ति या ब्राह्मण को दान अवश्य दें।
- माघ मास की पूर्णिमा को माघ पूर्णिमा कहते हैं। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार 27 नक्षत्रों में एक मघा से माघ पूर्णिमा की उत्पत्ति हुई है। पौराणिक कथाओं के मुताबिक माघ पूर्णिमा पर खुद भगवान विष्णु गंगाजल में वास करते हैं। इसलिए इस दिन गंगा स्नान का खास महत्व है। इस बार माघ पूर्णिमा 16 फरवरी को है। प्रयागराज में एक महीने तक चलने वाला कल्पवास का समापन भी माघ पूर्णिमा के दिन ही होता है।
- माघ पूर्णिमा पर सुबह स्नान के बाद भगवान विष्णु की पूजा करें। विष्णु की पूजा के बाद पितरों के निमित्त तर्पण करें। इसके बाद जरूरतमंदों को भोजन, कपड़े, कंबल, तिल, गुड़, घी, फल और अन्न आदि दान करें। इस दिन सोने और चांदी का भी दान शुभ माना गया है। इसके अलावा इस दिन गौ (गाय) दान करने से विशेष लाभ मिलता है। माघ पूर्णिमा पर व्रत रखना शुभ फलदायक माना गया है। अगर संभव ना हो तो संध्या फलाहार किया जा सकता है। व्रत के दौरान किसी पर गुस्सा करना शुभ नहीं माना गया है। इसके अलावा घरेलू कलह से भी बचना चाहिए। इस तरह माघ पूर्णिमा के व्रत को संयम से रखा जाए तो पुण्य फल प्राप्त होता है।

माघ पूर्णिमा के सरल उपाय

- सफेद फूल जैसे सफेद गुलाब, चंपा, चमेली, चांदनी कुमुदनी, सफेद मोती, सफेद फल, सफेद चमकीले वस्त्र, सफेद अनाज जैसे चावल, सफेद मिठाई जैसे खीर आदि चंद्रमा और श्रीकृष्ण को अर्पित करें।
- महालक्ष्मी को पीली और लाल सामग्री चढ़ाएं।
- मोर पंख को बांसुरी में बांधकर पूजन करें।
- घी का अखंड दीपक जलाएं। उसमें 4 लौंग रखें।
- घर की पानी रखने की जगह पर स्वास्तिक बनाएं।
- पूर्णिमा की रात में की गई पूजन और आराधना से साल भर के लिए लक्ष्मी और कुबेर की कृपा प्राप्ति होती है। इसके अलावा मनोबल में वृद्धि, स्मरण शक्ति व खूबसूरती में वृद्धि होती है।
- 16 फरवरी 2022 को माघ मास की पूर्णिमा है। पूर्णिमा के दिन स्नान और दान करने से पुण्य फलों की प्राप्ति होती है। यदि किसी की जन्मकुंडली में यदि चंद्रमा कमजोर है तो वह इस दिन उपाय करके चंद्रमा को मजबूत कर सकता है।

हरिद्वार का सबसे प्राचीन स्थल कनखल

उत्तराखंड प्रदेश में हरिद्वार अर्थात हरि का द्वार है। हरि याने भगवान विष्णु। हरिद्वार नगरी को भगवान श्रीहरि बद्रीनाथ का द्वार माना जाता है, जो गंगा के तट पर स्थित है। इसे गंगा द्वार और पुराणों में इसे मायापुरी क्षेत्र कहा जाता है। यह भारतवर्ष के सात पवित्र स्थानों में से एक है। हरिद्वार में हर की पौड़ी को ब्रह्मकुंड कहा जाता है। इसी विश्वप्रसिद्ध घाट पर कुंभ का मेला लगता है और यहीं पर विश्व प्रसिद्ध गंगा आरती होती है। आओ जानते हैं यहां के सबसे प्राचीन स्थान कनखल के बार में संक्षिप्त जानकारी।

- कनखल हरिद्वार का सबसे प्राचीन स्थान है। इसका उल्लेख पुराणों में मिलता है। यह स्थान हरिद्वार से लगभग 35 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। वर्तमान में कनखल हरिद्वार की उपनगरी के रूप में जाना जाता है।
- कनखल का इतिहास महाभारत और भगवान शिव से जुड़ा हुआ है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार कनखल ही वो जगह है जहां राजा दक्ष ने प्रसिद्ध यज्ञ किया था और सती ने अपने पिता द्वारा भगवान शिव का अपमान करने पर उस यज्ञ में खुद को दाह कर लिया था।
- माता सती के अग्निदाह के बाद शिव के गण वीरभद्र ने राजा दक्ष की वध कर दिया था बाद में शिवजी ने उनके धड़ को वश्व के सिर से जोड़ दिया था। इसी घटना की याद में यहां पर दक्षेश्वर मदिर बना हुआ है।
- आज कनखल हरिद्वार के सबसे ज्यादा घनी आबादी वाला क्षेत्र है। आज भी कनखल में बहुत सारे प्राचीन मंदिर बने हुए है। खरीदारी के हिसाब से हरिद्वार में कनखल का बाजार एक उपयुक्त स्थान माना जा सकता है।
- कनखनल हरिद्वार की प्राचीन धरोहर है। यह राजा दक्ष की के राज्य की राजधानी थी। यहीं पर विश्व प्रसिद्ध गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय भी है।
- हरिद्वार को पंचपुरी भी कहा जाता है। पंचपुरी में मायादेवी मंदिर के आसपास के 5 छोटे नगर सम्मिलित हैं। कनखल उनमें से ही एक है।
- कनखलन में रुईया धर्मशाला, सती कुंड, हरिहर आश्रम, श्रीयंत्र मंदिर, दक्ष महादेव मंदिर, गंगा घाट और उनका मंदिर, शीतला माता मंदिर, दश महाविद्या मंदिर, ब्रम्हेश्वर महादेव मंदिर, हवेली सदृश अखाड़े और कनखल की संस्कृत पाठशालाएं.

दूधाधारी बर्फानी धाम मंदिर हरिद्वार

उत्तराखंड प्रदेश में हरिद्वार अर्थात हरि का द्वार है। हरि याने भगवान विष्णु। हरिद्वार नगरी को भगवान श्रीहरि बद्रीनाथ का द्वार माना जाता है, जो गंगा के तट पर स्थित है। इसे गंगा द्वार और पुराणों में इसे मायापुरी क्षेत्र कहा जाता है। यह भारतवर्ष के सात पवित्र स्थानों में से एक है। हरिद्वार में हर की पौड़ी को ब्रह्मकुंड कहा जाता है। इसी विश्वप्रसिद्ध घाट पर कुंभ का मेला लगता है और यहीं पर विश्व प्रसिद्ध गंगा आरती होती है। आओ जानते हैं यहां के प्रसिद्ध दूधाधारी बर्फानी धाम मंदिर के बार में संक्षिप्त जानकारी।

- हरिद्वार में दुधीधारी बर्फानी मंदिर बर्फानी आश्रम में स्थित है। मंदिर परिसर के अंदर, अन्य मंदिर भी हैं।
- इस मंदिर में राम, सीता और हनुमान सहित कई देवी और देवताओं की मूर्तियां विराजित हैं।
- दुधीधारी बरफानी मंदिर अपनी स्थापत्य कला के लिए जाना जाता है। इसे हरिद्वार का सबसे सुंदर मंदिर माना जाता है। सुंदर नक्काशी के साथ सफेद संगमरमर का उपयोग करके पूरे मंदिर परिसर का निर्माण किया गया है जो कि हरिद्वार के अन्य मंदिरों से अलग दिखता है।
- दुधीधारी बर्फानी मंदिर तक पहुंचने के लिए हरिद्वार से बस या निजी टैक्सी से यात्रा कर सकते हैं।
- सिद्ध बाबा दूधाधारी ने यहां रहते हुए शिवलिंग की स्थापना की और अनेक सिद्धियों को प्राप्त किया था। बाबाजी गंगासागर की यात्रा के दौरान ब्रह्मलीन हुए, परंतु उनकी इच्छा अनुसार उनकी समाधी को आश्रम में ही स्थापित किया गया।

सोना गिरवी रखकर कर्ज लेने वाले सबसे तेजी से बढ़े, गोल्ड लोन में 87 फीसदी का उछाल

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

देश में गोल्ड लोन की मांग लगातार तेजी बढ़ रही है। आरबीआई के नए आंकड़ों के अनुसार, फरवरी 2025 में सोने के गहनों के बदले दिए जाने वाले कर्ज में भारी वृद्धि दर्ज की गई है। 21 फरवरी 2025 तक बैंकों द्वारा बांटे गए गोल्ड लोन में 87.4 प्रतिशत फीसदी का तेज उछाल आया है और यह बढ़कर 1.91 लाख करोड़ रुपये पहुंच गया है। यह वृद्धि पर्सनल लोन की श्रेणी में सबसे तेज रहा है।

एक साल पहले 23 फरवरी 2024 यह आंकड़ा 1.02 लाख करोड़ रुपए था और इसकी वृद्धि दर भी केवल 15.2 फीसदी थी। आरबीआई के अनुसार, पर्सनल लोन की कुल वृद्धि 19 प्रतिशत रही, लेकिन सोने के आभूषण के एवज पर लिए गए कर्ज में सबसे अधिक उछाल देखा गया। यह दर्शाता है कि आर्थिक दबाव या तुरंत नकदी की जरूरत के चलते लोग अधिक मात्रा में सोना गिरवी रखकर लोन ले रहे हैं। आरबीआई ने यह आंकड़े 41 बैंकों से जुटाए हैं।

बैंकों द्वारा बांटा गया गोल्ड लोन बढ़कर 1.91 लाख करोड़ रुपए पहुंचा

अन्य कर्ज की स्थिति

आरबीआई के आंकड़ों के मुताबिक, सालाना आधार पर व्यक्तिगत ऋण श्रेणी की दर वृद्धि में गिरावट आई है। फरवरी 2023 में यह दर 19.5 फीसदी थी, जो इस साल घटकर 8.5 फीसदी रह गई है। इसी अवधि में अन्य व्यक्तिगत ऋण, वाहन ऋण, उपभोक्ता लॉन्गा टर्म सामानों पर कर्ज और अन्य पर्सनल लोन की ग्रोथ घटी है। हालांकि, क्रेडिट कार्ड की बकाया राशि में 15.6 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जो 2.9 लाख करोड़ रुपए हो गई है।

किस लोन में कितना उतार-चढ़ाव

फरवरी 2024 में गोल्ड लोन 15.2 प्रतिशत चढ़ा तो इसी महीने 2025 में 87.4 प्रतिशत। जबकि, दूसरे पर्सनल लोन की बात करें तो फरवरी 2024 में 21.7 प्रतिशत था और फरवरी 2025 में 7.9 प्रतिशत रह गया।फरवरी 2024 में एजुकेशन लोन जहां 23.9 प्रतिशत था तो फरवरी 2025 में 15.3 प्रतिशत रह गया। होम लोन भी 36.4 की ग्रोथ से घटकर 11.1 प्रतिशत रह गया। कार लोन में वृद्धि 2024 में 17.6 तो फरवरी 2025 में 9.6 फीसद रह गई।

इनसिक्योर्ड लोन की मांग घटी

विशेषज्ञों के अनुसार, गोल्ड लोन में यह तेजी सोने की बढ़ती कीमतों के चलते आई है। घरेलू वित्तीय तनाव ने सुरक्षित सोने के कर्ज पर निर्भरता बढ़ा दी है। ग्राहक अपना जेवर गिरवी रखकर अधिक ऋण प्राप्त कर रहे हैं। इसके चलते असुरक्षित व्यक्तिगत ऋणों की मांग में कमी आई है। सितंबर 2024 से बैंकों के गोल्ड लोन में 50 प्रतिशत की तेजी देखी गई है, जो कुल ऋण वृद्धि की तुलना में कहीं अधिक है।

खबर संक्षेप

जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर की बिक्री में नौ फीसदी इजाफा

नई दिल्ली। जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया की मार्च में थोक बिक्री सालाना आधार पर नौ प्रतिशत बढ़कर 5,500 इकाई हो गई, जबकि मार्च 2024 में यह 5,050 इकाई रही थी। जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया ने बयान में कहा कि कंपनी के इलेक्ट्रिक वाहनों कॉमेट, जेडएस ईवी और विंडसर की कुल बिक्री में 85 प्रतिशत से अधिक की हिस्सेदारी रही। विंडसर को उसे पेश किए जाने के बाद से अब तक की सबसे अधिक मासिक बिक्री दर्ज की गई। कंपनी ने कहा कि ईवी खंड की वृद्धि से पता चलता है कि उपभोक्ताओं ने कंपनी के इलेक्ट्रिक वाहनों को काफी हद तक अपनाया है।

रॉयल एनफील्ड की बिक्री मार्च में 34 प्रतिशत बढ़ी

नई दिल्ली। मध्यम आकार की मोटरसाइकिल बनाने वाली कंपनी रॉयल एनफील्ड की मार्च में कुल बिक्री 34 प्रतिशत बढ़कर 1,01,021 इकाई हो गई, जबकि पिछले साल इसी महीने में यह 75,551 इकाई रही थी।रॉयल एनफील्ड ने मंगलवार को बयान में कहा कि घरेलू बिक्री पिछले महीने 88,050 इकाई रही, जो मार्च 2024 की 66,044 इकाई से 33 प्रतिशत अधिक है। निर्यात भी 36 प्रतिशत बढ़कर 12,971 इकाई हो गया, जबकि मार्च 2024 में यह 9,507 इकाई रहा था।

टीवीएस मोटर की बिक्री में 17 फीसदी का इजाफा

नई दिल्ली। टीवीएस मोटर कंपनी की मार्च में कुल बिक्री सालाना आधार पर 17 प्रतिशत बढ़कर 4,14,687 इकाई हो गई, जबकि मार्च, 2024 में यह 3,54,592 इकाई रही थी। कंपनी के बयान के अनुसार, पिछले महीने कुल दोपहिया वाहनों की बिक्री 16 प्रतिशत बढ़कर 4,00,120 इकाई हो गई, जो मार्च, 2024 में 3,44,446 इकाई रही थी। मार्च, 2025 में घरेलू दोपहिया वाहनों की बिक्री 14 प्रतिशत बढ़कर 2,97,622 इकाई हो गई, जो एक साल पहले इसी महीने में 2,60,532 इकाई थी।

ओला इलेक्ट्रिक ने 23,430 वाहनों का किया पंजीकरण

नई दिल्ली। ओला इलेक्ट्रिक ने इस साल मार्च में 23,430 वाहनों का पंजीकरण किया। कंपनी बयान के अनुसार, दैनिक पंजीकरण की संख्या और लंबित आपूर्ति निपटान में लगातार सुधार हो रहा है। इसमें कहा गया, '' हमने फरवरी की लंबित आपूर्ति का लगभग निपटान कर दिया है। उम्मीद है कि फरवरी-मार्च की पंजीकृत अन्य वाहनों की आपूर्ति अप्रैल 2025 तक कर दी जाएगी।'' ओला इलेक्ट्रिक ने कहा कि उसने मार्च 2025 में अपने 'जेन-3' खंड की आपूर्ति भी शुरू कर दी है।

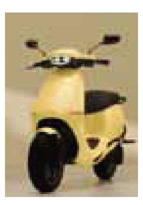

महिंद्रा की यात्री वाहनों की बिक्री 18 फीसदी बढ़ी

मुंबई। महिंद्रा एंड महिंद्रा लिमिटेड की मार्च में घरेलू यात्री वाहनों की बिक्री सालाना आधार पर 18 प्रतिशत बढ़कर 48,048 इकाई हो गई, जबकि मार्च 2024 में यह 40,631 वाहन रही थी। महिंद्रा एंड महिंद्रा (एमएंडएम) ने बयान में कहा कि वित्त वर्ष 2024-25 के लिए कुल घरेलू यात्री वाहनों (पीवी) की बिक्री 5,51,487 इकाई रही जो 2023-24 के 4,59,877 वाहनों से 20 प्रतिशत अधिक है। कंपनी ने कहा कि मार्च में उसकी कुल पीवी बिक्री 50,835 इकाई रही, जिसमें निर्यात भी शामिल है।

आरबीआई की 90वीं वर्षगांठ समापन समारोह में बोले गवर्नर

आरबीआई वित्तीय स्थिरता बनाकर विनियामक ढांचे को लचीला बनाएगा

एजेंसी ▶▶ मुंबई

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने वित्तीय स्थिरता और दक्षता के बीच संतुलन कायम करने के लिए विनियामक ढांचे को लचीला बनाने के साथ-साथ उपभोक्ता संरक्षण को मजबूत करने की केंद्रीय बैंक की प्रतिबद्धता का मंगलवार को उल्लेख किया।

- वित्तीय स्थिरता और दक्षता के बीच संतुलन कायम किया जाएगा

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की 90वीं वर्षगांठ के समापन समारोह में उन्होंने कहा, ''इसे एक उपलब्धि समझते हुए हम मानते हैं कि आरबीआई की भूमिका प्रारंभिक लक्ष्यों से कहीं अधिक महत्वपूर्ण रूप से विस्तारित हुई है।''

चुनौतियां तेजी से बढ़ रही

गवर्नर ने कहा, ''आज हम परंपरा व परिवर्तन के संगम पर खड़े हैं...जहां मूल्य स्थिरता, वित्तीय स्थिरता तथा आर्थिक वृद्धि की अनिवार्यताएं तेजी से बढ़ती प्रौद्योगिकी, वैश्विक अनिश्चितताओं, जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों और बढ़ती सार्वजनिक अपेक्षाओं के साथ जुड़ती हैं।''

खास बातें

- उपभोक्ता संरक्षण को मजबूत करने केंद्रीय बैंक प्रतिबद्ध
- आज हम परंपरा व परिवर्तन के संगम पर खड़े हैं

अगला दशक वित्तीय ढांचे को आकार देने में महत्वपूर्ण

गवर्नर ने कहा कि अगला दशक भारतीय अर्थव्यवस्था के वित्तीय ढांचे को आकार देने में महत्वपूर्ण साबित होगा। आरबीआई वित्तीय समावेश को बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा, हम ग्राहक सेवाओं में निरंतर सुधार तथा उपभोक्ता संरक्षण को मजबूत करने की संस्कृति को बढ़ावा देने का प्रयास करेंगे।

स्थिरता व दक्षता के बीच संतुलन जरूरी

हमारा प्रयास वित्तीय स्थिरता व दक्षता के हितों को संतुलित कर हमारे नियामक ढांचे को लचीला बनाना होगा। हम प्रौद्योगिकी व नवाचार का समर्थन करना जारी रखेंगे। हम सतर्क, लचीले और दूरदर्शी बने रहेंगे।'' मल्होत्रा ने इस बात पर जोर दिया कि आरबीआई सभी हितधारकों, सरकारों और वित्तीय क्षेत्र के नियामकों के साथ प्रभावी ढंग से सहयोग करना जारी रखेगा।

सुधार के लिए हर संभव प्रयास

गवर्नर ने कहा कि आरबीआई वित्तीय प्रणाली में सुधार के लिए हर संभव प्रयास करेगा। इसके लिए इसकी पहुंच का विस्तार करेगा, इसकी दक्षता बढ़ाएगा और उभरते आर्थिक परिदृश्य में इसके लचीलेपन को बढ़ाएगा। गवर्नर ने कहा, ''भले ही हम नई प्रौद्योगिकियों और आधुनिक विनियामक दृष्टिकोणों को अपना रहे हों, लेकिन ईमानदारी, पारदर्शिता व सार्वजनिक सेवा के प्रति प्रतिबद्धता हमारा मार्गदर्शन करती रहेंगी।

भारत के लोगों को बैंक पर भरोसा

भारत के लोगों का केंद्रीय बैंक पर जो भरोसा है, वह हमारी सबसे बड़ी उपलब्धि है। हम इसे बनाए रखने तथा आने वाले वर्षों में इसे और मजबूत बनाने का दृढ़ संकल्प रखते हैं।'' उन्होंने कहा कि यह संस्था राष्ट्र की है और आरबीआई लोगों, वित्तीय प्रणाली तथा अर्थव्यवस्था के हितों की पूर्ति करने के लिए संकल्प से प्रेरित होकर प्रत्येक निर्णय लेता रहेगा।

जीएसटी कलेक्शन से सरकार के खजाने में आए 1.96 लाख करोड़

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

1 अप्रैल से नया फाइनेंशियल ईयर शुरू हो चुका है और इसी के साथ सरकार के लिए भी एक गुड न्यूज आई है। देश की अर्थव्यवस्था ने वित्तीय वर्ष 2024-25 की चौथी तिमाही में जबरदस्त परफॉर्मेंस किया। इसके चलते मार्च में जीएसटी कलेक्शन में 9.9 परसेंट की वृद्धि हुई है और यह 1.96 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया है।

- देश की अर्थव्यवस्था ने वित्तीय वर्ष की चौथी तिमाही में जबरदस्त परफॉर्मेंस किया

सरकारी आंकड़ों से पता चला है कि केंद्रीय जीएसटी कलेक्शन 38,100 करोड़ रुपये, राज्य जीएसटी 49,900 करोड़ रुपये, एकीकृत जीएसटी 95,900 करोड़ रुपये रहा. इसी के साथ कुल ग्रॉस जीएसटी रेवेन्यू 12,300 करोड़ रुपये हो गया।

फरवरी में 9.1 फीसदी वृद्धि देखी गई

फरवरी में जीएसटी कलेक्शन में 9.1 परसेंट की वृद्धि देखी गई, जो डोमेस्टिक रेवेन्यू सोर्सेज में हुई वृद्धि के चलते 183,646 करोड़ रुपये तक पहुंच गई। जनवरी में जीएसटी कलेक्शन 1.96 लाख करोड़ रुपये रहा, जो पिछले साल के मुकाबले 12.3 परसेंट की वृद्धि को दर्शाता है।

केपीएमजी इन इंडिया के भागीदार और प्रमुख (अप्रत्यक्ष कर) अभिषेक जैन ने कहा, ''पिछले साल के मुकाबले जीएसटी कलेक्शन में लगभग 10 परसेंट की बढ़त आर्थिक स्थिरता के साथ-साथ यह भी दिखाती है कि कंपनियों ने नियम से टैक्स भरा है.

मार्च में इतना रहा जीएसटी कलेक्शन

मार्च के महीने में नेट जीएसटी कलेक्शन 1.76 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया है, जो पिछले साल के मुकाबले 7.3 परसेंट की वृद्धि को दर्शाता है। वित्त वर्ष 2025 के लिए ग्रॉस जीएसटी कलेक्शन 22.08 लाख करोड़ रुपये रहा, जो 9.4 परसेंट की बढ़त को दर्शाता है। रिफंड एडजस्टमेंट के बाद वित्त वर्ष 2025 के लिए नेट जीएसटी कलेक्शन 8.6 परसेंट की बढ़त के साथ 19.56 लाख करोड़ रुपये हो गया।

व्हाट्सऐप ने फरवरी में भारत के 97 लाख खातों पर लगाई रोक

व्हाट्सऐप ने अपनी मासिक सुरक्षा रिपोर्ट जारी की

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

त्वरित संदेश सेवा मंच व्हाट्सएप ने मंगलवार को कहा कि उसने फरवरी 2025 के दौरान भारत में 97 लाख से अधिक खातों पर रोक लगाई। उसने बताया कि इनमें से 14 लाख खातों को किसी भी उपयोगकर्ता के शिकायत करने से पहले ही सक्रिय रूप से बंद कर दिया गया।

- 14 लाख खाते शिकायत करने से पहले बंद किए गए

मेटा के स्वामित्व वाले व्हाट्सएप ने अपनी मासिक सुरक्षा रिपोर्ट जारी करते हुए यह जानकारी दी। व्हाट्सएप ने कहा, "फरवरी, 2025 की रिपोर्ट के मुताबिक, व्हाट्सएप ने अपनी सेवा की शर्तों का उल्लंघन करने के लिए भारत में 97 लाख से अधिक खाते बंद कर दिए। इनमें से 14 लाख से अधिक खातों को मंच ने किसी भी उपयोगकर्ता की शिकायत से पहले ही सक्रियता दिखाते हुए बंद कर दिया था।'' इसके साथ ही, व्हाट्सएप ने मंच का जिम्मेदारी से उपयोग करने के सुझाव भी साझा किए हैं। इसने दूसरे लोगों की सीमाओं का सम्मान करना, थोक एवं स्वचालित संदेशों के साथ स्पैमिंग से बचने और ब्रॉडकास्ट लिस्ट का जिम्मेदारी से उपयोग करने के बारे में सुझाव दिए हैं। व्हाट्सएप के प्रवक्ता ने कहा कि उपयोगकर्ताओं को मंच पर सुरक्षित रखने के लिए कृत्रिम मेधा (एआई) और अन्य प्रौद्योगिकी, डेटा वैज्ञानिकों और विशेषज्ञों एवं प्रक्रियाओं में लगातार निवेश किया गया है।

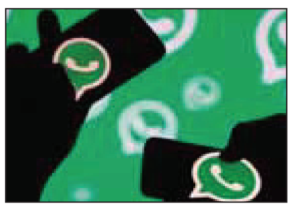

दुरुपयोग रोकने की गई कार्रवाई

प्रवक्ता ने कहा, "हमारी नवीनतम प्रकाशित रिपोर्ट में उपयोगकर्ताओं की शिकायतों, उन पर की गई कार्रवाइयों और दुरुपयोग रोकने के लिए व्हाट्सएप के सक्रिय दृष्टिकोण को रेखांकित किया गया है।"

केयर्न ऑयल ने पार्कर वेलबोर से ड्रिलिंग रिंग लिया किराए पर

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

वेदांता समूह की कंपनी केयर्न ऑयल एंड गैस ने भारत में अपना तेल एवं गैस उत्पादन बढ़ाने के लिए पार्कर वेलबोर से एक उच्च क्षमता वाले ड्रिलिंग रिग को किराये पर लेने का अनुबंध किया है।

- वेदांता समूह की कंपनी है केयर्न ऑयल

ड्रिलिंग रिग का इस्तेमाल धरती की सतह के नीचे तेल या पानी के कुओं की खुदाई करने और निर्माण उद्देश्यों के लिए बड़ा छेद करने में किया जाता है। कंपनी ने बयान में कहा कि यह ड्रिलिंग रिग राजस्थान के बाड़मेर में तैनात किया जाएगा, जो केयर्न की सबसे बड़ी जमीनी उत्पादन परिसंपत्ति है। केयर्न ऑयल एंड गैस ने कहा, ''कंपनी का लक्ष्य मौजूदा परियोजनाओं में निवेश करके उत्पादन बढ़ाना और नए भंडारों को शामिल करना है।'' बयान के मुताबिक, कंपनी ऐसी विकास परियोजनाओं में विशेषज्ञता रखने वाली वैश्विक तेल एवं गैस कंपनियों के साथ साझेदारी की तलाश में है।

तापमान में बढ़ोतरी के साथ बिजली की खपत में वृद्धि

बिजली की खपत मार्च में सात फीसदी बढ़कर 14.84 अरब यूनिट

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

तापमान में बढ़ोतरी होने के साथ ही मार्च के महीने में बिजली की खपत सालाना आधार पर सात प्रतिशत बढ़कर 148.48 अरब यूनिट हो गई। पिछले साल मार्च में बिजली की खपत 138.95 अरब यूनिट रही थी। पिछले महीने एक दिन में सबसे अधिक आपूर्ति भी बढ़कर 235.22 गीगावाट हो गई, जो मार्च, 2024 में 221.68 गीगावाट थी।

पिछले साल मई में अधिकतम बिजली मांग अब तक के उच्चतम स्तर 250 गीगावाट पर रही थी। इसके पहले अधिकतम मांग सितंबर, 2023 में 243.27 गीगावाट दर्ज की गई थी। बिजली मंत्रालय ने पिछले साल की गर्मियों में अधिकतम बिजली मांग के 260 गीगावाट तक पहुंचने का अनुमान जताया था। सरकार ने इस वर्ष की गर्मियों के दौरान बिजली की अधिकतम मांग बढ़कर 277 गीगावाट हो जाने का अनुमान जताया है। विशेषज्ञों का मानना है कि अप्रैल से बिजली की मांग और खपत में वृद्धि का सिलसिला शुरू हो जाएगा।

गर्म हवाओं के थपेडे बहुत पहले शुरू हुए

पिछले साल की तुलना में इस साल गर्म हवाओं के थपेड़े बहुत पहले शुरू हो गए हैं। वर्ष 2024 में पांच अप्रैल को ओडिशा में लू चली थी लेकिन इस साल गर्म हवाएं कोंकण और तटीय कर्नाटक के कुछ हिस्सों में 27-28 फरवरी को ही चली थीं। ऐसी स्थिति में विशेषज्ञों का मानना है कि भारत को गर्मी के इस मौसम में बिजली की मांग में नौ से 10 प्रतिशत वृद्धि के लिए तैयार रहना चाहिए।

लेलैंड की मार्च बिक्री में छह फीसदी का इजाफा

नई दिल्ली। वाणिज्यिक वाहन विनिर्माता कंपनी अशोक लेलैंड की मार्च में कुल बिक्री छह प्रतिशत बढ़कर 24,060 इकाई हो गई, जो एक साल पहले इसी महीने में 22,736 इकाई रही थी। कंपनी के अनुसार, उसकी घरेलू बिक्री मार्च, 2024 के 21,187 इकाई से छह प्रतिशत बढ़कर 22,510 इकाई हो गई। घरेलू बाजार में मध्यम तथा भारी वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री सालाना आधार पर 14,387 इकाइयों से 12 प्रतिशत बढ़कर 16,082 इकाई हो गई। अशोक लेलैंड ने कहा, घरेलू बाजार में हल्के वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री मार्च में 6,428 इकाई रही, जो मार्च, 2024 में बेचे गए 6,800 वाहनों से पांच प्रतिशत कम है।

मारुति सुजुकी की कुल बिक्री मार्च में तीन प्रतिशत बढ़ी

सालाना आधार पर बढ़कर 1,92,984 इकाई रही

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

प्रमुख वाहन विनिर्माता कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया की कुल वाहन बिक्री मार्च में सालाना आधार पर तीन प्रतिशत बढ़कर 1,92,984 इकाई रही है। पिछले साल इसी महीने में कंपनी ने 1,87,196 वाहन बेचे थे। मारुति सुजुकी इंडिया (एमएसआई) ने एक बयान में कहा कि पिछले महीने उसने घरेलू बाजार में डीलरों को 1,50,743 यात्री वाहन भेजे, जबकि एक साल पहले इसी महीने में 1,52,718 वाहनों की बिक्री घरेलू बाजार में हुई थी।

- छोटे कारों की बिक्री में मामूली गिरावट दर्ज

ऑल्टो और एस-प्रेसो जैसी छोटी कारों की बिक्री पिछले महीने मामूली घटकर 11,655 इकाई रह गई, जो मार्च, 2024 में 11,829 इकाई था। वहीं, बलेनो, डिजायर, इग्निस और स्विफ्ट जैसी 'कॉम्पैक्ट' कारों की बिक्री भी मार्च में घटकर 66,906 इकाई रह गई, जो एक साल पहले इसी महीने में 69,844 इकाई थी। ग्रैंड विटारा, ब्रेजा, अर्टिगा और एक्सएल6 जैसे बहुउद्देशीय वाहनों की बिक्री पिछले महीने बढ़कर 61,097 इकाई हो गई, जो पिछले साल मार्च में 58,436 इकाई रही थी। वैन ईको की बिक्री पिछले महीने 10,409 इकाई रही, जबकि पिछले साल मार्च में यह 12,019 इकाई थी। वहीं, हल्के वाणिज्यिक वाहन सुपर कैरी की बिक्री घटकर 2,391 इकाई रह गई, जो पिछले साल मार्च में 3,612 इकाई रही थी।

घरेलू यात्री वाहन की बिक्री 17,60,767 इकाई

पिछले वित्त वर्ष में कुल घरेलू यात्री वाहन बिक्री 17,60,767 इकाई रही, जबकि इससे पिछले वित्त वर्ष (2023-24) में यह 17,59,881 इकाई थी। कंपनी ने कहा कि पिछले वित्त वर्ष (2024-25) में उसका निर्यात 3,32,585 इकाई रहा। यह किसी एक वित्त वर्ष में निर्यात का सबसे ऊंचा आंकड़ा है। वित्त वर्ष 2023-24 में कंपनी ने 2,83,067 गाड़ियों का निर्यात किया था।

मूडीज रेटिंग्स ने उभरते बाजारों पर जारी की अपनी रिपोर्ट

भारत की वृद्धि दर उन्नत देशों में सबसे अधिक रहेगी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारत की वृद्धि दर कर उपायों व निरंतर मौद्रिक सहजता के दम पर चालू वित्त वर्ष 2025-26 में 6.5 प्रतिशत रहेगी जो कि जी-20 देशों में सबसे अधिक होगी। साथ ही देश पूंजी आकर्षित करना जारी रखेगा और किसी भी विदेशी निकासी को झेल सकेगा।

मूडीज रेटिंग्स ने उभरते बाजारों पर मंगलवार को जारी अपनी रिपोर्ट में कहा कि अमेरिकी नीतियों के मंथन तथा वैश्विक पूंजी प्रवाह, आपूर्ति श्रृंखलाओं, व्यापार व भू-राजनीति को नया आकार देने की उसकी क्षमता के कारण ऐसी अर्थव्यवस्थाओं पर अनिश्चितता के बादल मंडरा रहे हैं। हालांकि, बड़े उभरते बाजारों के पास इससे निपटने के लिए संसाधन हैं।

चीन में घरेलू खपत कमजोर बनी हुई

रिपोर्ट में कहा गया, सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में आर्थिक गतिविधि उच्च स्तरों से थोड़ी धीमी हो जाएगी, लेकिन इस साल और अगले साल मजबूत रहेगी। चीन में, बुनियादी ढांचे और प्राथमिकता वाले उच्च प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में निर्यात तथा निवेश वृद्धि के मुख्य चालक बने हुए हैं, जबकि घरेलू खपत कमजोर बनी हुई है।

भारत की वृद्धि जी-20 देशों में सबसे अधिक रहेगी

मूडीज ने कहा, '' कर उपायों और निरंतर (मौद्रिक) सहजता से समर्थित, भारत की वृद्धि उन्नत तथा उभरते जी-20 देशों में सबसे अधिक रहेगी।'' रेटिंग एजेंसी ने साथ ही भारत में वित्त वर्ष 2025-26 के लिए 6.5 प्रतिशत की वृद्धि का अनुमान लगाया है, जो 2024-25 में 6.7 प्रतिशत से कम है। उसने मुद्रास्फीति के औसतन 4.5 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया, जो गत वित्त वर्ष में 4.9 प्रतिशत थी।

अनिश्चितता से पूंजी निकासी का जोखिम बढ़ेगा

मूडीज ने साथ ही कहा कि अमेरिकी नीतियों में अनिश्चितता से पूंजी निकासी का जोखिम बढ़ेगा, लेकिन भारत तथा ब्राजील जैसे बड़े उभरते बाजार अपनी बड़ी और घरेलू रूप से उन्मुख अर्थव्यवस्थाओं, बड़े घरेलू पूंजी बाजारों, मध्यम नीति विश्वसनीयता व पर्याप्त विदेशी मुद्रा भंडार के दम पर ऐसी परिस्थितियों में वैश्विक पूंजी को आकर्षित करने और बनाए रखने के लिए बेहतर स्थिति में हैं।

उभरते बाजारों में वृद्धि धीमी रहेगी

रिपोर्ट में कहा गया, उभरते बाजारों की वृद्धि 2025-26 में कुल मिलाकर धीमी लेकिन दृढ़ रहेगी, जिसमें प्रत्येक देश की स्थिति के अनुरूप व्यापक अंतर होगा। एशिया-प्रशांत में वृद्धि सबसे अधिक रहेगी, लेकिन वैश्विक व्यापार में इस क्षेत्र के एकीकरण का मतलब है कि यह अमेरिकी शुल्क और वृद्धि को धीमा करने की उनकी क्षमता के प्रति सबसे अधिक संवेदनशील है।

ऑपरेशन ब्रह्माः म्यांमार में भूकंप के बाद भारत ने भेजी 625 मीट्रिक टन राहत सामग्री, सेना का अस्पताल भी स्थापित

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा नई दिल्ली

भारत ने म्यांमार में आए विनाशकारी भूकंप के बाद ऑपरेशन ब्रह्मा के तहत 625 मीट्रिक टन मानवीय सहायता और आपदा राहत सामग्री भेजी है। विदेश मंत्रालय ने मंगलवार को बताया कि 28 मार्च को शुरू किए गए इस ऑपरेशन के तहत भारत ने म्यांमार में बचाव कार्य, चिकित्सा सहायता और राहत सामग्री भेजने के लिए कई विमान और भारतीय नौसेना के जहाजों का इस्तेमाल किया।

तीन खेप में भेजी गई मानवीय सहायता

बता दें कि विनाशकारी भूकंप के बाद ऑपरेशन ब्रह्मा के तहत भारत ने अभी तक कुल तीन खेप म्यांमार भेजे है। पहली खेप में 15 टन आपूर्ति, जिसमें टेंट, कंबल, दवाएं और भोजन शामिल थे, 29 मार्च को यांगून में पहुंचाई गई। इसके बाद दूसरी खेप में 80 एनडीआरएफ खोज और बचाव विशेषज्ञों के साथ 22 टन राहत सामग्री, जिसमें स्वच्छता किट, रसोई सेट, और दवाएं शामिल थीं, 30 मार्च को नेपीता में पहुंची। वहीं तीसरी खेप में 60 टन से अधिक आपूर्ति भेजी गई, जिसमें सर्जिकल शेल्टर, जल स्वच्छता सेवाएं, और महिला और बाल देखभाल सेवाएं शामिल थीं। इसके साथ ही 118 सदस्यीय भारतीय सेना का फील्ड अस्पताल मांडले में स्थापित किया गया है, जहां सर्जरी और इलाज किया जा रहा है। वहीं इस मामले में भारतीय सेना ने बताया कि मांडले में स्थित भारतीय सेना के अस्पताल में सर्जनों ने दो जीवन रक्षक सर्जरी सफलता पूर्वक की हैं। म्यांमार के राहत कार्यों के प्रभारी लेफ्टिनेंट जनरल म्यो मो आंग ने अस्पताल का दौरा किया और भारत के सहायता प्रयासों की सराहना की। साथ ही विदेश मंत्रालय ने बताया कि भारतीय नौसेना के दो जहाज, सतपुड़ा और सावित्री, 29 मार्च को 40 टन राहत सामग्री लेकर यांगून रवाना हुए थे, जिन्हें सोमवार को यांगून के मुख्यमंत्री को सौंपा गया। इसके बाद, अंडमान और निकोबार से दो और भारतीय नौसेना के जहाज, करमुक और एलसीयू 52, 30 मार्च को यांगून के लिए रवाना हुए, जिनमें 30 टन राहत सामग्री थी। म्यांमार में पिछले सप्ताह आए विनाशकारी भूकंप में मरने वालों का आंकड़ा लगातार बढ़ता जा रहा है। यहां भूकंप के चलते ढही इमारतों से शव निकलने का सिलसिला जारी है। इसके चलते अब तक यहां 2700 लोगों की मौत हो चुकी है। म्यांमार में 28 मार्च को 7.7 तीव्रता के भूकंप के झटके लगे थे। इसके बाद 6.4 तीव्रता के भी झटके महसूस हुए। भूकंप का केंद्र मेंडले और सेगेंग शहरों की सीमा पर जमीन के 10 किलोमीटर भीतर था। भूकंप के चलते बुनियादी ढांचे, सड़कें और रिहायशी इमारतों को भारी नुकसान हुआ। भूकंप के झटके न सिर्फ म्यांमार बल्कि पड़ोसी देशों में भी महसूस किए गए। थाईलैंड का चियांग मेई शहर में भी इस भूकंप के चलते काफी नुकसान हुआ।

कैग रिपोर्ट से फिर केजरीवाल को घेरेगी भाजपा, आप की मांग- बिजली कटने पर हो चर्चा

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा नई दिल्ली

दिल्ली विधानसभा में मंगलवार को एक बार फिर भाजपा और आम आदमी पार्टी के बीच जमकर घमासान देखने को मिल सकता है। भाजपा जहां सदन में कैग की आठवीं रिपोर्ट पेश कर केजरीवाल को कटघरे में खड़ा करने की तैयारी कर चुकी है, वहीं आम आदमी पार्टी का आरोप है कि दिल्ली के कई इलाकों में बिजली कटौती हुई है। इस पर विधानसभा में चर्चा होनी चाहिए। दिल्ली विधानसभा स्पीकर विजेंद्र गुप्ता ने कहा है कि मंगलवार को सदन में कैग की आठवीं रिपोर्ट पेश की जाएगी। इस सत्र में यह छठवीं रिपोर्ट पेश की जाएगी, जबकि इसके पहले दो रिपोर्ट पेश की जा चुकी हैं। पिछली रिपोर्ट्स में भाजपा ने डीटीसी बसों के मामले में हुए कथित घोटाले को सामने लाने का दावा किया था। आम आदमी पार्टी विधायक संजीव झा ने दिल्ली विधानसभा स्पीकर को पत्र लिखकर यह अनुरोध किया है कि बिजली कटौती पर चर्चा की जाए। आम आदमी पार्टी का आरोप है कि दिल्ली में सरकार बदलने के बाद बिजली सेवाएं प्रभावित हो रही हैं। हालांकि, दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने आम आदमी पार्टी के इन आरोपों को खीझ मिटाने का तरीका बताया था। उन्होंने कहा कि देश भर में भाजपा शासित अनेक शहरों में लगातार 24 घंटे की अबाधित बिजली सेवा दी जा रही है। दिल्ली में भी बिजली की पूरी सप्लाई है। दिल्ली सरकार ने इस बार गर्मी में बिजली की मांग में संभावित बढ़ोतरी को देखते हुए भी बिजली उपलब्धता अभी से सुनिश्चित करने के लिए कहा है। भाजपा नेता ने कहा कि इसके बाद भी बिजली कटौती को मुद्दा बनाने की कोशिश करना आम आदमी पार्टी की खीझ मिटाने की कोशिश है, इससे अधिक कुछ नहीं।

सीबीआई को केंद्रीय मंत्री की सलाह, कहा- एआई अपराधों से निपटने के लिए उद्योग और शिक्षा जगत से बिठाएं तालमेल

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा नई दिल्ली

केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) को केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने सलाह दी है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि आर्थिक, सामाजिक और तकनीक में आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआई) के चलते हो रहे बदलावों के मद्देनजर सीबीआई को शिक्षा जगत और उद्योगों के साथ तालमेल बिठाकर काम करना चाहिए। सीबीआई के 62वें स्थापना दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि एआई के आने के बाद से चीजें बदल गईं हैं। एक एआई एजेंट अपराध कर सकता है। इसलिए सवाल खड़ा होता है कि अपराध किसने किया और किसे गिरफ्तार किया जाना चाहिए? क्या आप एक एआई एजेंट को गिरफ्तार कर सकते हैं? क्या अपराध के लिए एआई बनाने वाली कंपनी जिम्मेदार है या एआई एजेंट जिम्मेदार है? उन्होंने कहा कि समाज ऐसे बदलाव हो रहे हैं। आर्थिक, सामाजिक और तकनीकी क्षेत्र में हो रहे ऐसे बदलावों को लेकर मैं सीबीआई और इसकी बेहतरीन टीम से अधिक तालमेल और समन्वय कायम करने का विचार करने का अनुरोध करता हूं। वैष्णव ने कहा कि हमें स्टार्टअप्स, उद्योगों और शिक्षा जगत के साथ मिलकर काम करना चाहिए। हम एआई मिशन में कई नए उपकरण बनाने के लिए शिक्षा जगत के साथ सहयोग कर रहे हैं। कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री ने 26 सीबीआई अधिकारियों को विशिष्ट सेवा के लिए राष्ट्रपति पुलिस पदक और सराहनीय सेवा के लिए पुलिस पदक प्रदान किए। वहीं सीबीआई निदेशक प्रवीण सूद ने कहा कि 2024 कई मायनों में कानून प्रवर्तन एजेंसियों और सीबीआई के लिए ऐतिहासिक वर्ष रहा है। इन कानूनों में निर्धारित कई प्रक्रियात्मक बदलावों और समयसीमाओं के अलावा यह पीड़ितों को समयबद्ध तरीके से न्याय दिलाने में मदद करेगा। इस साल की शुरुआत में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सीबीआई पोर्टल भारतपोल लॉन्च किया, जो पूरे देश में कानून प्रवर्तन एजेंसियों और सीबीआई के बीच निर्बाध संचार की सुविधा प्रदान करता है।

असम ने शुरू की महिला उद्यमिता समर्थन योजना, स्व-रोजगार के लिए सरकार देगी मदद

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा गुवाहाटी

असम सरकार ने मंगलवार को अपनी सबसे बड़ी महिला उद्यमिता समर्थन योजना शुरू की है। जिसके तहत महिलाओं को स्व-रोजगार के अवसरों को बढ़ावा देने के लिए 10,000 रुपये की शुरुआती पूंजी दी जाएगी। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने इस योजना का शुभारंभ बिश्वनाथ जिले से किया। इस योजना का नाम 'मुख्यमंत्री महिला उद्यमिता अभियान' है। इसे राज्यभर में चरणबद्ध तरीके से लागू किया जाएगा।

मुख्यमंत्री सरमा ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, असम की सबसे बड़ी महिला उद्यमिता समर्थन योजना शुरू की गई। 30 लाख महिलाएं लाभान्वित होंगी। उन्होंने कहा हमारी माताओं और बहनों के आशीर्वाद से आज हमने मुख्यमंत्री महिला उद्यमिता अभियान शुरू किया है। जिसमें महिलाओं को स्व-रोज़गार के अवसरों को बढ़ावा देने के लिए 10,000 रुपये की शुरुआती पूंजी प्रदान की जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए एक बहुस्तरीय रणनीति अपनाई जा रही है, जो स्कूल से लेकर वृद्धावस्था तक सभी पहलुओं को शामिल करती है। उन्होंने जोर देकर कहा कि निःशुल्क प्रवेश, निःशुल्क शिक्षा, अरुणोदय के माध्यम से आजीविका समर्थन, वृद्धावस्था पेंशन और निःशुल्क खाद्यान्न, हर कदम पर हम अपनी नारी शक्ति के साथ खड़े हैं। इस नई योजना के तहत सरकार पहले वर्ष में 10,000 रुपये की शुरुआती पूंजी, दूसरे वर्ष में 25,000 रुपये (12,500 रुपये का ऋण और उतनी ही राशि सरकारी समर्थन के रूप में) और तीसरे चरण में 50,000 रुपये प्रदान करेगी। उन्होंने कहा, इससे हम असम में सूक्ष्म-स्तरीय उद्यमिता को प्रोत्साहित करने का लक्ष्य रखते हैं। मुख्यमंत्री कार्यालय ने सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए बताया कि सरमा ने बिहाली

व्यापक व्यापार समझौते पर बातचीत शुरू करेंगे भारत और चिली, दोनों देशों में बनी सहमति

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा नई दिल्ली

भारत और चिली ने तय किया है कि दोनों देश व्यापक व्यापार समझौते पर बातचीत शुरू करेंगे। चिली के राष्ट्रपति गैब्रियल बोरिक फॉन्ट भारत दौरे पर हैं। मंगलवार को चिली के राष्ट्रपति ने प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात की। इस मुलाकात में द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के लिहाज से कई अहम मुद्दों पर बात हुई। बोरिक पांच दिवसीय दौरे पर भारत आए हैं। अपने इस दौरे में वे भारत के साथ द्विपक्षीय सहयोग बढ़ाने का संभावनाओं को तलाशेंगे, जिनमें व्यापार और रक्षा क्षेत्र भी शामिल हैं। दोनों देशों के बीच शीर्ष नेतृत्व स्तर की बातचीत के बाद मीडिया से बात करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि 'आज हमारी टीमों ने व्यापक आर्थिक साझेदारी की दिशा में बातचीत की शुरुआत की है। दोनों देशों के बीच महत्वपूर्ण खनिजों के क्षेत्र में साझेदारी की संभावनाएं भी तलाशी जाएंगी।' पीएम मोदी ने लैटिन अमेरिका में चिली को भारत का महत्वपूर्ण साझेदार बताया और कहा कि भारत, चिली को अंटार्कटिका के प्रवेश द्वार के तौर पर देखता है। भारत, चिली के साथ डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर, अक्ष ऊर्जा, रेलवे, अंतरिक्ष और अन्य क्षेत्रों में अपना सकारात्मक अनुभव साझा करने के लिए तैयार है। पीएम मोदी ने कहा कि राष्ट्रपति बोरिक का यह पहला भारत दौरा है और उनका भारत के साथ रिश्तों को मजबूत करने का समर्पण अद्भुत है। आज की बातचीत में हमने खाद्य सुरक्षा के मामले में एक दूसरे की क्षमताओं को मजबूत करने पर भी बात की। चिली में स्वास्थ्य सुरक्षा के क्षेत्र में भारत विश्वसनीय साझेदार है। ये बेहद खुशी की बात है कि चिली में योग को अपनाया जा रहा है। चिली में 4 नवंबर को योग दिवस घोषित किया जाना, हमारे लिए प्रेरणा की बात है। हमने चिली में आयुर्वेद और पारंपरिक चिकित्सा को बढ़ावा देने के मुद्दे पर भी बात की। रक्षा क्षेत्र में बढ़ता सहयोग दोनों देशों के बीच बढ़ते आपसी विश्वास का प्रतीक है। प्रधानमंत्री ने कहा कि 'संगठित अपराध, ड्रग तस्करी, आतंकवाद से मुकाबले के लिए भी हम सहयोग बढ़ाएंगे। वैश्विक मोर्चे पर भारत और चिली का मानना है कि संघर्षों को बातचीत के जरिए सुलझाया जाना चाहिए। हम संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधार के भी पक्ष में हैं। भारत और चिली के बीच भले ही बहुत दूरी है, लेकिन दोनों देश प्राकृतिक रूप से जुड़े हुए हैं। चिली में भारतीय सिनेमा की बढ़ती लोकप्रियता हमारे सांस्कृतिक संबंधों का उदाहरण है। भारत और चिली के बीच छात्रों के एक्सचेंज को भी बढ़ाया जाएगा।' वहीं चिली के राष्ट्रपति बोरिक ने कहा कि 'दोनों देशों के बीच सहयोग की काफी संभावनाएं हैं। हम भारत के ऑडियो विजुअल उद्योग को चिली ले जाना चाहते हैं। इसके लिए हमने शूट इन चिली कार्यक्रम की शुरुआत की है। बॉलीवुड के जरिए भारत ने जो किया है वो काबिले तारीफ है।

तनावः भारत के पूर्वोत्तर राज्यों पर बयान यूनुस को पड़ेगा भारीः बीरेन सिंह

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा इंफाल

बांग्लदेश की अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस के द्वारा अपनी चीन यात्रा के दौरान भारत को लेकर दिए गए बयान पर सियासत तेज हो गई है। असम के सीएम हिमंत बिस्वा सरमा के बाद अब मणिपुर के पूर्व सीएम एन बीरेन सिंह ने भी यूनुस के बयान पर पलटवार कर उन्हें फटकार लगाई है। बीरेन सिंह ने यूनुय के बयान को मूर्खतापूर्ण बताते हुए इस प्रकार के बयान ना देने के लिए कड़ी चेतावनी भी दी है। बता दें कि यूनुस ने हाल ही में चीन से बांग्लादेश को आर्थिक रूप से लाभ पहुंचाने की बात की थी। उन्होंने भारत के पूर्वोत्तर के सातों राज्यों को लैंडलॉक्ड (जमीन से चारों ओर से घिरा) क्षेत्र बताते हुए बांग्लादेश को हिंद महासागर का एकमात्र संरक्षक है बताया। साथ ही चीन से अपील की वो बांग्लादेश में अपनी आर्थिक गतिविधियां बढ़ाएं। मणिपुर के पूर्व सीएम एन बीरेन सिंह ने यूनुस के बयान पर जवाब देते हुए कहा कि यह पूरी तरह से साफ है कि यूनुस और उनकी सरकार अपनी भू-राजनीतिक सपने को पूरा करने के लिए पूर्वोत्तर को मोहरा बना रही है। इस तरह के भड़काऊ बयान अनुचित हैं और मैं इसकी कड़ी निंदा करता हूं। उन्होंने यूनुस से भारत के बारे में बेबुनियाद टिप्पणी न करने को कहा, क्योंकि उनका मानना है कि ऐसी बातें मूर्खतापूर्ण हैं और ऐसी बातों का नकारात्मक परिणाम हो सकते हैं। साथ ही सिंह ने आगे कहा कि भारत की एकता और अखंडता पर कोई समझौता नहीं किया जा सकता, और इसे चुनौती नहीं दी जा सकती। मोहम्मद यूनुस को संयम बरतना चाहिए। इससे पहले यूनुस के बयान पर असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने भी पलटवार किया। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश के मोहम्मद यूनुस का बयान निंदनीय है। तथाकथित अंतरिम सरकार की ओर से अपने बयान में उन्होंने पूर्वोत्तर भारत के सात राज्यों (सेवन सिस्टर्स) को जमीन से घिरा हुआ बताया और बांग्लादेश को उनके महासागर तक पहुंच के संरक्षक के रूप में पेश किया है। यह अपमानजनक और कड़ी निंदा के योग्य है। उन्होंने कहा, 'मोहम्मद यूनुस के ऐसे भड़काऊ बयानों को हल्के में नहीं लिया जाना चाहिए। वे गहन रणनीतिक विचारों और दीर्घकालिक एजेंडे को लेकर चलने वाले हैं।' सरमा ने कहा कि यह टिप्पणी भारत के रणनीतिक 'चिकन नेक' गलियारे की हलचल को दिखाती है। ऐतिहासिक रूप से भारत में आंतरिक तत्वों ने भी पूर्वोत्तर को अलग करने के लिए इस महत्वपूर्ण मार्ग को काटने का खतरनाक सुझाव दिया है। इसलिए चिकन नेक गलियारे के नीचे और उसके आसपास और अधिक मजबूत रेलवे और सड़क नेटवर्क विकसित करना जरूरी है।

प्रधानमंत्री पद की दावेदारी पर सीएम योगी का बड़ा बयान- मैं योगी हूं, हमेशा के लिए राजनीति में नहीं

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रधानमंत्री पद की दावेदारी को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि मैं दिल से एक योगी हूं और राजनीति मेरा पूर्णकालिक व्यवसाय नहीं है। मैं मुख्यमंत्री पद पर उत्तर प्रदेश की जनता की सेवा करने के लिए हूं और मैं हमेशा के लिए राजनीति में नहीं आया हूं। मेरी पार्टी भाजपा ने मुझे जो जिम्मेदारी दी है उसे मैं निभा रहा हूं। पीटीआई को दिए गए साक्षात्कार में उन्होंने प्रधानमंत्री पद की दावेदारी को लेकर खंडन किया। उन्होंने कहा कि मैं कब तक राजनीति में रहूंगा इसकी समय सीमा है। मैं हमेशा के लिए राजनीति में नहीं हूं। बता दें कि इन दिनों प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उत्तराधिकारी को लेकर चर्चाएं काफी तेज हैं और योगी को उनके समर्थकों के द्वारा प्रधानमंत्री पद के दावेदार के तौर पर देखा जा रहा है। ये चर्चाएं प्रधानमंत्री मोदी के 30 मार्च को संघ मुख्यालय जाने के बाद और तेज हो गई हैं। सोशल मीडिया पर हो रही चर्चाओं में सीएम योगी और महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी को प्रधानमंत्री पद के दावेदार के तौर पर देखा जा रहा है। इस पर शिवसेना के नेता संजय राउत ने भी बयान दिया है। उन्होंने कहा कि देश का अगला प्रधानमंत्री महाराष्ट्र से होगा जिस पर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि मोदी जी ही देश का नेतृत्व करेंगे। हमारी संस्कृति में जब तक पिता जीवित होता है उत्तराधिकारी की बात नहीं की जाती है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि राजनीति में धर्म का मिलन गलत नहीं है। ये हमारी गलती है कि हम धर्म को कुछ स्थानों के लिए सीमित कर देते हैं और राजनीति को कुछ लोगों के लिए छोड़ देते हैं। इससे समस्याएं उत्पन्न होती हैं। राजनीति का उद्देश्य स्वार्थों की पूर्ति करना नहीं है बल्कि समाज की भलाई करना है। इसी तरह धर्म का उद्देश्य भी परमार्थ होता है। जब धर्म का प्रयोग स्वार्थ की पूर्ति के लिए होता है तो मुश्किल आती है लेकिन परमार्थ का उद्देश्य होने पर धर्म प्रगति के मार्ग खोलता है।

हिरण का मांस खाने के आरोप निराधार, ये इसलिए लगाए ताकि बिश्नोई गैंग मार डालेः सुरेश धस

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा मुंबई

महाराष्ट्र के भाजपा विधायक सुरेश धस ने कहा कि उन पर हिरण का मांस खाने के निराधार आरोप लगाए जा रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि ये आरोप इसलिए लगाए गए ताकि 'बिश्नोई गैंग' उन्हें मार डाले। धस ने कहा कि सतीश भोसले उर्फ 'खोक्या' के खिलाफ दर्ज मामालों के संबंध में उन्हें फंसाने की साजिश रची जा रही है। वह इस मामले को मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के सामने उठाएंगे। बीड जिले के भाजपा नेता सतीश भोसले विधायक धस के सहयोगी माने जाते हैं। भोसले को पिछले महीने हत्या के प्रयास के मामले में गिरफ्तार किया गया था। उन पर जंगली जानवरों का शिकार करने का भी आरोप है। भाजपा विधायक धस ने एक मराठी अखबार को दिए साक्षात्कार में कहा कि बीड में परली इलाके के कुछ नेता मेरे निर्वाचन क्षेत्र में आए और दावा किया कि मुझे भोसले से हिरण का मांस मिला है। धस ने कहा कि मैंने कभी ऐसा मांस नहीं खाया है। उन्होंने कहा, 'वह एक मालकारी (भगवान विट्ठल के अनुयायी) हैं, जो मांस से परहेज करने के लिए जाने जाते हैं।' धस ने आगे कहा कि मुझे फंसाने की कोशिश की गई, ताकि लॉरेंस बिश्नोई जैसा गैंगस्टर मेरे खिलाफ कार्रवाई करे। उन्होंने कहा कि बिश्नोई गैंग के सदस्यों को उन्हें मारने के इरादे से मुंबई लाया गया था। उन्हें राजस्थान के कुछ लोगों के लिए हवाई टिकट खरीदे जाने की जानकारी है। बता दें कि राजस्थान का बिश्नोई समुदाय हिरण को पवित्र मानता है। भाजपा विधायक ने कहा कि उन्होंने बीड जिले में मस्साजोग के सरपंच संतोष देशमुख की हत्या का मुद्दा उठाया था। उन्होंने इस मुद्दे पर एनसीपी नेता धनंजय मुंडे और भाजपा नेता व राज्य मंत्री पंकजा मुंडे की आलोचना की थी। उन्होंने दावा किया, 'अब भोसले मामले में इन आरोपों के साथ, मेरे खिलाफ मामला पलटने की कोशिश की जा रही है।' बता दें कि विपक्ष के निशाना साधने पर पिछले महीने धनंजय मुंडे ने महाराष्ट्र मंत्रिमंडल से इस्तीफा दे दिया था। मुंडे के करीबी वाल्मिक कराड को देशमुख की हत्या से संबंधित जबरन वसूली के एक मामले में गिरफ्तार किया गया था।

आज पेश होगा वक्फ विधेयक, रिजिजू बोले- जरूरत पड़ी तो संसद सत्र का विस्तार करेंगे

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा नई दिल्ली

लोकसभा में कल यानी बुधवार को वक्फ संशोधन विधेयक पेश किया जाएगा। केंद्रीय अल्पसंख्यक मंत्री किरेन रिजिजू दोपहर 12 बजे इसे सदन के पटल पर रखेंगे। वक्फ संशोधन विधेयक पर अल्पसंख्यक मामलों के केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा, 'लोकसभा की कार्य मंत्रणा समिति (बीएसी) की बैठक में मैंने समिति के समक्ष प्रस्ताव रखा था कि कल 2 अप्रैल को हम वक्फ संशोधन विधेयक ला रहे हैं। इसके लिए हमें चर्चा के लिए समय आवंटित करना होगा। अंत में इस बात पर सहमति बनी कि वक्फ संशोधन विधेयक पर चर्चा के लिए कुल समय आठ घंटे होगा, जिसे सदन की राय लेने के बाद बढ़ाया जा सकता है।' रिजिजू ने कहा, '...अगर सदन को लगता है कि चर्चा के लिए समय बढ़ाया जाना चाहिए तो समय बढ़ाया जा सकता है, लेकिन अगर विपक्ष के लोग कोई बहाना बनाकर चर्चा में भाग नहीं लेना चाहते हैं तो मैं इसे रोक नहीं सकता। हम चर्चा चाहते हैं। हर राजनीतिक दल को अपनी राय रखने का अधिकार है और देश सुनना चाहता है कि संशोधन विधेयक पर किस राजनीतिक दल का क्या रुख है। यह बात हजारों सालों तक दर्ज रहेगी, यह बात रिकॉर्ड में रहेगी कि किसने विरोध किया और किसने समर्थन किया। 2 अप्रैल को प्रश्नकाल के तुरंत बाद मैं संशोधन विधेयक को विचार और पारित करने के लिए प्रस्तुत करना चाहता हूं। उसके बाद हम 8 घंटे की चर्चा के लिए सहमत हुए हैं।'

कुछ दलों और संगठनों पर मुस्लिमों को गुमराह करने का आरोप

कुछ दलों और संगठनों पर मुस्लिमों को गुमराह करने का आरोप लगाते हुए रिजिजू ने कहा कि सरकार की मंशा संसद के इसी सत्र में वक्फ संशोधन विधेयक पारित कराने की है। रिजिजू ने कहा कि विधेयक पर सभी सहयोगी दल, केरल के बिशप सहित कई मुस्लिम संगठन सरकार के साथ हैं। ऐसे में आवश्यक हुआ, तो विधेयक को पारित कराने के लिए सरकार सत्र का विस्तार भी करेगी। उन्होंने संकेत दिया कि विधेयक लोकसभा में बुधवार को पेश किया जा सकता है। रिजिजू ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि विधेयक को लाने की तैयारी पूरी कर ली गई है। इसका उद्देश्य वक्फ की कार्यप्रणाली में पारदर्शिता लाना और जवाबदेह बनाना है। इसका लाभ गरीब मुसलमानों, महिलाओं व बच्चों के लिए सुनिश्चित करना है। विधेयक को असांविधानिक बताने पर एतराज जताते हुए कहा कि देश संविधान से चलता है। रिजिजू ने कहा, 'सरकार को पता है कि विधेयक से कौन परेशान है। वो परेशान हैं, जिन्होंने वक्फ की करोड़ों की संपत्ति दशकों से कब्जा कर रखी है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक, संदीप कुमार के लिए कसाणा प्रिंटिंग प्रेस, नियर बस स्टैंड भिण्डुसी, तहसील- तिजारा, जिला- अलवर (राजस्थान) पिन कोड- 301405, से मुद्रित तथा 109, धर्मशाला के पास, वीपीओ- हींगवाहेड़ा, तहसील- तिजारा, जिला- अलवर (राजस्थान) पिन कोड- 301411 से प्रकाशित। संपादक, संदीप कुमार Mob- 9414508610 E-mail:- pratigya.alwar@gmail.com पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के लिए जिम्मेदार, समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र अलवर होगा